ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगर मुझे केपीसीसी अध्यक्ष का पद दिया गया तो मैं इसे कुशलतापूर्वक .. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 26 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-146

चारभुजा नाथ शोभा यात्रा पर हमला करने वालों को दे दी जमानत!

जब जज मजहबी हो तो हमलावरों का मजहब नहीं होता...

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में हिंदुओं की शोभा यात्रा पर पिछले दिनों जो सुनियोजित हमला हुआ था, उसके 18 मुस्लिम अभियुक्तों को मुस्लिम जज ने यह कहते हुए जमानत दे दी कि भीड़ का कोई मजहब नहीं होता। राजस्थान हाईकोर्ट के इस जज के जजमेंट से देश के सामने यह सवाल पूरे जोर से उठा कि क्या वाकई भीड़ का कोई मजहब नहीं होता? क्या भीड़ को कपड़ों से नहीं पहचाना जा सकता? क्या भीड़ में शामिल लोगों के इरादे समान नहीं होते? अभियुक्तों को जमानत देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के जज फरजंद अली ने कहा कि भीड़ का कोई मजहब नहीं होता, कई बार निर्दोष फंस जाते हैं और असली अपराधी भाग निकलते हैं। जज साहब का कहना था कि कई लोग उत्सुकतावश तो कई डर से भी घटना को देखने जाते हैं। जज फरजंद अली ने यह कहते हुए कि आरोपियों को जेल में रखे जाने का कोई कारण नहीं है, अभियुक्तों को जमानत पर रिहा कर दिया।

हमले की वीडियो फुटेज, चश्मदीद गवाहों के बयान, सब किनारे लगा दिए

राजस्थान हाईकोर्ट के इस न्यायिक फैसले पर न केवल राजस्थान, बल्कि पूरे देश में बहस शुरू हो गई है। क्योंकि हमला हिंदुओं की शोभा यात्रा पर हुआ था और हमलावर इस्लामी कट्टरपंथी थे। देशभर में हिंदुओं की शोभा यात्राओं या धार्मिक आयोजनों पर अब तक हुए हमलों का पैटर्न देखें तो पाएंगे कि हमलावर वहां तमाशा देखने के लिए जमा नहीं हुए थे। हमलावरों को रिहा करने का विचित्र न्यायिक फैसला मेवाड़-मारवाड़ समेत पूरे देश के आराध्य चारभुजा नाथ की शोभा यात्रा पर किए गए हमले को लेकर जारी हुआ है। चारभुजा नाथ मेवाड़ और मारवाड़ के आराध्य देवता हैं। चारभुजा नाथ का मुख्य मंदिर कुम्भलगढ़ तहसील के गढ़बोर गांव में स्थित है। राजस्थान के राजसमंद में स्थित यह ऐतिहासिक मंदिर है। इसकी कथा महाभारत तक जाती है। सन् 1444 में राजा गंग सिंह ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। इस गांव का नाम गढ़बोर इसीलिए है, क्योंकि यहां बोर राजपूतों ने मंदिर का निर्माण कार्य करवाया था। ऐसी मान्यता है कि पांडवों ने अपने अंतिम दिनों में हिमालय की यात्रा से पहले यहां दर्शन किया था।

सिर तन से जुदा करने वाली हिंसक भीड़ का धर्म क्या होता है जज साहब

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में देवझूलनी एकादशी के दिन यहां भव्य मेला लगता है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। सोने-चांदी की पालकी में ठाकुर जी को बिठा कर उनकी यात्रा निकाली जाती है। गाजे-बाजे और रंग-गुलाल के साथ उत्सव का माहौल होता है। नृत्य-संगीत और श्रृंगार-इत्र वाला माहौल रहता है। ▶8पर

बिहार और यूपी में हुई प्रधानमंत्री मोदी की चार जोरदार रैलियां

वंचितों का जो अधिकार है मोदी उसका चौकीदार है

विक्रम/कराकत/बक्सर (बिहार), 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार और उत्तर प्रदेश में आज चार रैलियों को संबोधित किया। बिहार में पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए विक्रम, कराकत और बक्सर के अलावा यूपी के गाजीपुर में प्रधानमंत्री की विशाल जनसभाएं हुईं। पीएम मोदी के भाषणों का लब्बोलुबाब इंडी गठबंधन द्वारा मुसलमानों को आरक्षण दिए जाने और दलितों-पिछड़ों का आरक्षण छीनने पर केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने कहा, जब तक मेरे शरीर में जान है तब तक एससी एसटी और पिछड़ों के आरक्षण के लिए लड़ता रहूंगा। मैं भी सामाजिक न्याय की भूमि बिहार से देश को गारंटी देता हूं। बिहार को गारंटी देता हूं, अति पिछड़ा और एससी एसटी परिवारों को गारंटी देता हूं। जब तक मोदी जिंदा है, मैं एससी-एसटी और ओबीसी का आरक्षण और उनका हक छीनने नहीं दूंगा। यह मोदी की गारंटी है। वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के सातवें एवं आखिरी चरण में प्रचार करने आज बिहार दौरे पर रहे। पीएम की पहली जनसभा पटना के विक्रम में हुई। इसमें उन्होंने पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव के समर्थन में प्रचार किया। अपने भाषण में पीएम ने लोगों से कहा कि 4 जून को मनेर के लड्डू तैयार रखें। मुस्लिम आरक्षण पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों को मुजरा करना है तो करें, ओबीसी, एससी, एसटी का वह हक नहीं मारने देंगे। ▶8पर

> **इंडी के पास विजन नहीं है सिर्फ कन्फ्यूजन है**
>
> **इंडी के पास हौसला नहीं है, सिर्फ हताशा भरी है**
>
> **इंडी के पास न नीति है न निर्णय की क्षमता है**
>
> **इंडी के पास परिवारवाद है और भ्रष्टाचारवाद है**

यूपी में दंगे भी बंद हैं और दंगाई भी बंद हैं

गाजीपुर (यूपी), 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजीपुर में भी चुनावी रैली को संबोधित किया। भोजपुरी में पीएम मोदी ने संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि लहुरी काशी के पावन धरती पर गाजीपुर के लोगन के हमार प्रणाम बा। पीएम मोदी ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। गाजीपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने पारसनाथ राय को उम्मीदवार बनाया है। वहीं सपा ने अफजाल अंसारी को टिकट दिया है। गाजीपुर में भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय के समर्थन में आयोजित जनसभा को भाजपा के दिग्गजों ने संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा भारत का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है।

सपा पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सपा के दौर में उत्तर प्रदेश में ये हाल था कि माफिया लालबत्ती में घूमते थे, खुली जीप में कानून को चेतावनी देते थे। ▶8पर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खान मार्केट गिरोह का किया पर्दाफाश

भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में लगा है देश का ही मीडिया गिरोह

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भारत में मीडिया का एक गिरोह है, जो मोदी सरकार के आने से पहले यहां तक दलाली करता था कि कौन केंद्रीय मंत्री बनेगा। उस मीडिया गिरोह को सरकार के हर फैसले पहले से पता होते थे। मीडिया के इस गिरोह को खान मार्केट गैंग भी कहा गया। आज इस गिरोह के अधिकतर चेहरे यूट्यूब पर अफवाहें फैलाते दिखाई पड़ते हैं। देश के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि यह खान मार्केट बहुत बड़ा है, इसका एक वैश्विक वर्जन भी है जिसे अब इंटरनेशनल खान मार्केट कह सकते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत के बारे में पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टिंग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। विदेश मंत्री ने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि एक अंतरराष्ट्रीय खान मार्केट गैंग भी है। ये वे लोग हैं जो यहां के हकदारों से जुड़े हैं। वे उनके साथ सामाजिक रूप से सहज हैं, इसलिए मुझे लगता है कि जब घरेलू खान बाजार में बिक्री कम हो जाती है, तो अंतरराष्ट्रीय खान बाजार गैंग को लगता है कि मुझे इन लोगों को प्रोत्साहित करने और उन्हें समर्थन देने की जरूरत है। आप यह देख सकते हैं कि भारतीय राजनीति की दिशा और भारतीय मतदाताओं की पसंद को प्रभावित करने साफतौर पर कोशिश की जा रही है। यह चुनाव के वक्त चरम पर होती है, लेकिन यह कोशिश उसके बाद भी जारी रहती है। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज देश में एक खास किस्म के सोच की प्रक्रिया है, ▶8पर

भारत को बदनाम करना चाहता है खान मार्केट गैंग

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने विदेशों में भारत की नकारात्मक छवि फैलाने वालों पर करारा हमला करते हुए कहा कि भारत में एक देश-विरोधी सुनियोजित तंत्र काम कर रहा है। उन्होंने इस तंत्र को अंतरराष्ट्रीय खान मार्केट गैंग करार दिया। जयशंकर ने कहा कि ये कथित उदारवादी, पश्चिमी सोच वाले लोगों का समूह है, जो चुनाव के दौरान भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। ये लोग अपने फायदे के लिए देश की राजनीति की दिशा को प्रभावित करना चाहते हैं। कुछ भारतीय मीडिया, पश्चिमी मीडिया और इंटरनेशनल खान मार्केट गैंग के बीच अंतरसंबंध हैं। यह एक तरह की अभिजात्य वामपंथी सोच वाले लोग हैं, जो भारतीय मीडिया से खबरें लेकर भारत को ही बदनाम करने की कोशिश करते हैं। देश में एक खास विचारधारा के लोगों को खान मार्केट गैंग कहा जाता है। ▶8पर

मतदान का छठा चरण पूरा, पीएम मोदी ने वोटरों को दिया धन्यवाद

छठे चरण में 61 प्रतिशत से अधिक मतदान

पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 79.30% वोटिंग, यूपी में 54.03% मतदान

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। भीषण गर्मी और पश्चिम बंगाल में कुछ केन्द्रों पर मतदाताओं के बीच छिटपुट झड़प के बीच लोकसभा चुनाव के छठे चरण में आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 58 सीटों पर शनिवार को रात्रि साढ़े ग्यारह बजे तक औसतन 61.01 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनाव आयोग के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चले मतदान में पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 79.30 प्रतिशत वोट डाले गये जबकि उत्तर प्रदेश में 54.03 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई गणमान्य लोगों ने दिल्ली के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर वोट डाले।

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर भारी सुरक्षा के बीच 54.06 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला, जो 35 वर्ष का रिकॉर्ड है। इससे पहले श्रीनगर और बारामूला सीट पर भी रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया था। वहां मतदाताओं में लंबे समय बाद संसदीय चुनाव को लेकर भारी उत्साह देखा गया और कई केन्द्रों पर शाम तक मतदाताओं की कतारें देखी गयीं, जिनमें महिलायें भी शामिल थीं। ▶8पर

राजकोट के गेम जोन में आग से 26 की मौत, बचाव-अभियान जारी

राजकोट, 25 मई (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट में शनिवार शाम लगभग पांच बजे भीड़भाड़ भरे गेम जोन में भीषण आग लग गई। हादसे में 12 बच्चों समेत 26 लोगों की मौत हो गई। 25 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि अग्निकांड में हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आग की घटना पर नगर निगम और प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रदेश सरकार ने फायर एनओसी नहीं रखने वाले सभी गेम जोन को बंद करने का निर्देश दिया है। वहीं हादसे के बाद टीआरपी गेम जोन के मालिक युवराज सिंह सोलंकी फरार हो गए। इसका स्वामित्व युवराज के साथ मनविजय सिंह सोलंकी के पास है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री मख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित कई नेताओं ने राजकोट में आग लगने की घटना पर दुख जताया है। अधिकारियों ने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे गेमिंग गतिविधियों के लिए बनाए गए फाइबर डोम में आग लगी थी। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 20°

तत्कालीन कांग्रेस सरकार का देश विरोधी कारनामा

ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात पर रोक लगा दी थी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। केंद्र में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात पर रोक लगाई थी। भारत के आत्मनिर्भर होने की राह में अड़ंगा डालने और देश में बने रक्षा उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचने से रोकने का निर्णय कांग्रेस सरकार ने किया था। कांग्रेस सरकार के ऐसे देशविरोधी कारनामे के पर्दाफाश पर कांग्रेस की तरफ से चुप्पी सधी हुई है।

केंद्र में 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेसनीत यूपीए की सरकार थी। कांग्रेस इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी थी और डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, लेकिन सत्ता की बागडोर सोनिया गांधी के हाथ में थी। यूपीए सरकार में कोयला और कॉमनवेल्थ घोटाले से लेकर 2-जी और रेलवे में नौकरी जैसे कई घोटाले हुए। मुंबई में 26/11 हमलों के बाद सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान को क्लीन-चिट देते हुए हिंदुओं को इसके लिए जिम्मेदार ठहराती रही।

देश के रक्षा उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में जाने से रोका

भाजपा सरकार में अब शुरू हो पाया मिसाइलों का निर्यात

अब यूपीए सरकार का नया कारनामा देश के सामने आया है। यूपीए सरकार ने जानबूझकर ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात से जुड़ी फाइलों को अटकाया। ब्रह्मोस की टीम का फिलीपींस दौरा रोक दिया गया था और इसके लिए राजनीतिक क्लियरेंस न होने की बात कही गई थी। कोई पॉलिसी न होने से असमंजस की स्थिति बनी रही और ब्रह्मोस के निर्यात में अप्रत्याशित देरी हुई। भाजपा सरकार के आने के बाद अब जाकर ब्रह्मोस मिसाइलों के निर्यात का सिलसिला शुरू हो पाया है। पिछले महीने ब्रह्मोस की पहली बार देश से बाहर डिलीवरी हुई। यह डिलीवरी कई वर्षों पहले हो सकती थी, अगर यूपीए सरकार लचर रवैया नहीं अपनाती। ▶8पर

जीतो नेशनल गेम्स 2024 के तीसरे दिन

6 खेल प्रतियोगिता में लगभग 450 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
खिलाड़ी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरते हैं। खिलाड़ी हार जीत की परवाह नहीं करते हुए उत्साह, उमंग, अनुशासन और प्रतिद्वंदिता के भाव में प्रदर्शन हेतु तैयार रहता है। परंतु खेल समाप्त होने के बाद वे आपस में परस्पर घनिष्ठ मित्र की भांति एक दूसरे से दिल खोलकर मिलते है। आधुनिक काल में मनोरंजन से भी अधिक खेल का महत्व है। खेलकूद से हम अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक कर सकते हैं। बस यही एक मुख्य ध्येय हमारा सपना ओलंपिक में हो मेडल अपना को लेकर जीतो नेशनल गेम्स 2024 का आयोजन हुआ। तीसरे दिन का आगाज सूरज की तेज गर्मी पर जीतने की मन में चाह के उत्साह के साथ हर फाइनलिस्ट आज मैदान में उतरा। प्रातःकाल से प्रतिस्पर्धा पूरे उत्साह -जोश-उमंग के साथ शुरू हुई। एथलेटिक्स, लॉन टेनिस, स्विमिंग पूल, चेस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन इन छः पवेलियन में कोई खिलाड़ी अपील करते हुए तो कोई जीत का जश्न मनाते हैं, तो कुछ लड़ाई करते हुए भी सहयोगात्मक रूप से खेलते दिखाई दिये। इस प्रकार से हमें पता चलता है कि कौन खिलाड़ी बेहतर है। खेलों का विश्लेषण किया जाये तो 40 शहरों, गाँवों से आयें सैकड़ों खिलाड़ियों का आपसी मुकाबला हुआ। जैसे बेलगाम का अहमदाबाद, कोयम्बत्तूर का इंदौर, पुणे, विजयवाडा, मुंबई, जलगाँव, बेंगलूरु और आसपास शहरों के बच्चों के बीच श्रेष्ठ प्रदर्शन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हुई। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों का उत्साह चरम पर रहा। अभिभावकों के अनुभवों से देखा जाये तो विजयवाडा की हिना जैन अपनी 11 वर्षीय बेटी याना की जीत की खुशी का इजहार करते हुए कहती है की खिलाड़ियों के बीच कड़क मुकाबला हुआ और बच्चे ने उसे पार कर जीत हासिल की। इसी प्रकार मुंबई की प्रिया जैन कहती है कि 14 वर्षीय आहान जैन ने हित शाह के साथ डबल्स खेला और जीता। अहमदाबाद से आये मौलिन मेहता कहते हैं कि उनका 16 वर्षीय कथित मेहता अगर थोड़ी और मेहनत करता तो शायद तृतीय से प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता पर कोई बात नहीं आगे लक्ष्य और बड़ा तय करेगा। खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाते हुए एपेक्स के खेल संयोजक विक्की ओसवाल ने कहा कि एथलेटिक्स का मुख्य उद्देश्य हर युवा शारीरिक रूप से मजबूत हो है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में रुचि ले। इसमें अपना करियर बनाये। केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा ने कहा कि लॉन टेनिस में कड़ी मेहनत और समर्पण ही सफलता की कुंजी है। इस कौशल का अभ्यास, रणनीति और फॉर्म भी दुरुस्त करना होता है। यह कोई साधारण खेल नहीं है। मनोवैज्ञानिक रूप से, यह शातिर खेल है। टीएनएपीटीएस एवं केकेजी जोन स्पोर्ट्स संयोजक संजय सिसोदिया ने कहा कि शतरंज खेलने से दिमाग के सोचने-समझने की क्षमता में वृद्धि होती है।

एक सफल रणनीति बनाने में मदद मिलती है

इसके अलावा एक सफल रणनीति बनाने में मदद मिलती है। जिसका उपयोग हम अपने-अपने क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए कर सकते हैं। जीतो नेशनल गेम्स 2024 के संयोजक एवं बेंगलूरु नॉर्थ उपाध्यक्ष राजेश मुथा ने कहा कि टेबल टेनिस एक मजेदार खेल है जिसका आनंद कोई भी ले सकता है। इसे सीखना आसान है, किसी भी तरह से टेबल टेनिस खेलना स्वास्थ्य, फिटनेस, ताकत को बनाए रखने के लिए एक अच्छा खेल है। एक घंटे का खेल पुरुषों के लिए लगभग 600 कैलोरी और महिलाओं के लिए 420 कैलोरी जलाता है। स्पोर्ट्स में टेबल टेनिस, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, चेस, लॉन टेनिस, स्विमिंग आदि मिलाकर छः खेल प्रतियोगिता में 7 जोन के 40 से अधिक चैप्टर, लगभग 450 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

पुलिस हिरासत में मौत के मामले में इंस्पेक्टर समेत दो निलंबित: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पूछताछ के लिए लाए गए एक व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत के मामले में डीवाईएसपी और इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने दावणगेरे के चन्नागिरी पुलिस स्टेशन के मामले के बारे में पूछताछ की और जानकारी मिली कि यह लॉकअप में मौत का मामला नहीं है, बल्कि मृतक आदिल को कोई दिक्कत थी। बताया गया कि जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया तो उनकी मौत हो गई। बिना एफआईआर दर्ज किए किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए थाने लाना गैरकानूनी है। उन्होंने कहा, इस कारण से, संबंधित उपखंड के डीवाईएसपी और चन्नागिरी पुलिस स्टेशन के निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं है तो जांच कराकर वापस भेज दिया जाए। उन्होंने कहा कि थाने में अनाधिकृत रूप से हिरासत में रखना अपराध है।

पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी कह रहे हैं कि हासन के पेन ड्राइव मामले में वीडियो वायरल करना रेप से भी बड़ा अपराध है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह किस धारा में मृत्युदंड का अपराध है। ऐसे वीडियो उजागर करना ठीक नहीं है जिसमें चेहरा दिख सके। मैं सहमत हूं कि यह एक अपराध है। लेकिन किसी भी अपराध के लिए भारतीय दंड संहिता में दंड देने की धाराएं हैं। कुमारस्वामी किस धारा के तहत अपराध बता रहे हैं? क्या उनके लिए आईपीसी के अलावा कोई अलग आपराधिक कानून है?

उनके भाई के बेटे ने महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बड़ा अपराध है और क्या कुमारस्वामी यह कहने वाले विदेश मंत्री हैं कि प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करना एक जटिल प्रक्रिया है? उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि वह राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, केंद्रीय मंत्री नहीं। केंद्रीय विदेश मंत्री ने सांसद प्रज्वल रेवन्ना को राजनयिक पासपोर्ट दिया। इसे रद्द करना उनका काम है। इस संबंध में विदेश मंत्री जयशंकर यह बहाना बना रहे हैं कि उनका पत्र देर से आया है। मैंने 15 दिन पहले पहली बार प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। बाद में एसआईटी अधिकारियों ने भी लिखा। उन्होंने बताया कि मैंने दूसरे दौर में भी पत्र लिखा था। यदि आप इस तर्क को स्वीकार भी कर लें कि पत्र देर से आया, तो क्या आपको पत्र अभी मिला है? मुख्यमंत्री ने प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट तत्काल रद्द करने की मांग की।

दपरे महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने दक्षिण पश्चिम रेलवे हुब्बल्ली के महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। साथ ही दपरे रेलवे की अनेक समस्याओं के बारे में चर्चा कर उसे पूरा करने का आग्रह किया।

ज्ञापन में हुब्बल्ली से अहमदाबाद के मध्य ग्रीष्मकालीन विशेष साप्ताहिक ट्रेन नं 07311, 07312 को आगे बढ़ाले का आग्रह किया, जिससे यात्रियों को यात्रा करने में आसानी होगी और अन्य गाड़ियों में भी यात्री भार कम होगा।

एक्सीलेटर हुब्बल्ली सहित दपरे के अन्य रेलवे स्टेशनों पर कई समय संचालित नहीं हो रहे हैं पर आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। बेंगलूरु से चलकर श्री सिध्दारुढ़ स्वामीजी रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली अनेक ट्रेन नं 16506, 16508, 16532, 16534, 16210 हुब्बल्ली से सुबह के समय गुजरती है और कई बार अंतिम समय पर प्लेटफार्म में इसकी घोषणा होती है। जिससे वरिष्ठ नागरिकों और यात्रियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इसलिए इन गाड़ियों को 1 नंबर प्लेटफार्म से चलाई जाए तो वरिष्ठ नागरिको और यात्रियों को यात्रा में आसानी होगी।

इसी प्रकार कई अन्य मांगों से भी अवगत कराया। इस दौरान महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा, वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, प्रकाश कटारिया, सुभाषचन्द्रा डंक सहित अन्य उपस्थित थे।

नाबालिगों के गाड़ी चलाने पर माता-पिता के खिलाफ होगी कार्रवाई : दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने चेतावनी दी है कि नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाना अपराध है और ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और माता-पिता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित आईआईआईटी कॉलेज सभागार में आयोजित मासिक जनसंपर्क बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के लड़के-लड़कियां चाहे कितने भी स्मार्ट क्यों न हों, मोबाइल फोन और अन्य तकनीक का उपयोग क्यों न करें, वे परिपक्व नहीं हैं। 18 साल की उम्र के बाद किसी व्यक्ति को ड्राइविंग लाइसेंस देने के वैज्ञानिक कारण भी हैं। नाबालिग का दिमाग बहुत परिपक्व नहीं होता।

उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे अधिक बुद्धिमान हैं, वे 10 साल की उम्र तक दोपहिया वाहन चला सकते हैं और 15 साल की उम्र तक कार चला सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करने देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नाबालिग सार्वजनिक स्थानों पर वाहन चलाते हैं तो इसे गंभीर मामला मानते हुए किशोर न्याय अधिनियम के तहत गैर जमानती मामला दर्ज किया जाएगा। पुणे में एक दुर्घटना के मामले में, एक व्यवसायी ने अपने बेटे को एक लक्जरी कार दी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई। आयुक्त ने चेतावनी दी कि यदि नाबालिग नशे में गाड़ी चलाने, गाड़ी चलाने के किसी भी मामले में शामिल हैं, तो उनके माता-पिता को जेल जाना होगा। उन्होंने कहा कि माता-पिता को ऐसे मामले के बारे में अपने बच्चों को सूचित करना चाहिए। जनता के एक सवाल के जवाब में कि अग्रहारा सेंट्रल जेल में स्थापित रडार के कारण स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है, आयुक्त ने कहा कि वे इस पर चर्चा करेंगे। सरकार नई तकनीक स्थापित करने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि होसूर मुख्य सड़क पर मडीवाला के पास राज्य के बाहर जाने वाली निजी बसें बुकिंग केंद्रों के पास रुकती हैं, जिससे यातायात की समस्या पैदा होती है। सेफसिटी के तहत शहर के प्रमुख स्थानों पर सीसी कैमरे लगाए गए हैं। आयुक्त ने कहा कि अगर अधिक सुरक्षा की जरूरत हो तो स्थानीय पुलिस की सलाह पर अपने घर के बाहर या सड़क पर लगे सीसी कैमरे का कनेक्शन कमांड सेंटर को दिया जा सकता है। बैठक में आए लोगों ने कमिश्नर को फुटपाथ पर अतिक्रमण, ट्रैफिक समस्या, गुंडों द्वारा वाहन चलाने, बार/पब के सामने पार्किंग की समस्या की शिकायतें दीं।

परिषद चुनाव के मद्देनजर

शिवकुमार ने उम्मीदवारों के चयन पर मंत्रियों से ली सलाह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने विधानसभा से विधान परिषद तक होने वाले चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर अपने आवास पर महत्वपूर्ण मंत्रियों की बैठक की। डीके शिवकुमार ने लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, आवास मंत्री जमीर अहमद खान, राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे को अपने आवास पर बुलाया और एक गुप्त बैठक की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में 7 सीटों में से एससी/एसटी, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने की मांग उठी। खासकर लंबानी समुदाय को एससी में मौका दिया जाना चाहिए। इस बार अल्पसंख्यकों को अनुमति दी जानी चाहिए। ऐसे दावे थे कि पिछले जून में हुए नामांकन में अल्पसंख्यकों की अनदेखी की गई थी। इस प्रकार, डी.के.शिवकुमार ने मंत्री से परामर्श किया और संभावित उम्मीदवारों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। जल्द ही प्रदेश चुनाव समिति की बैठक होगी, जिसमें उम्मीदवारों का चयन किया जायेगा।

विजयेंद्र ने हिंसा के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की

राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हिरासत में मौत के बाद चन्नागिरी कस्बे में हुई हिंसा और पुलिस कर्मियों पर हमले के लिए राज्य कांग्रेस पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हुए कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शनिवार को कहा कि मुस्लिम वोट बैंक तुष्टिकरण राज्य को अराजकता की ओर ले जा रहा है। विजयेंद्र ने मांग की कि राज्यपाल को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और कानून व्यवस्था की स्थिति पर सरकार से रिपोर्ट लेनी चाहिए। उन्होंने कहा मैं पुलिस स्टेशनों पर हमलों के मद्देनजर राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग करता हूं। विजयेंद्र ने आगे कहा कि, अपराधियों की गिरफ्तारी के मामलों में, विघटनकारी ताकतें अल्पसंख्यक अधिकारों की आड़ में पुलिस स्टेशनों पर हमला करने और उन्हें जलाने से नहीं हिचकिचाती हैं। इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने जोर देकर कहा मुस्लिम वोट बैंक का तुष्टिकरण राज्य को अराजकता की ओर ले जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामले में हाल ही में गिरफ्तार किए गए लोगों जैसे आतंकवादी ताकतों की संलिप्तता की संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। विजयेंद्र ने आलोचना की कि राज्य में ऐसी स्थिति है जहां पुलिसकर्मियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं है और पुलिस स्टेशन सुरक्षित नहीं हैं। ऐसी स्थिति है जहां पुलिस बिना पक्षपात के अपने कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ है। परिणामस्वरूप, राज्य आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। माफिया और उपद्रवियों का दबदबा हद पार कर गया है और रेव पार्टियां बिना किसी रोक-टोक के आयोजित की जा रही हैं। पहले यह डीजे हल्ली था, हाल ही में यह उडुपी था। आज चन्नागिरी की घटना से पता चलता है कि कट्टरपंथी ताकतें पुलिस स्टेशनों पर हमला करने और उन्हें नष्ट करने के लिए सुसंगठित हैं। हम जिस राज्य और समाज में रह रहे हैं, उसके बारे में चिंता बढ़ रही है। पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के शासन के दौरान बिहार के दिन कर्नाटक में दोहराए जा रहे हैं। कांग्रेस सरकार कर्नाटक की शांतिपूर्ण भूमि को असुरक्षा और हिंसा की भूमि में बदल रही है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि राज्य में पुलिस बल को हतोत्साहित करने के लिए एक व्यवस्थित नेटवर्क काम कर रहा है। जब पुलिस और पुलिस स्टेशन सुरक्षित नहीं हैं, तो लोगों को पता नहीं है कि उन्हें किसके पास जाना चाहिए। कांग्रेस सरकार पुलिस व्यवस्था को कमजोर कर रही है। कांग्रेस यह घोषणा करे कि वह केवल कट्टरपंथी अल्पसंख्यकों के लिए सरकार चलाती है और उनके साथ खड़ी है। उन्हें यह भी घोषित करने दें कि उनका उद्देश्य अपनी गतिविधियों को स्वतंत्रता प्रदान करना है। जनता अपना ख्याल खुद रखेगी। राज्य में विकास लोगों की चिंता बढ़ा रहा है। इससे पहले विजयेंद्र ने दावणगेरे जिले के विश्वचेतना शैक्षणिक संस्थान और सिद्धगंगा कॉलेज में प्रचार किया।

पूर्णिमा पर गुरुदेव की भक्ति आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा गुरुवार को पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति बसवनड़ी दादावाड़ी में आयोजित की गई। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि प्रत्येक पूर्णिमा को सभी गुरु भक्त और सदस्य यथासंभव दादावाड़ी इक्तीसा पाठ और भक्ति हेतु पधारकर गुरुदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। भक्ति कार्यक्रम में संगीत मंडल के गायक सनी रांका, यतीन्द्र भडगतिया, नितेश बोहरा, पारस पारख आदि सदस्यों ने सुमधुर स्वर में इक्तीसा और गुरुदेव के मीठे मीठे भजन सुनाए।

अगर मुझे केपीसीसी अध्यक्ष का पद दिया गया तो मैं इसे कुशलतापूर्वक संभालूंगा: केएन राजन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

सहकारिता एवं जिला प्रभारी मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि यदि उन्हें केपीसीसी अध्यक्ष का पद दिया गया तो वे इसे कुशलतापूर्वक संभालेंगे और मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद दिल्ली में हुई चर्चा में हाईकमान ने 3 बातें बताई थीं। सिद्धरामैया मुख्यमंत्री होंगे। एकमात्र उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार लोकसभा चुनाव तक पार्टी अध्यक्ष बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी हो, उसे अपने वचन के अनुसार ही काम करना चाहिए। अगर आलाकमान मुझे पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनता है तो मैं स्वेच्छा से पार्टी संगठन में शामिल होऊंगा। मैं अगला चुनाव नहीं लड़ूंगा। इसलिए, उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वह मुख्यमंत्री पद सहित कोई भी राजनीतिक शक्ति नहीं मांगेंगे। विधान सभा चुनाव में वंचित लोगों को

चेहरा दिया जाए। जो लोग सीधे चुनाव लड़ने में सक्षम नहीं हैं या जिनका विधान परिषद और विधान सभा में प्रतिनिधित्व नहीं है, उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरी तरफ से कोई उम्मीदवार नहीं है। पेन ड्राइव मामले में आरोपी प्रज्वल रेवन्ना कहां हैं, यह केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एसआईटी सभी को पता है। लेकिन कानून के मुताबिक, नैसर्गिक न्याय के तहत आरोपी को समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कानून का उल्लंघन न हो इसके लिए तुरंत सावधानी बरती जा रही है।

दलीलें हैं कि जिसने भी पेन ड्राइव जारी की उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सवाल उठता है कि पहले रमेश जारकिहोली मामले में अश्लील वीडियो जारी करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने राज्य में पेन ड्राइव के जनक के रूप में एचडी कुमारस्वामी की आलोचना की। प्रज्वल रेवन्ना को खुद बताना चाहिए कि कितने वीडियो हैं और कितने लोग पीड़ित हैं।

मैं भी ऐसे विचारों से दूर हूं। अगर कोई बेटी फोन करके दावा करती है कि मैं बेलगावी, बागलकोट से हूं, खुद को पार्टी कार्यकर्ता के रूप में पेश करती हूं, तो मैं उन नंबरों को तुरंत ब्लॉक कर देता हूं। उन्होंने पत्रकार से कहा कि अगर तुम्हें मेरा मोबाइल चाहिए तो मैं तुम्हें दे दूंगा, चेक कर लो कितने ब्लॉक नंबर हैं। हनीट्रैप समेत कुछ विचार सुनने को मिल रहे हैं। राजनीति में क्रियाविशेषण विचार स्थिर रहते हैं। इसलिए हमें सावधान रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवेगौड़ा ने ही प्रज्वल रेवन्ना को विदेश जाने के लिए भेजा था। अब देवेगौड़ा ने शायद चेतावनी भरा पत्र लिखा है। कुमारस्वामी ने कहा था कि रेवन्ना का परिवार और उनका परिवार अलग-अलग हैं।

राजन्ना ने कहा कि देवेगौड़ा ने किस परिवार का जिक्र किया और पत्र लिखा, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि पेन ड्राइव मामले से कोई राजनीतिक लाभ होगा या नहीं। लेकिन हासन में कांग्रेस के पास अच्छा उम्मीदवार है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 30 साल तक एक ही परिवार के कब्जे से बचने के लिए लोग इस बार हमारी पार्टी का समर्थन करेंगे। हेमावती का पानी लिंक नहर के जरिए रामनगर ले जाने से तुमकुरु, कोराटागेरे, मधुगिरी, गुब्बी, तुरुवेकेरे समेत कई हिस्सों में पानी की समस्या पैदा हो रही है। हम इसके खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर वे मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। नशीले पदार्थों के संकट से बचने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

राज्य में पुलिस को कोई सुरक्षा नहीं : अरगा ज्ञानेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व गृह मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने शनिवार को कहा कि राज्य में ऐसी स्थिति है कि पुलिस को कोई सुरक्षा नहीं है।

शिवमोग्गा में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों को पुलिस का कोई सम्मान या डर नहीं है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार पुलिस व्यवस्था का इस्तेमाल अपनी राजनीति के लिए करने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को एक आरोपी को चन्नागिरी में केस के तहत लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। राज्य में अपराधों की संख्या बढ़ने से लोगों की शांति खराब हो रही है। उन्होंने अपराध के मामलों में बढ़ोतरी पर आंकड़े पेश किये।

उन्होंने कहा शांत स्थिति तभी हासिल की जा सकती है जब सत्ता में बैठे लोग चुप्पी साधे नहीं रहेंगे। इस सरकार में विधानमंडल के अंदर देश विरोधी और पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए गए। उन्होंने बताया कि इससे पहले कोप्पल में भी पाकिस्तान के पक्ष में नारे लगाने वाला पोस्ट सोशल मीडिया पर प्रकाशित हुआ था।

सत्तारूढ़ सरकार के प्रति अपराधियों के बीच भय की कमी: सुनील कुमार

कानून व्यवस्था पर कांग्रेस सरकार से किए कई सवाल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

करकला विधायक सुनील कुमार ने मणिपाल में दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच हाल ही में हुए गैंगवार को लेकर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र में हिंसा के निर्लज्ज प्रदर्शन की निंदा करते हुए कहा कि यह सत्तारूढ़ सरकार के प्रति अपराधियों के बीच भय की कमी को दर्शाता है।

सुनील कुमार ने कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति की आलोचना करते हुए कहा कि पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने इसे गृह विभाग और गृह मंत्री की स्पष्ट विफलता बताते हुए कांग्रेस सरकार पर पुलिस स्टेशनों का राजनीतिकरण करने और उन्हें व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए

इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

मैं दक्षिण कन्नड़ जिले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का स्वागत करता हूं। हालांकि, बेंगलूरु वापस जाने से पहले उन्हें कुछ सवालों के जवाब देने होंगे। आप उस गृह मंत्री से इस्तीफा कब लेंगे जो कानून और व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थ है? आप वर्तमान सरकार के लिए पुलिस स्टेशनों की गुलामी को समाप्त कब करेंगे। यदि अपराधियों और आपकी सरकार के बीच मासिक जबरन वसूली की दर तय है, तो क्या आपने दक्षिण कन्नड़ और उडुपी पुलिस के हाथ बांध दिए हैं? क्या ऐसी सरकार का कोई फायदा है जो जनता की शांति को नियंत्रित न कर सके? अपराधियों के उत्पात पर काबू पाने में असमर्थ पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने से आप क्यों डरते हैं?

आप मणिपाल में गैंगवार में शामिल बदमाशों को कितने घंटों के भीतर गिरफ्तार करने जा रहे हैं? क्या आपकी सरकार, जो मामूली कारणों से एक विधायक को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम भेजती है, में अपराधियों को गिरफ्तार करने की हिम्मत नहीं है?

थाने में घुसकर उत्पात मचाना

पुलिस का सिर काटने की धमकी देना बर्दाश्त नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चेतावनी दी है कि थाने में घुसकर पुलिस को सिर काटने की धमकी देने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनके खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। दावणगेरे जिले के चन्नागिरी के पुलिस स्टेशन में दंगा करने और तोड़फोड़ करने के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को एक शिकायत पर पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया था। वह वहां सिर्फ 7 मिनट रुके और उनकी मौत हो गई। यह सोच कर कि उस व्यक्ति की मौत पुलिस की पिटाई से हुई है, उसके पक्ष ने विरोध प्रदर्शन किया और थाने पर धावा बोल दिया। पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल कर हालात पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद लोग पथराव करने लगे। व्यक्ति की मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

किया जा रहा है। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, लेकिन थाने आकर धमकी देना बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि चन्नागिरी में भी केजे हल्ली और डीजे हल्ली की तर्ज पर दंगे की साजिश रची गई थी। उडुपी में भीड़ के दंगों के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अगर सड़कों पर छोटे-मोटे दंगे होते हैं तो इसे कानून-व्यवस्था का बिगड़ना नहीं माना जा सकता।

क्रिकेट खेल के दौरान दंगा होगा इसकी कोई पूर्व सूचना नहीं है। जब दंगा होगा तो उस पर काबू पा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दंगाइयों को खुलेआम घूमने नहीं दिया जाएगा। दक्षिण कन्नड़ में बीजेपी विधायक हरीश पूंजा ने पुलिस स्टेशन जाकर हंगामा किया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और जमानत पर रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अगली सुनवाई जनता की अदालत में होगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि पेन ड्राइव मामले में आरोपी प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा लिखा गया पत्र विदेश मंत्रालय तक नहीं पहुंचा है। तो आप समझ सकते हैं कि केंद्र सरकार कैसे काम कर रही है। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने 21 मई को कहा कि उसे मुख्यमंत्री का पत्र मिला है, तो पहले वाला पत्र कहां गया? यदि राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया जाता है, तो प्रज्वल रेवन्ना को विदेश में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तब हम कार्रवाई कर सकेंगे। गृह मंत्री ने आपत्ति जताई कि विपक्षी दल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेंगलूरु को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, बारिश होने पर सड़क का खराब होना आम बात है। इसे ठीक कर दिया जाएगा। अगर बेंगलूरु के प्रबंधन में खामियां हैं तो इसे सरकार के ध्यान में लाया जा सकता है। हम इसे ठीक कर देंगे। इसके अलावा विपक्षी दल यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि बेंगलूरु गड्ढों का शहर है। इससे बेंगलूरु के करिश्मे पर असर पड़ेगा। उन्होंने चिंता जताई कि पूंजी निवेश भी एक समस्या हो सकती है।

हिरासत में मौत को लेकर हिंसा के बाद दावणगेरे के चन्नागिरी कस्बे में तनाव

मृतक के पिता की शिकायत की जांच की जाएगी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

कथित हिरासत में मौत को लेकर भीड़ द्वारा हिंसा के बाद शनिवार को चन्नागिरी शहर में तनाव व्याप्त हो गया। शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई और अधिकारियों को क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

पड़ोसी जिलों से अतिरिक्त बल बुलाया गया है। भीड़ के पथराव में 11 पुलिसकर्मी घायल हो गये और पांच से अधिक पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। यह घटना 30 वर्षीय आदिल की मौत के बाद शुक्रवार देर रात हुई, जिसे पुलिस ने अवैध सट्टेबाजी (मटका) आयोजित करने के आरोप में हिरासत में लिया था। दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत ने शनिवार को कहा, आदिल को शुक्रवार को पुलिस स्टेशन लाया गया था। वह पुलिस स्टेशन में गिर गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, और तब पुलिस को पता चला कि उसकी मृत्यु हो गई थी। आदिल छह-सात मिनट से ज्यादा

थाने में नहीं था। हालांकि, उनके रिश्तेदार दावा कर रहे हैं कि यह कस्टडी में मौत का मामला है। थाने में सीसीटीवी कैमरा है और मृतक के पिता की शिकायत की जांच की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पोस्टमॉर्टम जज की निगरानी में किया जाएगा। मृतक के पिता की शिकायत सहित, घटना के संबंध में कुल चार मामले दर्ज किए गए हैं। स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस के मुताबिक टीपू नगर निवासी आदिल को शुक्रवार को थाने लाया गया।

वह पुलिस स्टेशन में गिर गया और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी मृत्यु हो गई। पता चला कि वह दौरे और निम्न रक्तचाप से पीड़ित थे। इससे गुस्साए आदिल के परिवार और समुदाय के लोगों ने थाने और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।

भीड़ ने पांच से अधिक पुलिस वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सीएम एच.डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा सरकार इस तरह से काम कर रही है कि राज्य में ऐसा कोई माहौल नहीं है जहां सरकार और अधिकारियों का सम्मान किया जाता हो।

सरकार द्वारा अधिकारियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

इससे सरकार का सेल्फ गोल है और अधिकारियों को सरकार पर भरोसा नहीं है। जनता को भी सरकार पर भरोसा नहीं है।

सूखे से प्रभावित किसानों की मदद नहीं कर रही कांग्रेस सरकार: ए.एस.पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य रायता मोर्चा के अध्यक्ष ए.एस.पाटिल नादहल्ली ने राज्य की कांग्रेस सरकार को किसानों के लिए मृत करार दिया है। शहर के भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से सूखे से प्रभावित किसानों की मदद के लिए केंद्र सरकार ने हजारों करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने सूखे की राशि तो दे दी, लेकिन राज्य सरकार की ओर से 2 लाख से अधिक किसानों के खाते में आज तक पैसा जमा नहीं की गई। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह ऐसी सरकार है जो किसानों के लिए कुछ नहीं कर रही है। इस सरकार को सूखे से प्रभावित किसानों को बहुत कम दर पर बुआई के बीज बांटने का काम करना चाहिए था। हालाँकि, कांग्रेस सरकार बीज बोने के लिए बहुत अधिक दरें ले रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है। उन्होंने निंदा की कि मानसून के मौसम में उगाई जाने वाली मूंगफली, मक्का आदि फसलों की कीमतें बहुत अधिक बढ़ा दी गई हैं। मक्का 24 रुपये प्रति 5 किलो पैक में वृद्धि हुई है। सरकार को पिछली बुआई दर को ही जारी रखना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की मांग की कि सभी किसानों को पर्याप्त मात्रा में बुआई के बीज और खाद मिले। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने एमएसपी के तहत 12 हजार प्रति क्विंटल पर नारियल खरीदने का प्रस्ताव दिया है। यह सरकार खरीदी की अनुमति देने के बाद थैला न होने का बहाना बना रही है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने पहले से खरीदे गए 35 हजार टन तेल का भुगतान नहीं किया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अधिकारी ऐसे बात कर रहे हैं कि अगर किसान पैसा मांगेंगे तो नारियल ले जायेंगे। उन्होंने मांग की कि बैग न होने का बेकार बहाना छोड़ा जाना चाहिए और खरीद जारी रखनी चाहिए। पहले हमारी सरकार डेयरी किसानों को दूध उत्पादन के लिए प्रोत्साहन देती थी। हालाँकि उन्होंने न केवल सब्सिडी बंद कर दी है, बल्कि किसानों की लंबित 700 से 800 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी नहीं दी।

सीएम के बेटे यतींद्र को मिलेगी विधान परिषद में सीट: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे यतींद्र को विधान परिषद में सीट मिलेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बैठक में जातिवार और जिलेवार आधार पर अवसर प्रदान करने पर चर्चा हुई। हमने अपने सुझाव दे दिये हैं। कल्याण कर्नाटक, कित्तूर कर्नाटक, मेंगलूरु तटीय कर्नाटक सहित सभी क्षेत्रों का चयन किया जाना चाहिए। सिर्फ बेंगलूरु वालों पर विचार करना सही नहीं है। इसी तरह उन्होंने कहा कि वितरण जाति-बिरादरी के हिसाब से होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी में लंबानी समुदाय के उम्मीदवार चुनाव हार गए हैं। उस समुदाय का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। अल्पसंख्यक प्रत्याशी का चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और आलाकमान नेताओं को सलाह दी है कि उस जाति पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए जो कांग्रेस पार्टी को वोट देती है। कुछ सदस्यों का पुनः निर्वाचन अपरिहार्य है। साथ ही अगर नए लोगों को पहचान नहीं मिली तो पार्टी का आयोजन करना भी मुश्किल हो जाएगा।

आम चुनाव में 400 पार कर मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय: शाह

ऊना, 25 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पांच चरणों का मतदान पूरा हो चुका है तथा आज छठे चरण का मतदान चल रहा है। पांच चरण में ही मोदी जी 310 पार कर गए हैं, अब छठे और सातवें चरण के चुनावों में 400 पार कराकर नरेंद्र मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बनना तय है।

श्री शाह ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा की हमारा तो 400 पार हो रहा है, लेकिन राहुल बाबा फिर एक बार 40 के नीचे सिमट रहे हैं। हमारे विधानसभा उप-चुनाव के उम्मीदवारों को भी जीता दीजिए यहां भी भाजपा की सरकार बनेगी। अगर आप दीया लेकर भी ढूंढोगे, तो भी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर जैसा सांसद नहीं मिलेगा। इन्होंने न केवल अपने क्षेत्र की चिंता की, बल्कि भारतीय जनता पार्टी और भाजपा की विचारधारा के साथ देश भर के युवाओं को लामबंद करने का काम किया है।

श्री शाह ने कहा की कांग्रेस के नेता हमें डराते हैं कि पीओके की बात मत करिए, पाकिस्तान के पास एटम बम है। मैं आज देवभूमि से कहता हूं - राहुल बाबा हम भाजपा वाले हैं, एटम बम से नहीं डरते। मैं डंके की चोट पर कहता हूं - पीओके भारत का है, रहेगा और हम उसे लेकर रहेंगे। राहुल बाबा और उनकी बहन कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा शिमला में छुट्टियां मनाने तो आते हैं, लेकिन ये रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं गए। ये इसलिए नहीं गए, क्योंकि ये अपने वोटबैंक से डरते हैं।

उन्होंने कहा कि इंडिया समूह वालों के पास प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी ही नहीं है। उन्होंने जवाब दिया कि बारी-बारी से 1-1 साल एक-एक व्यक्ति बनेगा। राहुल बाबा ये परचून की दुकान नहीं है, 140 करोड़ लोगों का देश है। इस चुनाव में एक ओर हर छह महीने में छुट्टी मनाने वाले राहुल बाबा हैं और दूसरी ओर 23 साल से दीपावली की भी छुट्टी लिए बगैर सेना के जवानों के साथ सरहद पर मिठाई खाने वाले नरेन्द्र मोदी जी हैं। श्री शाह ने स्थानीय सांसद अनुराग ठाकुर की जम कर तारीफ की साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हिमाचल प्रदेश को दी गई सभी केंद्र परियोजनाएं भी गिनाई जो 10000 करोड़ से अधिक है। उन्होंने वर्तमान कांग्रेस सरकार पर निशाना सजाते हुए कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार झूठी और निक्कमी है। पहली कैबिनेट में एक लाख नौकरी देने का वादा, महिलाओं को 1500 रुपये, गोबर खरीद जैसी कोई भी गारंटी कांग्रेस पार्टी ने पूरी नहीं की है।

वाइस एडमिरल सिंह ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के कमांडेंट का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने शुक्रवार को पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के कमांडेंट का कार्यभार संभाल लिया। वाइस एडमिरल सिंह को वाइस एडमिरल अजय कोचर के स्थान पर यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (खड़कवासला) के पूर्व छात्र रहे वाइस एडमिरल सिंह को एक जुलाई 1990 को नौसेना में नियुक्त किया गया था।

वाइस एडमिरल सिंह अपने लंबे कैरियर के दौरान समुद्र और तट दोनों स्थानों पर कई महत्व-पूर्ण पदों पर रहे हैं।

तोप और मिसाइलों के विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने नौसेना के युद्धपोतों रंजीत और प्रहार पर काम किया है। उन्होंने आईएनएस विद्युत और आईएनएस खुकरी जैसे युद्धपोतों की कमान भी संभाली है। वह आईएनएस द्रोणाचार्य (गनरी स्कूल) में प्रशिक्षक और नौसेना युद्ध कॉलेज, गोवा के डिप्टी कमांडेंट रहे हैं।

वाइस एडमिरल सिंह ने 29 नवंबर 2022 को नौसेना के पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में पदभार संभाला। गत 24 जनवरी को वाइस एडमिरल के पद पर पदोन्नत होने पर, ध्वज अधिकारी को नियंत्रक कार्मिक सेवा के रूप में नियुक्त किया गया, जिसमें कर्मियों और नौसेना समुदाय की कामकाजी स्थिति में सुधार के लिए विभिन्न पहल की गईं। वाइस एडमिरल सिंह के नेतृत्व में, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को संचालन, प्रशिक्षण और मानव संसाधन प्रबंधन के सभी क्षेत्रों में उनके विशाल अनुभव और अनुभव से काफी लाभ मिलेगा।

वोट के आंकड़ों पर संदेह को फिर खारिज किया आयोग ने, कहा न्यायालय से मिला बल

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने मतदान के आंकड़ों को लेकर फैलाये जा रहे अविश्वास को खारिज करते हुये शनिवार को पिछले पांच चरणों में संपन्न पूरे मतदान के आंकड़े जारी किये हैं। आयोग ने आकडे़ जारी करने की प्रक्रिया पर उच्चतम न्यायाय के निर्णय और टिप्पणियों को शक्ति बढ़ाने वाला करार देते हुये कहा है कि कोई गड़बड़ी की किसी भी तरह की कल्पना कर ले, किसी भी तरह वोटिंग के आंकड़ों से छेड़छाड़ नहीं हो सकती।

आयोग ने दोहराया है कि मतदान के दिन फॉर्म 17 सी के माध्यम से सभी उम्मीदवारों के मतदान एजेंटों के साथ साझा किये गये वोटों के डेटा को कोई नहीं बदल सकता। आयोग ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से पांच चरणों में प्रत्येक राज्य / केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न संसदीय क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या, डाले गये वोट और मत प्रतिशत के आंकड़े जारी किये हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी उम्मीदवारों के पास फार्म सी के जरिये वोट के आंकड़े उपलब्ध रहते हैं। इसी तरह 'वोटर' ऐप पर मतदान के आंकड़े सातों दिन चौबीसो घंटे आम नागरिकों के लिये उपलब्ध हैं।

मतदान के प्रतिशत को लेकर उठाये जा रहे सवालों और आशंकाओं पर विज्ञप्ति में कहा गया है, आयोग टर्नआउट (मतदान) को लेकर झूठी कहानियों और माहौल बिगाड़ने की शरारती चालों के पैटर्न को देख रहा है। आयोग ने यह भी कहा है, मतदान के आंकड़े जारी करने की भारत के चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों और निर्णय से आयोग विधिवत रूप से अपने को सशक्त अनुभव कर रहा है। आयोग ने कहा है कि इससे देश में चुनावी लोकतंत्र की दृढ़ संकल्प के साथ सेवा करने का आयोग का दायित्व और बढ़ जाता है।

आयोग ने कहा है कि इसलिये उसने मतदान के आंकड़े जारी करने के प्रारूप को और विस्तृत करने का निर्णय लिया है, जिसमें प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में मतदाताओं की पूर्ण संख्या को भी शामिल किया जा रहा है। नागरिक इसे निर्वाचन क्षेत्रवार देख सकते हैं। आयोग ने कहा है कि मतदाताओं की कुल संख्या और प्रत्येक क्षेत्र के मतदान प्रतिशत के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध पहले से हैं। इनके आधार पर कोई भी नागरिक किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में पड़े वोटों की संख्या देख सकता है।

वायुसेना प्रमुख चौधरी ने ली नौसैनिक प्रशिक्षुओं की दीक्षांत सलामी

कन्नूर, 25 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना के अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी ने यहां एझिमला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी में नौसेना के प्रशिक्षुओं की दीक्षांत परेड की सलामी ली।

दीक्षांत परेड में शामिल होने 34 महिला एवं 10 विदेशी प्रशिक्षुओं सहित 216 प्रशिक्षु भारतीय नौसेना में विधिवत शामिल हो गये। इस अवसर पर नौसेना की दक्षिणी कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास तथा भारतीय नौसेना अकादमी के कमांडेंट वाइस एडमिरल विनीत मैक्कार्ती भी उपस्थित थे। परेड के अंतिम चरण में सफल प्रशिक्षुओं ने सलामी की मुद्रा में अपनी चमचमाती तलवारों और राइफलों के साथ, अकादमी के क्वार्टरडेक को मार्मिक विदाई धुन पर धीमी गति से मार्च करते हुए पार कर अंतिम पग रखा।

वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में प्रशिक्षुओं और पदक विजेताओं की कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहना क और परेड में त्रुटिहीन प्रदर्शन, अच्छी सैन्य क्षमता और स्मार्ट ड्रिल के लिए भी उन्हें बधाई भी दी। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने राष्ट्र की सेवा के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित करने के लिए उनके माता-पिता के निर्णय भी प्रशंसा की।

वायुसेना अध्यक्ष ने परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को पुरस्कृत भी किया। मिडशिपमैन पिनिंटला प्रदीप कुमार रेड्डी को योग्यता के सभी क्रमों में प्रथम स्थान पाने पर 'राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक' प्रदान किया गया।

भारतीय नौसेना अकादमी के बी टेक पाठ्यक्रम के लिए नौसेना प्रमुख का रजत पदक मिडशिपमैन मोहम्मद समीर को दिया गया। भारतीय नौसेना अकादमी के पाठ्यक्रम के लिए दक्षिणी कमान के कमांडर का कांस्य पदक मिडशिपमैन राहुल दर्शन सिंह श्योरण को प्रदान किया गया। नौसैनिक परिचयात्मक पाठ्यक्रम (विस्तारित) के लिए नौसेना प्रमुख का स्वर्ण पदक कैडेट संधित पटनायक को दिया गया। नौसैनिक परिचयात्मक पाठ्यक्रम (विस्तारित) के लिए दक्षिणी कमान के कंमाडर का रजत पदक कैडेट शौर्य जामवाल को, नौसैनिक परिचयात्मक पाठ्यक्रम (विस्तारित) के लिए भारतीय नौसेना अकादमी के कमांडेंट का कांस्य पदक कैडेट सलोनी के सिंह को, नौसैनिक परिचयात्मक पाठ्यक्रम (नियमित) के लिए नौसेना प्रमुख का स्वर्ण पदक एवं महिला कैडेटों में सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार कैडेट जाह्नवी सिंह को दिया गया।

नौसैनिक परिचयात्मक पाठ्यक्रम (नियमित) के लिए कमांडेंट का रजत पदक कैडेट सहाना एमके क तथा तटरक्षक बल के महानिदेशक का सर्वश्रेष्ठ सहायक कमांडेंट का पदक सहायक कमांडेंट आदित्य ओझा को दिया गया। प्रतिष्ठित चैम्पियन स्क्वॉड्रन बैनर फाइटर स्क्वॉड्रन को प्रदान किया गया।

अनंतनाग में वाहन दुर्घटना में पंजाब के चार पर्यटकों की मौत

श्रीनगर, 25 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पंजाब के करीब चार पर्यटकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना आज तब हुयी, जब मोगा पंजाब एक वाहन पर्यटकों को लेकर जम्मू से श्रीनगर जा रहा था, तभी वाहन अनियंत्रित होकर निपोरा के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें चार पर्यटकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गये। घायलों को सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अनंतनाग में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान संदीप शर्मा, रोमी, जगदीश सिंह और गुरमीत सिंह के रुप में की गयी हैं।

अरदास के बीच खुले गुरूद्वारा श्री हेमकुण्ड साहिब जी के कपाट

देहरादून, 25 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में हिमालय की उच्च श्रृंखला पर स्थित विश्व प्रसिद्ध गुरूद्वारा श्री हेमकुण्ड साहिब जी के कपाट शनिवार से श्रृद्धालुओं के लिये विधिवत् अरदास के साथ खोल दिए गए हैं।

इसके साथ ही, लगभग 2000 संगतों की उपस्थिति में श्री हेमकुण्ड साहिब जी की पावन यात्रा का भव्य रूप से शुभारंभ हो गया। वैसे तो यात्रा का आगाज ऋषिकेश स्थित गुरूद्वारा परिसर से पहले जत्थे के प्रस्थान करने के साथ ही हो गया था।

गत 22 मई को उत्तराखंड राज्य के राज्यपाल ने धार्मिक अनुयायियों के साथ मिलकर जत्थे को रवाना किया था, जो कि 23 मई को गुरूद्वारा गोबिंद घाट में ठहरकर 24 मई को पैदल चलते हुए गोबिंद धाम (घांघरिया) पहुंचा। रात्रि विश्राम करके आज जत्थे ने हेमकुण्ड साहिब के लिए प्रस्थान किया। प्रातःकाल से ही हजारों की संख्या में देश, विदेश से श्रृद्धालु हेमकुण्ड साहिब पहुंचने लगे थे।

आज इस विशेष अवसर पर पंज प्यारों की अगुवाई में जत्थे ने जो बोले सो निहाल के जयकारों और बैंड बाजों की धुनों के साथ, कीर्तन करते हुए यात्रा के अंतिम पड़ाव श्री हेमकुण्ड साहिब पहुंचकर गुरू महाराज के श्री चरणों में अपनी हाजिरी भरी। गुरूद्वारा प्रबंधक सरदार गुरनाम सिंह व मुख्य ग्रंथी भाई मिलाप सिंह द्वारा संगतों के साथ मिलकर प्रातः 9:30 बजे पवित्र गुरू ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूपों को सुखासन स्थल से दरबार साहिब में लाया गया तथा पावन प्रकाश करते हुए अरदास की। गुरू महाराज का पहला हुकमनामा जारी किया गया। मुख्य ग्रंथी द्वारा प्रातः 10.15 बजे सुखमनी साहिब जी का पाठ किया गया। इसके पश्चात प्रातः 11.30 बजे से रागी जत्थों द्वारा गुरबाणी कीर्तन का गुणगान किया गया जिससे कि दरबार साहिब में उप-स्थित संगतें प्रसन्नचित्त होकर निहाल हो गईं। साथ ही निशान साहिब जी के चोले की सेवा भी चलती रही। इस अवसर पर, समस्त गुरूद्वारा परिसर व दरबार हॉल को फूलों व अन्य साजों सामान से सजाया गया।

भारतीय सेना के 418 इंडीपेंडेंट कोर के कर्नल विरेन्द्र ओला एवं ब्रिगेडियर एम. एस. ढिल्लों भी गुरुद्वारे में उपस्थित रहे। यात्रा हेतु उनका व साथियों का विशेष यो-गदान रहा। प्रशासन के साथ गुरूघर सेवादारों ने भी यात्रा की आरंभता के लिए बहुत सहयोग किया। कपाट खुलने के पावन अवसर पर गुरूद्वारा ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा व गुरूद्वारा गोबिन्द घाट के प्रबंधक सरदार सेवा सिंह भी मौजूद रहे।

गुरुद्वारे के कपाट खुलने पर, श्री बिन्द्रा ने कहा कि यहां बर्फ अधिक है, इसलिए बुजुर्ग, छोटे बच्चे व बीमार व्यक्ति कुछ समय के लिए यात्रा पर आने से परहेज करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं कि यू-ट्यूबर व ब्लॉगर धार्मिक स्थलों पर वीडियोग्राफी या रील्स न बनाएं, जिससे श्रृद्धालुओं को परेशानी न हो।

उन्होंने गुरूद्वारा ट्रस्ट की ओर से अपील की कि श्रृद्धालु निःसंकोच यात्रा पर आएं और गुरू महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करें। इसके अलावा, जो श्रृद्धालु यात्रा पर आने में असमर्थ हैं, वे हेमकुण्ड साहिब जी से सीधा प्रसारण पीटीसी सिमरन पर प्रतिदिन प्रातः10 बजे से अपराह्न एक बजे तक देख सकते हैं।

यूएई में सनातन की धूम

दुबई के बुर्ज खलीफा पहुंचे बागेश्वर बाबा

नई दिल्ली/दुबई, 25 मई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम वाले बाबा पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और दक्षिण के सुपरस्टार रजनीकांत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। दोनों का भव्य स्वागत हुआ। अरब देश धार्मिक उदारता की मिसाल पेश कर रहे हैं। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम के महंत हैं।

दुबई पहुंचने पर बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का भव्य स्वागत हुआ। वायरल तस्-वीरों में उनके साथ कई शेख भी दिख रहे हैं। दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा का भी उन्होंने दौरा किया। वहां वो ऊपर से दुबई को निहारते हुए दिखे। इसके बाद वो श्रद्धालुओं से मिले। 26 मई तक दुबई में उनका दरबार लगा है। वहां हनुमत कथा का भी आयोजन हो रहा है। जिसमें हजारों श्रद्धालु जुट रहे हैं।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का स्वागत करते हुए अब्दुल्ला ग्रुप के चेयरमैन डॉ. बीयू अब्दुल्ला ने इसे एक विशेष अवसर बताया। उन्होंने कहा कि भारत-यूएई के बीच सांस्कृतिक संबंधों एवं आध्यात्मिक एकता का जश्न मनाने के रूप में इसे देखा जाना चाहिए। सुपरस्टार रजनीकांत को यूएई ने गोल्डन वीजा दिया है। गोल्डन वीजा एक लॉन्ग टर्म वीजा होता है, जिसके तहत कोई विदेशी नागरिक यूएई में न सिर्फ रह सकता है बल्कि वहां काम और अध्ययन भी कर सकता है। मंदिर ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें सुपरस्टार वहां पहुंच कर दर्शन करते और लोगों से मिलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने घूम कर पूरे मंदिर को भी देखा। इस मंदिर का उद्घाटन फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

छत्तीसगढ़ में अब तक 189 नक्सली गिरफ्तार, 109 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

रायपुर, 25 मई (एजेंसियां)। माओवादियों की विचारधारा से क्षुब्ध होकर और छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर लगातार नक्सली बंदूक छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लौट रहे हैं। इस वर्ष अब तक 189 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं जबकि 109 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

बीजापुर जिले में 33 नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खुशी जताई है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनरुत्थान के लिए कार्य करने की बात कही है। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर श्री साय ने लिखा है कि माओवादियों की विचारधारा से क्षुब्ध होकर और छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बीजापुर जिले के 33 माओवादियों का पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया जाना अत्यंत ही सुखद है। इनमें से तीन माओवादी 5-5 लाख के ईनामी हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लौटे इन माओवादियों का स्वागत है। हमारी सरकार इनके पुनरुत्थान के लिए तत्पर है। इस महत्वपूर्ण कामयाबी के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों को बहुत-बहुत बधाई। गौरतलब है कि आदिवासी क्षेत्रों में विकास के लिए साय सरकार ने 'नियद नेल्लानार योजना' मतलब 'आपका अच्छा गांव' योजना की शुरुआत की है। जिससे कि गांव में सारी मूलभूत सुविधाएं सरकार उपलब्ध करा रही है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कैंप खोले जा रहे हैं, जो ग्रामीणों के लिए सहायता कैंप की तरह काम कर रही है। इसके साथ ही सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से भी नक्सली प्रभावित होकर बंदूक छोड़ रहे हैं।

बलिया अब विकास के लिए नहीं तरसता: योगी

बलिया से भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर के लिए मांगा वोट

बलिया, 25 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिलचिलाती गर्मी में उमड़े बलियावासियों के जोश और उत्साह का अभिनंदन किया। बोले कि बलिया अब विकास के लिए नहीं तरसता है। आपने भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया है, इसलिए तेजी से विकास, सुरक्षा, सम्मान व गरीब कल्याण योजनाएं लागू हो रही हैं। हमारी सरकार ने यहां राजकीय पॉलीटेक्निक, राजकीय महाविद्यालय, इंटर कॉलेज दिया है। नौरंगा में प्रत्येक घर में सोलर लाइट देने की कार्रवाई के लिए 14 करोड़ रुपये स्वीकृत कराए गए हैं। बस स्टैंड भी बन रहा, मेडिकल कॉलेज, वॉटर वे निर्माण और बाढ़ बचाव के लिए कार्य भी तेजी से हो रहे हैं। भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की विरासत को बढ़ाने के लिए नीरज शेखर को प्रत्याशी बनाकर उतारा है। विश्वास है कि भाजपा बलिया की सीट जीतकर 4 जून को 400 पार करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बाबा लक्ष्मण दास इंटर कॉलेज मैदान बैरिया में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने राज्यसभा सांसद व बलिया से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी नीरज शेखर को जिताने की अपील की। सीएम योगी ने स्वतंत्रता समर के महानायक मंगल पांडेय और वीर चित्तू पांडेय को भी याद किया। पूर्व प्रधानमंत्री को नमन कर बोले कि चंद्रशेखर जी ने बलिया की पहचान को दुनिया के सामने रखा।

सीएम योगी ने कहा कि पूरा चुनाव रामभक्तों व रामद्रोहियों के बीच सिमट गया है। रामद्रोही रामभक्तों पर गोली चलाते हैं। आतंकियों-नक्सलियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं। इन्हें भारत के विकास पर पीड़ा होती है। गरीब कल्याणकारी योजनाएं अच्छी नहीं लगती।

गरीबों का शोषण करना ही इनका धर्म बन गया है। वहीं रामभक्तों की टीम एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए कार्य कर रही है। 500 वर्ष बाद अयोध्या में न सिर्फ रामलला विराजमान हुए, बल्कि जन्मोत्सव मनाया और होली भी खेली। आज अयोध्या त्रेतायुग की नजर आएगी। राममंदिर का निर्माण सपा-कांग्रेस नहीं कर सकती। यह विकास, गरीब कल्याण, सुरक्षा नहीं दे सकते, हर बड़ा माफिया इनका सरपरस्त होता है।

सीएम योगी कांग्रेस-सपा पर बरसे। बोले कि इनकी सरकार के समय सुबह अखबार की पहली खबर भ्रष्टाचार की होती थी और शाम होते-होते आतंकी घटनाओं की खबर आती थी। हम लोग आतंकियों पर कार्रवाई की बात करते थे तो यह कहते थे कि आतंकी सीमापार के हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में नक्सली व आतंकी संगठन को दस वर्ष में समाप्त कर दिया गया। सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और कार्रवाई से आतंकवाद समाप्त हो गया। प्रदेश में भी सिर उठाकर और राहगीरों को गोली मारने वाले माफिया मिट्टी में मिल गए हैं। नागरिकों को सुरक्षा देना सरकार का दायित्व है।

सीएम ने कहा कि पाकिस्तान को पता है नया भारत छेड़ता नहीं, छेड़ने वाले को छेड़ता भी नहीं है। बलिया से ज्यादा यह भाषा कौन समझ सकता।

बलिया ने कभी गुलामी स्वीकार ही नहीं की। देश 1947 में आजाद हुआ और बलिया ने खुद को 1942 में ही आजाद घोषित कर लिया था। विकास के भी अनेक कार्य हुआ। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लिंक एक्सप्रेसवे बलिया तक जाएगा। इस कार्य तेजी से चल रहा है। फोरलेन कनेक्टिविटी, बाढ़ की समस्या का समाधान, बलिया में उत्पादित सब्जी दुनिया के बाजार में जा रही है। चंद्रशेखर जी ने गांव में जो हॉस्पिटल उन्हें बनवाया था, हमारी सरकार ने उसे प्रारंभिक रूप से चालू कर दिया है।

सीएम ने कहा कि भाजपा व सहयोगी दल विकास और विरासत का सम्मान करते हैं। कांग्रेस व उनके सहयोगी दल तृणमूल, राजद व सपा जनभावनाओं से खिलवाड़ करती है। तृणमूल बंगाल में साधु-संतों को धमकी दे रही है। कह रही है कि धर्म की बात क्यों करते हो, यदि साधु-संत धर्म की बात नहीं करेंगे तो क्या करेंगे। इनका घोषणा पत्र देश के साथ गद्दारी करने वाला है।

यह लोग घोषणा पत्र के माध्यम से कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो मुसलमानों को आरक्षण देंगे यानी यह पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण काटकर देंगे। भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देगी। यह कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी भारत के अंदर तालिबानी शासन लगाएंगे। इसका मतलब बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, महिलाएं घरों में कैद हो जाएंगी। हम भारत के अंदर सरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। यह सत्ता में आने पर अल्पसंख्यकों को खानपान की स्वतंत्रता की बात कह रहे हैं। मुसलमान गोमांस खाने की बात कहता है, लेकिन हिंदू गाय को मां मानते हैं। हम गोकशी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

जनसभा में बलिया के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त, विधायक व परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधान परिषद सदस्य रविशंकर सिंह 'पप्पू', पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी, आनंद स्वरूप शुक्ल, भाजपा जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक संजय यादव, सुरेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, पूर्व सांसद भरत सिंह, लोकसभा प्रभारी मारकंडेय शाही, लोकसभा संयोजक राजीव मोहन चौधरी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनीता श्रीवास्तव आदि की मौजूदगी रही।

इंडी गठबंधन की राजनीति हिंदू विरोधी : सीएम योगी

देश की कीमत पर सत्ता हासिल करना चाहते हैं इंडी दल

गोरखपुर, 25 मई (एजेंसियां)। भारत सेवाश्रम संघ, रामकृष्ण मिशन जैसी वैश्विक ख्याति की सनातनी-आध्यात्मिक संस्थाओं पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी समेत पूरे इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सपा और इंडी गठबंधन के सभी दल हिंदू विरोध की राजनीति करते हैं।

शनिवार पूर्वाह्न लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए बलिया रवाना होने से पहले गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और उसके जो भी सहयोगी दल हैं, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में आरजेडी, बंगाल में टीएमसी या अन्य ऐसे भी जितने दल हैं, उनकी पूरी राजनीति ही हिंदू विरोध पर आधारित है। उनके लिए देश की तुलना में सत्ता अधिक महत्वपूर्ण है। देश की कीमत पर ये दल सत्ता चाहते हैं और कोई भारतीय इसे स्वीकार नहीं करेगा।

पश्चिम बंगाल में भारत सेवाश्रम संघ और रामकृष्ण मिशन के खिलाफ टीएमसी सरकार की मुखिया ममता बनर्जी के विवादित और धमकी भरे बयान को संदर्भित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, दोनों भारत की प्रतिष्ठित धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाएं हैं। रामकृष्ण मिशन ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर पूरे देश और दुनिया के अंदर सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों को, भारत के आध्यात्मिक मूल्यों को देश और दुनिया तक पहुंचाने का बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसी तरह भारत सेवाश्रम संघ भी सनातन हिंदू धर्म की बहुत ही प्रखर आध्यात्मिक संस्था है। स्वामी प्रणवानंद के मूल्यों और आदर्शों को लेकर भारत सेवाश्रम संघ ने देश और दुनिया में भारत के सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इन दोनों संस्थाओं ने सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को भी देश और दुनिया में आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के सभी दलों कांग्रेस, सपा, टीएमसी, आरजेडी, आम आदमी पार्टी आदि की प्रवृत्ति ही हिंदू विरोधी राजनीति की है। सनातन धर्म का विरोध करना, हिंदू धर्म के मूल्यों और आदर्शों का विरोध ही उनकी नींव है।

अब विदेशी भी सम्मान से कहते हैं, आप मोदी के इंडिया से आए हो

गाजीपुर के भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय के लिए मांगा वोट

गाजीपुर, 25 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने बदलते भारत को देखा है। 2014 से पहले और 2024 के भारत में जमीन-आसमां का अंतर आया है। 2014 से पहले अविश्वास व पहचान का संकट था, लेकिन आज पहचान का संकट नहीं है। दुनिया भारत को अब सम्मान की दृष्टि से देखती है। पीएम मोदी दुनिया में जहां भी जाते हैं, पलक पांवड़े बिछाकर पूरा देश उनके स्वागत में उमड़ पड़ता है। दुनिया में भारत के पासपोर्ट का सम्मान बढ़ा है। कोई विदेशी पूछता है कि आप कहां से आए हैं, जवाब में भारत बोलने पर वह सम्मान से कहता है कि अच्छा, मोदी के इंडिया से।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आरटीआई मैदान में गाजीपुर से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी पारसनाथ राय के लिए वोट मांगा। सीएम योगी ने अपील की कि अबकी बार-400 पार में गाजीपुर भी जुड़े।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गाजीपुर में पांचवीं बार आगमन हुआ है। हर बार वे गाजीपुर को नई पहचान दिलाने आए हैं। यहां आकर कभी महाराज सुहेलदेव के नाम पर नई ट्रेन सेवा की शुरुआत की तो कभी महर्षि विश्वामित्र के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन कार्यक्रम में आए।

विकास के इन्हीं कार्यों की बदौलत पूरा देश कह रहा- फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी पार-400 पार। 400 पार की बात सुनते ही कांग्रेस, सपा, राजद समेत इंडी गठबंधन के सभी दल चारों खाने चित हो रहे हैं, क्योंकि इन्होंने 400 सीटों पर लड़ने का सपना ही नहीं देखा। वहीं मोदी जी के नेतृत्व में देश के लिए किए गए योगदान की बदौलत जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा इस लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर बढ़ रही है।

सीएम ने कहा कि एक समय था, जब बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। गाजीपुर इसका जीता जागता उदाहरण था। गाजीपुर हो आजमगढ़, मऊ हो या आसपास के जनपद भय और आतंक के साये में जीते थे। आपका आशीर्वाद भाजपा को मिला तो अयोध्या में रामलला विराजमान हुए और बड़े-बड़े माफिया का रामनाम सत्य भी हुआ। हम बेटी-व्यापारी की सुरक्षा के साथ समाज को संतुलित विकास के मार्ग पर बढ़ाकर आत्मनिर्भर व विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेंगे।वहीं गाजीपुर भी सुशासन व विकास के मॉडल का केंद्र बनेगा।

सीएम ने कहा कि पहले घुसपैठ व आतंकी वारदात होती थी। सुबह की शुरुआत घोटाले और शाम आतंकी घटनाओं से होती थी पर ऐसा नहीं होता। अब जोर से पटाखा फूटने पर भी पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है, क्योंकि वह जानता है नया भारत छेड़ता नहीं है, लेकिन छेड़ने वाले को छोड़ता नहीं है। पीएम मोदी के नेतृत्व में अब आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्त सुरक्षित भारत है।

सीएम ने कहा कि दो लड़कों की अनर्थकारी जोड़ी फिर आ गई है। सपा व कांग्रेस ने जब भी गठबंधन किया है, अनर्थ हुआ है। जब प्रदेश में सपा व केंद्र में कांग्रेस सरकार थी, तब काशी में संकटमोचन मंदिर, अयोध्या में रामजन्मभूमि पर आतंकी हमला हुआ था। लखनऊ, वराराणसी व अयोध्या की कचहरियों पर हमला हुआ था। रामभक्तों पर गोली चलाने वाली सपा की सरकार फिर से प्रदेश व केंद्र में कांग्रेस बनी तो आतंकियों के मुकदमे वापस लेने का प्रयास किया गया।

सीएम ने कहा कि पहले गाजीपुर से लखनऊ जाने में आठ घंटे लगते थे। आज पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गाजीपुर से साढ़े तीन घंटे में लखनऊ की दूरी तय कर सकते हैं। अब मीटर गेज और छुक-छुक की स्पीड से नहीं, बुलेट की स्पीड से बढ़ता भारत विकास की नई कहानी कह रहा है। एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज के तहत गाजीपुर में भी मेडिकल कॉलेज है। पीएम मोदी जब काशी से चुनाव लड़ने आए तो उन्होंने कहा कि मैं आया नहीं, मां गंगा ने सेवा का अवसर दिया है। आज गंगा अविरल व निर्मल हो गई। काशी से सांसद नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मार्गदर्शन में गरीबों के लिए बनी योजनाओं का सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश को मिल रहा है। राशन, मकान, शौचालय, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला समेत अनेक योजनाएं नई प्रगति का माप है। सुरक्षा, सम्मान, विकास, गरीब कल्याण और विरासत का सम्मान भी है।

सीएम ने कहा कि 500 वर्ष बाद अयोध्या में रामलला विराजमान हुए हैं। यह कार्य सपा, बसपा, कांग्रेस वाले नहीं कर पाते। अयोध्या में रामलला विराजमान हुए तो देश कह रहा कि मोदी है तो मुमकिन है। आत्मनिर्भर व विकसित भारत के लिए मोदी आवश्यक है तो दूसरी तरफ सपा-कांग्रेस व इंडी गठबंधन बांटो और राज करो के सिद्धांत पर चलकर राज करना चाहता है। पहले देश को बांटा, फिर क्षेत्र-भाषा के नाम पर विभाजन किया और अब जाति-जाति को लड़ाने के लिए आए हैं। इनके सहयोगी दल तृणमूल कांग्रेस के लोग पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण मिशन और कांग्रेस भारत सेवाश्रम संघ के संतों को धमकी दे रहे हैं।

सीएम ने इंडी गठबंधन के घोषणा पत्र पर प्रहार किया। बोले कि यह भारत के विभाजन को तैयार कराना चाहते हैं। पर्सनल लॉ लागू कर महिलाओं को बाजार जाने से रोकना और बुर्का पहनने को मजबूर करना चाहते हैं, लेकिन मोदी की गारंटी है कि भारत बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से ही चलेगा, शरिया कानून से नहीं।

पीएम मोदी ने आंबेडकर के पंच तीर्थों की स्थापना की और सबका साथ-सबका विकास के साथ हर तबके को योजनाओं का लाभ दिया, जबकि कांग्रेस-सपा के समय वर्ग विशेष की तुष्टिकरण के लिए योजनाएं बनती थीं। जनसभा में योगी सरकार के मंत्री व सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, कैबिनेट मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद, राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत, अमरपाल मौर्य, विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल आदि मौजूद थे।

तीन तलाक की कुप्रथा फिर से लाना चाहती है कांग्रेस : योगी

सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए हुई चुनावी जनसभा

सलेमपुर, 25 मई (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस अगर सत्ता में आ गई तो तीन तलाक की कुप्रथा को फिर से शुरू करा देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र साफ साफ कहता है कि वह भारत में पर्सनल लॉ को लागू करेगा। इसका मतलब कि देश में शरिया कानून की इजाजत मिल जाएगी। इस तालिबानी कानून के चलते बेटियों को स्कूल जाने से वंचित कर दिया जाएगा और महिलाओं को बुर्के में घर में ही दुबकना पड़ेगा। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया है, जिसके बाद महिलाओं को संसद में उचित भागिदारी प्राप्त होगी। योगी आदित्यनाथ शनिवार को मनियर इंटर कॉलेज ग्राउंड में सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए एनडीए प्रत्याशी रविन्द्र कुशवाहा के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम और महर्षि भृगु की पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार को लेकर उत्साह और उमंग है। चार जून के परिणाम अबकी बार 400 पार के संकल्प को पुख्ता करेंगे। इस चार सौ पार के स्वर को सुनकर सपा और कांग्रेस को चक्कर आने लगता है। वो चारो खाने चित हो जाते हैं। पूरे देश में जनता एक ही स्वर से कह रही है कि जो राम को लाएंगे हम उनको लाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमने बदलते हुए भारत देखा है। आपका वोट जब कमल पर चिह्न पर जाता है तो केंद्र में मोदी जी को और राज्य में मुझे ताकत मिलती है। आज भारत का सम्मान बढ़ा है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हुआ है। जब केंद्र में कांग्रेस में और राज्य में सपा की सरकार थी तो रोज बम विस्फोट होते थे। देश का कोई कोना नहीं छूटा था जहां बम विस्फोट नहीं होता था। तब ये लोग सीमापार आतंकवाद का बहाना बनाते थे। वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में आतंकवाद से निपटने में कोताही बरती जाती थी। आज तो जोर से पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया भारत विकास की गाथा लिख रहा है। देश में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। वहीं पाकिस्तान की आबादी 23 करोड़ है, जो भूखों मर रही है। ऐसे में जो लोग पाकिस्तान की तरफदारी करते हैं उन्हें वहीं जाकर भीख मांगना चाहिए। योगी ने कहा कि 4 जून के बाद देश के 3 करोड़ गरीबों को एक एक मकान उपलब्ध कराने का काम भाजपा सरकार करेगी। बताया कि 500 साल की प्रतीक्षा को समाप्त करते हुए मोदी जी ने भव्य श्रीराम मंदिर में प्रभु रामलला को विराजमान कर दिया है। सपा और कांग्रेस तो रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं, आतंकवादियों के पैरोकार हैं।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग सत्ता पाने के लिए झूठ का सहारा लेते हैं। कहते हैं कि बीजेपी संविधान बदल देगी जबकि इनका घोषणा पत्र कहता है कि सत्ता में आने के बाद ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को बांट देंगे, पर्सनल लॉ लागू करेंगे। एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया है। हम आधी आबादी को सम्मान दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ तीन तलाक की कुप्रथा को कांग्रेस फिर से लागू करना चाहती है। यही नहीं ये कहते हैं कि सत्ता में आए तो अल्पसंख्यकों को उनकी रुचि के हिसाब से खाने की आजादी देंगे। इसका मतलब वह तालिबानी शासन लागू करना चाहता है, जिसमें बेटियों को स्कूल और महिलाओं को बाजार नहीं जाने दिया जाएगा। उन्हे बुर्का पहनना पड़ेगा। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारतीय जनता पार्टी ने साफ-साफ कह दिया है कि भारत में सिर्फ बाबा साहब का ही संविधान चलेगा। इंडी गठबंधन जनता जनार्दन को गुमराह कर रही है कि देश में एनडीए सरकार आएगी तो संविधान बदल देगी, लेकिन वह इनके झूठ को समझ गयी है।

परम रामभक्त हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

500 वर्ष बाद बनवाया रामलला का भव्य मंदिर : योगी

चंदौली, 25 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परम रामभक्त हैं, उन्होंने 500 वर्षों के बाद अयोध्या में रामलला को दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान किया है। वहीं रामद्रोही और राष्ट्र विरोधी सपा और कांग्रेस कहती है कि सत्ता में आएंगे तो पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इसका मतलब वह तालिबानी शासन लागू करना चाहता है, जिसमें बेटियों को स्कूल और महिलाओं को बाजार नहीं जाने दिया जाएगा। उन्हे बुर्का पहनना पड़ेगा। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारतीय जनता पार्टी ने साफ-साफ कह दिया है कि भारत में सिर्फ बाबा साहब का ही संविधान चलेगा। इंडी गठबंधन जनता जनार्दन को गुमराह कर रही है कि देश में एनडीए सरकार आएगी तो संविधान बदल देगी, लेकिन वह इनके झूठ को समझ गयी है।

जनता अच्छी तरह से जानती है कि मोदी सरकार ने ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान किया है। मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों बाबा साहब के पंच तीर्थ बनाए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मुगलसराय में चंदौली लोकसभा क्षेत्र के लिए जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री और लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज चंदौली विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज सबसे अधिक वॉटर वे का लाभ चंदौलीवासियों को ही मिल रहा है। वहीं विरासत का सम्मान भी हो रहा है। यहां पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर बना स्मारक इसका जीता जागता उदाहरण है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही भगवान मारकंडेय धाम का सौंदर्यीकरण सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। चंदौली में बाबा कीना राम के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार है। यहां की सड़कें फोर लोन की बन रही हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बार-बार मोबाइल चेक करना हो सकता है हानिकारक

अगर आपको अपना स्मार्टफोन बार-बार चैक करने की आदत है, तो सावधान हो जाएं! क्योंकि ऐसा करना आपके लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। एक नए शोध से पता चला है कि बार-बार फोन जांचने की ललक संतुष्टि प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अमेरिकी की टेंपल यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक हेनरी विल्मर और जैसन ने इस अध्ययन के माध्यम से स्मार्टफोन और मोबाइल प्रौद्योगिकी के ज्यादा से ज्यादा उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने की कोशिश की है। इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 91 कॉलेज छात्रों का प्रश्नावली और संज्ञानात्मक परीक्षणों द्वारा आकलन किया। शोधार्थियों ने निष्कर्षों में पाया है कि आसानी से प्रयोग में लाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अधिकाधिक प्रयोग आवेग नियंत्रण पर दुष्प्रभाव डालता है और शीघ्र प्रतिफल पाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है। विल्मर कहते हैं, मोबाइल प्रौद्योगिकी का ज्यादा इस्तेमाल या बार-बार फोन चेक करने की ललक अनियंत्रित आवेगों को बढ़ाती है, और प्रतिफल मिलने की संतुष्टि को प्रभावित करती है। यह शोध स्प्रिंगर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नमस्कार करने से कम होगा संक्रमण का खतरा

ब्रिटेन में हुए एक शोध में पाया गया है कि अगर हाथ मिलाने की जगह हम एक दूसरे से नमस्कार करें तो संक्रमण को दस गुना कम किया जा सकता है। जब दो लोग आपस में हाथ मिलाते हैं तो उनके शरीर की तरंगें एक दूसरे की अंगुलियों के माध्यम से शरीर में प्रसारित हो जाती हैं। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति के शरीर में अधिक नकारात्मक तरंगे होंगी तो वे दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच सकती हैं।

गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

भारत में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

गन्ने का रस पीने से होंगे ये फायदे

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।

- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं क्योकि इसमें पोषक तत्व हैं जिससे आपके नाखूनों की सेहत की भरपाई हो जाती है।
- **दिल के रोगों से करता है बचाव:** गन्ने का रस शरीर में कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड के लेवल को गिरता है जिससे धमनियों में फैट नहीं जमता और दिल के रोगों जैसी बिमारीयों से बचाव रखता है।
- **मोटापा होता है कम:** यह रस आपके शरीर में खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको मोटापे से बचाता है।
- **शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पीने से मधुमेह रोगियों को बहुत फायदा होता है क्योकि यह मीठा और प्राकृतिक शुगर से भरपूर होता है।
- **त्वचा में ग्लो आती है:** यह रस त्वचा संबंधित परेशानियों को दूर करता है और स्किन में कसाव लेकर आता है। इस रस को त्वचा पर लगा कर धोने के बाद त्वचा खिली-खिली और साफ नजर आती है।

महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढने की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं।

जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रांनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

कारण

बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढना है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेक्रिंयाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रांनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रांनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।

मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है।

संक्रमण : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टांयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

तनाव: कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

इलाज

- एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रांनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस
- गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

इस तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते।

सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर?

हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

किडनी स्टोन

वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दे) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है। इसी के साथ अगर आपके शरीर के हार्मोन्स अतिसंवेदनशील है तो यह घातक हो सकता है।

सांस की समस्या

इससे सांस संबंधी परेशानी भी हो सकती है। कभी कभी कफ की समस्या सामने आती है लेकिन समस्या के ज्यादा गंभीर होने पर अस्थमा की समस्या भी हो सकती है। अगर आपको पहले से सांस की समस्या है तो कोई भी सप्लीमेंट्स लेने से पहले डाक्टर की सलाह जरूर लें।

आंत की समस्या

इस पाउडर से आंत की समस्या भी होना आम बात है। यह बात तो साबित भी हो चुकी है कि वजन बढाने वाले पाउडर एक उत्प्रेरक हैं लेकिन ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से उसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। अगर पाउडर के साथ एल्कोहल कासेवन किया जाए तो यह खतरनाक हो सकता है।

मितली व डायरिया

वैसे तो यह सब होना बहुत ही आम है लेकिन अगर यह समस्या पाउडर खाने के बाद बार बार होती हैं तो समझ लें इसका कारण वजन बढ़ाने वाला पाउडर है क्योंकि यह ठीक से पेट में घुल नहीं पाता, जिससे यह समस्या होने लगती है।

पुरुष हो जाएं सावधान, पेट पर जमा फैट से है जान का खतरा

मोटापे से ज्यादा जानलेवा है पेट निकलना

अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ मोटा होना ही नुकसानदेह है और शरीर में जमे थोड़े बहुत फैट से आपको कोई खतरा नहीं है तो आप गलत हैं। एक शोध में सामने आया है कि पेट पर जमा फैट उतना ही खतरनाक है जितना कि पूरे शरीर पर। ऐसे में मोटापे से ज्यादा जानलेवा पेट बाहर निकलना हो सकता है। इससे पुरुषों को ज्यादा सावधान रहने कह जरूरत है।

जानकारी के मुताबिक शोध में पाया गया कि साधारण वजन वाले लोग जिनके पेट और कमर के पास ज्यादा फैट इकटठा होता है उन्हें जान का ज्यादा खतरा है बजाए उनके जो पूरी तरह मोटे या ओवरवेट हैं। यानि अगर आपके शरीर में फैट बराबर से हर अंग में बंटा है तो वह उतना खतरनाक नहीं है जितना कि सिर्फ पेट पर जमा फैट। ऐसा होने पर पेट पर टायर बनने लगते हैं यानी फैट की पूरी मोटी परत दिखती हैं। इससे कई बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि याददाश्त कमजोर होना, मधुमेह, कैंसर और दिल की बीमारी।

15 हजार लोगों पर की रिसर्च

मेरिका के मिनेसोटा में हुए इस शोध को 15000 लोगों पर आजमाया गया। इसे करने वाले डॉ फ्रान्सिस्को लोपेज ने बताया कि इस पर जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है ताकि यह पता चल सके कि कुछ लोगों का पूरा शरीर फिट, लेकिन पेट के पास फैट क्यों जमा होता है। ऐसे लोगों के जल्दी मरने का खतरा होता है। पुरुषों में यह संभावना ज्यादा रहती है जबकि महिलाओं में उनसे थोड़ी कम लेकिन फिर भी असरदार होती है।

अच्छे खानपान से दूर हो सकती है बीमारी, शराब ज्यादा खराब

इस परेशानी से बचने का एकमात्र उपाय है कि अपने खान पान की आदतें सुधारें। पेट के पास फैट बढ़ने का मतलब होता है अंदरूनी अंगों के आस पास फैट बढ़ना जो कि दिल की बीमारियां, उक्त रकत्चाप और टाइप 2 मधुमेह की तरफ इशारा करता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि पौष्टिक आहार लिया जाए। खाने पीने में फलों और सिब्जयों के जूस की मात्रा बढ़ाएं। शुगर और फैट वाली चीजें न खाएं, शराब कम कर दें और दिन में थोड़ा समय कसरत को जरूर दें। इन सबके पीछे अच्छी बात यह कि पेट के पास जमा फैट आसानी से समझ में आ जाता है क्योंकि कपड़े भी कसे होने लगते हैं।

रेसिपी

मिसी रोटी

सामग्री

(8 मिस्सी रोटी के लिये)

1 प्याला बेसन, 1/2 प्याला आटा, 1-2, बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़ा चम्मच हरा धनिया बारीक कटा, 1/4 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन,2 छोटा चम्मच तेल, 2-4 बड़ा चम्मच प्याज बारीक कटा (वैकल्पिक), 1/4 प्याला पानी (या आवश्यकतानुसार), घी/ मक्खन रोटी पर लगाने के लिए

विधि

एक परात में बेसन, आटा, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, कटी प्याज, नमक, तेल, और अजवाइन लें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटा गूंथें, यह न तो बहुत मुलायम हो और न बहुस सख्त। आटे को 10 मिनट के लिए ढककर रखें। गुथे आटे को 8 बराबर हिस्सों में बांटें और लोइयां बनाएं। तवा गरम करें। जब तक तवा गरम हो रहा है, इस बीच एक लोई को सूखे आटे की मदद से तीन इंच व्यास के गोले में बेलें। रोटी को गरम तवे पर डालें, एक ओर पक जाने पर पलट दें। दूसरी ओर पक जाने के बाद, रोटी को चिमटे की मदद से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से घुमाकर लाल सेक लें। मिस्सी रोटी के ऊपर घी/ मक्खन लगाएं। इसी तरह से सभी रोटी को बनाकर सेंक लें। किसी भी दाल या सब्जी के साथ गर्म परोसें। **टिप्पणी:** अगर बिजली का चूल्हा है तो रोटी को तवे पर ही साफ कपड़े की मदद से सेंका जा सकता है। इसके लिए कपड़े से रोटी को किनारे से दबाकर दोनों तरफ से लाल सेक लें।

दाल पंचरतन

सामग्री

50 ग्राम छिलके वाली मूंग की दाल, 50 ग्राम मसूर की दाल, 50 ग्राम चने की दाल, 50 ग्राम उड़द की दाल, 50 ग्राम अरहर या तुअर दाल, एक प्याज-टमाटर बारीक कटा हुआ। 4 बड़े चम्मच देसी घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, चुटकीभर हल्दी,चुटकी भर हींग, लाल मिर्च, चाट मसाला, नीबू और नमक स्वादानुसार हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

विधि

सारी दालों को लगभग दो घंटे के लिये गरम पानी में भिगोएं। इन्हें मिलाकर प्रेशर कुकर में नमक, हल्दी और डेढ़ कटोरी पानी के साथ तीन सीटी देने तक पकाएँ। तुरंत प्रेशर कुकर न खोलें। कढ़ाई में घी गर्म करें और जीरा, हींग का छौंक लगाकर प्याज डाल दें। प्याज गुलाबी सुनहरी हो जाने पर टमाटर और थोड़ा सा नमक डालकर ढ़ंक दें और आँच धीमी कर दें। टमाटर गल जाने पर दाल डालें, चाट मसाला मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

टिप्पणी: इस दाल में साबुत गरम मसाले का छौंक अच्छा लगता है। इसके लिये दो बड़ी इलायची दो पत्ते तेजपात, दस काली मिर्च और पाँच लौंग जीरे के साथ घी में डालें। यह छौंक अन्य दालों में भी डाला जा सकता है।

मां बन सकती हैं आप, अब नहीं होगा बार-बार गर्भपात

मां बनने की चाह रखने वाली महिला के लिए बार-बार गर्भपात होना एक बड़ी त्रासदी है। इस त्रासदी का असर पिता बनने की चाह रखने वाले वाले व्यक्ति पर भी पड़ता है, लेकिन लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज प्रक्रिया कई कारणों से बार-बार गर्भपात होने की समस्या से निजात दिलाने में कारगर है।

समस्या क्या है

गर्भपात एक ऐसी स्थिति है, जिसमें भ्रूण के ठीक तरीके से विकसित होने के पहले ही गर्भ अचानक गिर जाता है। गर्भावस्था के दौरान लगभग 22 से 25 प्रतिशत मामलों में गर्भपात होता है। उम्र बढ़ने से बार-बार गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। एक नजर कारणों पर गर्भपात हार्मोन संबंधी समस्याओं, संक्रमण या रक्त में थ्रॉम्बोफीलिया जैसी कुछ समस्याओं या आनुवांशिक विकृति आदि की वजह से हो सकता है। थ्रॉम्बोफीलिया की स्थिति में मां के शरीर से बच्चे को सही मात्रा में रक्त की आपूर्ति नहीं हो पाती। वहीं संरचनात्मक (एनाटॉमिकल) समस्या के कारण भी गर्भपात हो सकता है।

गर्भपात के कुछ अन्य कारण हो सकते हैं...

शारीरिक समस्याएं

- गर्भाशय में फाइब्रॉयड का होना।
- गर्भाशय की कैविटी में सेप्टम का होना।
- गर्भाशय में पॉलिप- या किसी भी अन्य प्रकार की ग्रोथ होना।
- सरवाइकल अक्षमता की स्थिति में प्रसव

(डिलीवरी) के दौरान गर्भाशय मुख के खुलने की बजाय यह समय (बच्चे का कार्यकाल पूरा होने से पहले) से पहले खुल जाता है। इस स्थिति में या तो गर्भपात हो सकता है या समय से बहुत पहले ही बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ जाता है।

परंपरागत उपचार

अतीत में इन महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के मुंह (वेजाइनल इनसरक्लेज) से नीचे टांका लगाकर इलाज किया जाता था। दुर्भाग्य से यह प्रक्रिया खतरे से पूरी तरह मुक्त नहीं थी। ऐसे ज्यादातर मामलों में वेजाइनल इनसेलक्लेज कारगर नहीं होता था और ऐसी अधिकतर महिलाओं में गर्भपात होना तब भी जारी रहता था। लेकिन अब ऐसी महिलाओं के लिए हमने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिसे लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज कहा जाता है।

अन्य लाभ

फाइब्रॉयड, पॉलिप, सेप्टम या गर्भाशय में किसी भी प्रकार की अन्य शारीरिक समस्या होने के कारण होने वाले गर्भपात के अन्य मामलों का भी इलाज दूरबीन विधि से संभव है।

यह है नवीनतम इलाज

लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज के अंतर्गत गर्भाशय के मुंह को लैप्रोस्कोपी के जरिये ऊपर से बांध दिया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्रक्रिया उन महिलाओं के लिए कारगर है, जिन्हें बार-बार गर्भपात होता है या जो महिलाएं अपरिपक्व (निर्धारित अवधि से पहले) बच्चों को जन्म देती हैं।

दिमाग की बज़ी

पृथ्वी घूमती है, हमें महसूस नहीं होता, क्यों ?

पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है और पृथ्वी अपने अक्ष पर भी घूमती है, लेकिन इसका अनुभव हमें नहीं होता, क्योंकि वह सारा समय एक-समान गति से घूमती है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे अगर हम बस, कार या रेलगाड़ी में सफ़र कर रहे हों और वह एक-समान गति से चल रही हो और हम खिड़की में से बाहर की चीजों को न देख रहे हों, तो हमें उसकी गति अनुभव नहीं होती। जब ट्रेन की गति कम या ज़्यादा होती है या जब बस/कार टूटी-फूटी सड़क पर चलती हैं, तब हमें उनके चलने का अहसास होता है।

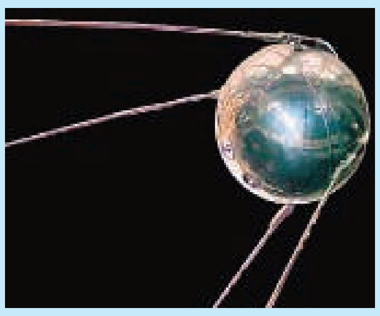

क्या आप जानते हैं?

- बिल्लियां मीठी चीजें टेस्ट नहीं कर सकतीं।
- स्नेल तीन साल तक सो सकता है।
- इंग्लैंड की सभी बतखें वहां की महारानी की संपति हैं।
- हाथी की सूंड में कोई हड्डी नहीं होती, लेकिन 40,000 मांसपेशियां होती हैं।
- श्रृंप का दिल उसके सिर में होता है।
- पांचवी मंजिल से गिरने के बाद भी चूहे को कोई चोट नहीं लगती।
- एंटईटर चींटियों की बजाय दीमक खाने को प्राथमिकता देते हैं।
- हाथी दांत का वजन 12 पाउंड तक हो सकता है।

नॉलेज बाइट

क्रिकेट का सीधा प्रसारण कैसे होता है ?

प्राकृतिक उपग्रहों की मदद से ही हम दूसरे देशों के कार्यक्रम देख पाते हैं और साथ ही विभिन्न मैचों का सीधा प्रसारण भी। प्राकृतिक उपग्रह वे अंतरिक्षयान हैं, जिन्हें इंसान द्वारा बनाया गया है। ये पृथ्वी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। बहुत-से देशों के प्राकृतिक उपग्रह अंतरिक्ष में चक्कर काट रहे हैं। ये अलग-अलग आकारों के है जैसे, गेंद, हैट बॉक्स, टिन कैंस या सिगार की डिब्बी जैसे। इनका इस्तेमाल वैज्ञानिक शोधों के लिए किया जाता है। इनमें से कुछ मौसम संबंधी जानकारी हमारे तक भेजते हैं। ये रेडियो व टीवी प्रसारणों को लंबी दूरी तक पहुंचाते है। इनमें से कुछ पृथ्वी से मात्र 1177 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, जबकि कुछ 35,500 कि.मी. से भी अधिक। संचार उपग्रहों के माध्यम से रेडियो और टैलिविजन सिग्नल एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप भेजे जाते हैं। संचार उपग्रहों में एंटीना तथा रिसीवर्स होते है। रिसीवर्स की सहायता से उपग्रह ग्राउंड स्टेशन से रेडियो और टीवी के सिग्नल प्राप्त करता है। इन प्रसारण सिग्नलों की शक्ति इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से बढ़ाई जाती है। फिर ट्रांसमीटर इन प्रसारणों को दूर स्थित ग्राउंड स्टेशनों को भेजते हैं, जो किसी अन्य महाद्वीप पर स्थित हो सकते हैं।

जन्मजात शत्रुता

नेवले में सांप पर आक्रमण करने की जन्मजात प्रवृति है। नेवले और सांप की लड़ाई में नेवले की अक्सर जीत होती है। सांप के जहर से नेवले की मौत हो सकती है, लेकिन वह इतनी चालाकी से सांप पर हमला करता है कि उसे डसने का मौका ही नहीं मिलता। अगर मौका मिल भी जाए, तो वह अपना विष दांत घुसा नहीं पाता, क्योंकि नेवला अपने शरीर के बालों को फुला कर सांप के डसने में रुकावट पैदा कर देता है, लेकिन अगर सांप नेवले को डसने में कामयाब हो जाए, तो नेवले की खैर नहीं।

पेड़ों की अजब दुनिया

संसार में कई तरह के पेड़ पाए जाते हैं। इनमें से कुछ बहुत लंबे, तो कुछ बहुत ही छोटे आकार के हैं। कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके प ो कई मीटर लंबे होते हैं, तो कुछ ऐसे हैं जो परभक्षी हैं। पेड़ों से संबंधित रोचक तथ्य यहां आपके लिए...

पेड़ वातावरण के लिए बहुत जरूरी हैं, पर इन्हें कीमती लकड़ी के लिए काट दिया जाता है। इनकी कटाई के कारण हवा व पानी का प्रदूषण, भूमि कटाव, मलेरिया और वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। पेड़ों के कम होने का मतलब है कम वर्षा, कम ऑक्सीजन और ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता खतरा।

सबसे लंबे पत्ते

मैडागास्कर में एक ताड़ का पेड़ है, जिसे 'राफिया पाम' कहा जाता है। इसके पत्ते 12 मीटर से भी अधिक लंबे होते हैं और कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके पत्ते 20 मीटर तक लंबे और दो मीटर चौड़े होते हैं। इनमें से कुछ छोटे पंखे की आकृति के पत्ते होते हैं, टालीयॉट पाम के।

सबसे पुराने पेड़

सबसे प्राचीन ज्ञात पेड़ है रेगिस्तानी क्रेओसोटे नामक पेड़। यह कैलिफोर्निया में है और एक अनुमान के अनुसार यह 11,700 साल से भी ज्यादा पुराना है। अमेरिका के ही नेवादा कैलिफोर्निया और एरिजोना में पाए जाने वाले ब्रिस्लकोन पाइन नामक पेड़ों के बारे में माना जाता है कि ये विश्व में सबसे प्राचीन हैं। सबसे पुराने जाने गए पेड़, जो अब भी जीवित पाए जाते हैं, वे लगभग 46,00 साल पुराने हैं।

तेजी से बढ़ने वाला पेड़

ऑस्ट्रेलिया का यूकलिप्टस (सफेदा) पेड़, जो एक साल में 10 मीटर तक बढ़ सकता है, दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पेड़ है। सफेदा की 600 से भी अधिक किस्में हैं और उनमें विश्व के सबसे लंबे पेड़ भी शामिल हैं, जो 100 मीटर से अधिक ऊंचे होते हैं।

सबसे विषैली फफूंद

'डैथ कैप' या 'डैथ कप टोडस्टूल' संभवत: दुनिया की सबसे विषैली फफूंद है। इसका एक बहुत छोटा-सा टुकड़ा भी जान ले सकता है। इसे खाने के करीब 10 घंटे बाद व्यि त ख़ुद को बीमार महसूस करना शुरू कर देता है, लेकिन डॉक्टर भी उसकी किसी प्रकार की मदद नहीं कर सकते हैं, क्योंकि इस विष का कोई उपचार नहीं है। 'डैथ कैप' सभी जानवरों के लिए भी विषैली होती है।

धीमी गति से बढ़ने वाला

'सायकाड' नामक पेड़, जिसका वैज्ञानिक नाम 'डिऊन एड्यूले' है, के नाम संभवत: स्नेल की रफ्तार से बढ़ने का रिकॉर्ड है। इसमें से एक पेड़ का 1981 से 1986 के बीच अध्ययन किया गया और प्रत्येक वर्ष इसमें 0.76 मिलीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। 120 साल का आयु का पेड़ मात्र 10 सैंटीमीटर तक बढ़ता है।

परभक्षी पौधे

कुछ पौधे ऐसे दलदली इलाकों में पाए जाते हैं, जहां उनके लिए भोजन की कमी होती है। ये अपने भोजन में कीड़ों को शामिल कर लेते हैं। अतिरिक्त पोषण प्राप्त करने के लिए ये अपने शिकार को हजम कर लेते हैं। 'सनड्यू' नामक पौधे की चिपचिपी स्पर्शिकाएं होती हैं। 'बटरवॉर्ट्स' के पत्ते चिपचिपे होते हैं। पिचर नामक पौधा कीड़ों को अपने मटके और फूल में फंसा लेता है। सबसे अधिक आकर्षक परभक्षी पौधा है, 'वीनस फ्लाई ट्रैप'। इसके प ो कांटों जैसे होते हैं। ये उस कीट के चारों ओर एक जबड़े की तरह बंद हो जाते हैं, जो उस पर बैठता है।

रोचक जानकारियां

- हर साल दुनिया से करीब 42 मिलियन एकड़ जंगल खत्म हो जाते हैं।
- बहुत कम पौधे आर्कटिक की कड़ी ठंड में जीवित रह सकते हैं। केवल दो पौधे ही ऐसे हैं, जो यहां की तेज बर्फीली हवाओं को सहकर भी जिंदा रह पाते हैं, ये हैं 'यैलो पॉपी' और 'आर्कटिक विल्लो'।
- अमेरिका के एरिजोना में गुलाब का एक इतना विशाल पौधा है, जिसे स्तंभों और पाइपों के सहारे खड़ा रखा गया है। इसके नीचे 150 लोग बैठ सकते हैं।
- सबसे ऊंचे सॉफ्ट वुड पेड़ों में से एक कैलिफोर्निया के विशाल रैडवुड सेकोइया, जनरल शर्मन है। जनरल शर्मन करीब 275 फुट (84 मीटर) ऊंचा है और इसक घेरा 25 फुट है। 2,000 टन वजनी इस पेड़ में पांच अरब दियासिलाई बनाने लायक पर्याप्त लकड़ी है।
- दुनिया का सबसे लंबा पेड़ कैलिफोर्निया में है। इसकी ऊंचाई 360 फुट है।
- ऑस्ट्रेलिया के 236 फुट ऊंचे 'अडा' पेड़ का घेरा 50 फुट है। इसकी जड़ें एक एकड़ से ज्यादा इलाके में फैली हुई हैं।
- माना जाता है कि दुनियाभर में पेड़ों की क़रीब एक लाख विभिन्न प्रजातियां हैं। इनमें सबसे अधिक विविधता ट्रॉपिकल फॉरैस्ट्स में पाई जाती है।
- अमेरिका में प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक चार फार्मास्यूटिकल प्रॉडक्ट्स में से एक ट्रॉपिकल फॉरैस्ट के पौधों से बनता है।

विनाशकारी भूकंप के झटके

पृथ्वी पर रोजाना सैंकड़ों भूकंप आते हैं, हालांकि इनमें से ज्यादातर बहुत हल्के होते हैं और हम महसूस भी नहीं कर पाते। लेकिन हर साल इन भूकंपों के कारण दुनिया भर में करीब 10,000 लोगों की जानें जाती हैं। सबसे ज्यादा भूकंप जापान में आते हैं। यहां लगभग रोजाना भूकंप आते हैं। लेकिन इनमें से अधिकांश भूकंप बहुत छोटे होते हैं और ये कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। 1993 में टोक्यों में आए एक भूकंप में एक लाख लोग मारे गए थे। इसके कारण योकोहामा शहर नष्ट हो गया था।

सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाला भूकंप 1556 में मध्य चीन में आया था। इस इलाके में अधिकतर लोग नर्म चट्टानों को तराश कर बनाई गई गुफाओं में रहते थे। भूकंप के कारण ये गुफाएं ढह गईं, जिसके चलते लगभग आठ लाख तीस हजार लोग मौत के मुंह में चले गए।

1920 में चीन में आए भूकंप ने तीन सौ वर्ग मील क्षेत्र को प्रभावित किया था। इस भूकंप में करीब दो लाख लोगो ने अपने जानें गंवाई थीं। 1976 में चीन में तंगस्तान में आया भूकंप अढ़ाई लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बना।

सबसे शक्तिशाली भूकंप चिली में 22 मई, 1960 को आया था। इसका मैग्नीट्यूड 9.5 था। रिकार्ड में दर्ज अमेरिका के सबसे बड़ा भूकंप मार्च 1964 को गुडफ्राइडे के दिन अलास्का में आया। इस भूकंप का मैग्नीट्यूड 9.2 था। इसके कारण प्रशांत महासागर में कई सुनामी आईं। लेकिन चूंकि अलास्का में जनसंख्या बहुत ज्यादा नहीं है, इसलिए केवल 114 लोगों की मौत हुई।

2005 में पाकिस्तान व भारत के कश्मीर क्षेत्र में आए भूकंप से हुई तबाही के कारण करीब एक लाख लोगों ने आपनी जानें गंवा दीं और कई गांवों का धरती से नामों निशान मिट गया।

यूरोप में आए सबसे भीषण भूकंप में से एक में 1755 में पुर्तगाल का लिस्बन शहर नष्ट हो गया था और 30 हजार लोग इसका ग्रास बन गए थे।

20वीं सदी के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक उजरी अमेरिका के सान फ्रांसिस्को में 1906 में आया। इसका मैग्नीट्यूड 7.7 और 8.3 के बीच था। भूकंप के बाद भीषण अग्निकांड भड़क गए। इसके परिणाम स्वरूप 700 लोग मारे गए और 400 मिलियन डॉलर की संपति का नुकसान हुआ।

1811-1812 में मिसूरी के न्यू मैड्रिड नगर में अलग-अलग 1874 भूकंप आए। इनमें से कुछ के झटके 400 मील दूर तक महसूस किए गए। समुद्र के नीचे आने वाले भूकंप के कारण सुनामी आ सकती हैं, जो अपने अधिकेंद्र से काफी दूर तक जा सकती हैं। सुनामी की ऊंची लहरों के कारण तटवर्ती इलाकों में भारी तबाही होती है।

शिकार का अलग अंदाज

अंटार्कटिक महाद्वीप को छोड़कर ऑस्प्रे सभी महाद्वीपों में पाया जाता है। यह लगभग 60 सेंटीमीटर लंबा होता है और इसके पंखों का फैलाव साढ़े चार से छह फीट तक होता है। इनका वज़न ढ़ाई से चार पौंड तक होता है। इनकी पीठ गहरे भूरे रंग की होती है और पेट व छाती सफेद होती है। हालांकि यह चील व हॉक जैसा ही दिखता है, लेकिन कई मायनों में यह उनसे भिन्न है। चील और ऑस्प्रे में भोजन के लिए कई बार लड़ाई हो जाती है। चील अ सर इसे मुंह में पकड़ी हुई मछली गिराने पर मज़बूर करती है और बीच हवा में ही उसे लपक लेती है। यह मछलियों को बड़े चाव से खाता है। यही कारण है कि ये तालाब, नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे रहते हैं। इसे 'सी हॉक' भी कहा जाता है, क्योंकि मछली की तलाश में यह समुद्र के आस-पास ही मंडराता रहता है। यहां तक कि यह अपने घोंसले भी समुद्र के किनारे ही बनाता है। ऑस्प्रे अपने पैरों तथा पंजों की खास बनावट के कारण अलग अंदाज में अपना शिकार करता है। ऑस्प्रे के पैर में पांच अंगूठे होते हैं, जिनमें चार एक समान लंबाई के और एक अंगूठा बाहर की ओर उल्टी दिशा में होता है। इसके अलावा, इसके पंजे सूई की तरह नुकीले होते हैं, जो शिकार के शरीर पर मजबूत पकड़ बनाने में मदद करते हैं। ये 30-100 फीट की ऊंचाई से पानी की सतह पर शिकार करता है। ऑस्प्रे कभी- कभार खरगोश, कृन्तक, उभयचर, पक्षी और छोटे रेंगने वाले जानवरों का शिकार करता है, लेकिन अक्सर 25-35 सेंटीमीटर लंबी और 150-300 ग्राम वजन की मछलियों का शिकार करता है। जब कभी यह बड़ी मछलियों को पकड़ता है, तो उनके अधिक वजन होने के कारण खुद समुद्र में डूब जाता है और तुरंत उसकी मौत हो जाती है।

हम बताएं, आप बनाएं

अंक पहेली

एक बार श्रीमती शर्मा के यहां बहुत चूहे हो गए। चूहों से बचने के लिए उनके पति श्रीमान शर्माजी एक साथ पांच बिल्लियां ले आए। ये पांचों बिल्लियां एक ही जैसी गति से चूहे पकड़ती हैं। पांचों बिल्लियां पांच मिनट में पांच चूहों का शिकार करती हैं। इस हिसाब से बताइए कि एक बिल्ली को एक चूहा पकड़ने में कितना समय लगता है ?

उत्तर: पांच मिनट। पांच मिनट में पांच बिल्लियां पांच चूहे पकड़ती हैं। इसलिए हर बिल्ली पांच मिनट में एक ही चूहा पकड़ती है।

नासा मिशन

सैनिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नासा ने कई ऐसे सैटेलाइट भी अंतरिक्ष में स्थापित किए हैं, जो दूसरे देशों के सैनिक ठिकानों पर नजर रखते हैं...

अमेरिका ने पूर्व सोवियत संघ (रूस) के अंतरिक्ष कार्यक्रम का मुकाबला करने और अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए नैशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की स्थापना 29 जुलाई, 1958 को की थी। एक अक्टूबर, 1958 को इसने पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया था। नासा अंतरिक्ष प्रयोगों के साथ-साथ जनसुविधाओं और सेना के लिए भी काम करता है। नासा में 15 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं और इसका वार्षिक बजट 17.6 बिलियन डॉलर है। नासा का मख्यालय वॉशिंगटन में है। इसका प्रमुख (एडमिनिस्ट्रेटर) अमेरिका के राष्ट्रपति का अंतरिक्ष विज्ञान सलाहकार भी होता है। चार्ल्स फ्रैंक बोल्डन वर्तमान में नासा के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। नासा के प्रमुख अनुसंधान केंद्र वॉशिंगटन स्थित मुख्यालय के अलावा न्यूयॉर्क, ओहायो, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में भी हैं।

उपलब्धियां

नासा अब तक 100 से भी ज्यादा मानव सहित अंतरिक्ष मिशन पूरे कर चुका है। इनमें 'अपोलो' और 'कोलंबिया' ऐसे मानव सहित मिशन थे, जो असफल रहे और इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष में कई यात्रियों की मौत हो गई। चंद्रमा मिशन के अलावा नासा विभिन्न

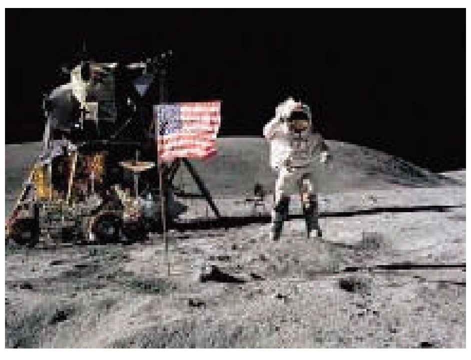

ग्रहों और क्षुद्रग्रहों के लिए भी कई मिशन चला चुका है। नासा ने अपना पहला अंतरिक्ष प्रौजेक्ट 'मरकरी' के नाम से 1958 में शुरू किया । इसका मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि मानव अंतरिक्ष में जीवित रह सकता है या नहीं। यह प्रौजे ट सफल रहा। इसके बाद नासा ने 'जैमिनी' के नाम से प्रौजेक्ट शुरू किया। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा पर मानव के साथ अंतरिक्ष यान उतरना था। इसी प्रोजै ट के तहत नासा ने अपना 'अपोलो' कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष यात्री लेकर जाना था, लेकिन अपोलो-1 सफल नहीं हो पाया और इसमें जाने वाले सभी अंतरिक्ष यात्री मारे गए।

29 जुलाई, 1969 को नासा ने वह कर दिया, जिसका सपना नासा ने अपनी शुरुआत से देखा था। अपोलो-11 पहली बार मानव को लेकर चंद्रमा पर उतरा और नील आर्मस्ट्रांग पहले मानव बने, जिन्होंने चंद्रमा पर कदम रखा। इसके बाद नासा ने अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन स्थपित करने का फैसला किया और 'स्काईलैब' से नाम से अंतरिक्ष में पहला स्टेशन शुरू किया । यह स्टेशन 1973 से लेकर 1979 तक कार्य करता रहा । इसके बाद नासा ने 'शटल' के नाम से नया प्रौजेक्ट शुरू किया, लेकिन पहला प्रयास सफल नहीं हो पाया, पर बाद में यह भी सफल रहा।

महत्वाकांक्षी योजनाएं

नासा की योजना चंद्रमा (मून) और मंगल (मार्स) पर अपने स्पेस स्टेशन स्थापित करने की है। मून और मार्स मिशन के सफल होने के बाद नासा ने अब इस पर काम करना शुरू कर दिया है। नासा की पूरी कोशिश है कि 2020 तक चंद्रमा पर स्पेस स्टेशन स्थापित हो जाए। इसके लिए नासा अन्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, के साथ मिल कर काम कर रहा है।

कंबोडिया नौकरी घोटाला : स्वदेश लौटे 25 और भारतीय, दूतावास की सलाह-विदेश में जॉब के लिए केवल अधिकृत एजेंट से ही संपर्क करें

नोम पेन्ह, 25 मई (एजेंसियां) । कंबोडिया में नौकरी घोटाले में फंसने के बाद 25 और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित देश वापस लाया गया। कंबोडियाई अधिकारियों के सहयोग से शुरू हुए बचाव अभियान में भारतीय दूतावास के पांच कांसुलर और दूतावास अधिकारियों ने मदद की। इनसे भारतीय नागरिकों को महत्वपूर्ण मदद मिली।

दूतावास ने पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को मदद देने के साथ ही सलाह की पेशकश की। इसके साथ ही पीड़ितों को टिकट खरीद, परेशानी मुक्त चेक-इन और आव्रजन प्रक्रियाओं के लिए एयरलाइंस के साथ संपर्क की सुविधा भी दी गई। इस तरह से दो दर्जन से अधिक भारतीय नागरिक को बचाकर 23 मई, 2024 को 9:30 बजे जेटस्टार की उड़ान उ्य592 से देश लाया गया। इसके बाद इन लोगों ने 24 मई, 2024 को 5:15 बजे एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई451 से विशाखापत्तनम तक की यात्रा की।

विशाखापत्तनम के पुलिस आयुक्त रविशंकर अय्यर ने कहा, आज हमारे पास दस पीड़ित आए हैं और अन्य 15 से 18 रास्ते में हैं। वे अगली उड़ान से आएंगे। हम कंबोडिया में सेटअप के बारे में सभी जानकारी हासिल करेंगे, जो वहां सभी साइबर अपराध के मामलों को संभाल रहा है। उन्होंने बताया कि एजेंट ने युवाओं को भारत में भर्ती और उन्हें डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी का झांसा देकर कंबोडिया भेजा। अब तक हमें दो महिला पीड़ितों के बारे में भी पता चला है। इनमें से एक केरल से हैं। उन्हें भी प्रताड़ित किया गया।

कंबोडिया में भारतीय दूतावास फर्जी नौकरी घोटाले में फंसे भारतीय नागरिकों की परेशानी दूर करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा। दूतावास ने कंबोडिया में रोजगार चाहने वाले भारतीय नागरिकों से सावधानी बरतने को कहते हुए सलाह जारी की। इसमें भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधिकृत एजेंटों के जरिए ही नौकरियां पाने पर जोर दिया गया है। कंबोडिया से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भारतीय दूतावास कंबोडियाई अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है। भारतीय नागरिकों की मदद लिए दूतावास ने सिहानोकविले में एक अस्थायी नियंत्रण कक्ष भी बनाया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कंबोडिया में धोखाधड़ी करने वाले नियोक्ताओं से बचाए गए 60 भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी हुई। इन्हें 20 मई को जिनबेई-4 से बचाया गया था। इनकी स्वदेश वापसी में सिहानोकविले के अधिकारियों ने अहम योगदान दिया।

न्यूज ब्रीफ

पीएमओ में काम करने वाले पूर्व नौकरशाह होंगे आईसीआईसीआई बैंक के नए पार्ट टाइम चेयरमैन, आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने आईसीआईसीआई बैंक के पार्ट टाइम चेयरमैन के रूप में प्रदीप कुमार सिन्हा की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। सिन्हा 1 जुलाई, 2024 से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए इस भूमिका को संभालने के लिए तैयार हैं। प्रदीप कुमार सिन्हा जीसी चतुर्वेदी की जगह लेंगे, जो 30 जून, 2024 को व्यावसायिक घंटों के बाद गैर-कार्यकारी अंशकालिक अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सिन्हा ओएनजीसी, आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, गेल आदि जैसे कई प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सरकार द्वारा नामित निदेशक रहे हैं। विशेष रूप से, वह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के बोर्ड में लगभग 7 वर्षों तक और इसी तरह बीपीसीएल और एचपीसीएल के बोर्डों में लगभग 6 वर्षों तक रहे। उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक बिजली और तेल और गैस मंत्रालयों में काम किया। उन्होंने वित्तीय सलाहकार और विशेष सचिव, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस; सचिव, बंदरगाह और जहाजरानी; और सचिव, विद्युत के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्हें ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, परिवहन, शहरी विकास और वित्त के क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है। आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट के अनुसार, सिन्हा 1976 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में परास्नातक करने के बाद 1977 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक बनेगा यूनिवर्सल बैंक, बैंक में बदलने की समय सीमा पर बोर्ड फैसला करेगा

नई दिल्ली। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने को यूनिवर्सल बैंक में बदलने की पात्रता प्राप्ता कर ली है। बैंक ने पिछले सप्ताहांत में वित्त वर्ष 24 के नतीजे जारी करने के बाद कहा कि इस वित्त वर्ष में यूनिवर्सल बैंक में बदलने की समयसीमा पर बोर्ड फैसला करेगा। बेंगलूरु मुख्यालय वाले उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि हम सभी आंकड़ों के आधार पर योग्य हैं लेकिन हम इसके लिए आनन-फानन में कोई कदम नहीं उठाएंगे। हमने अभी रिवर्स मर्जर पूरा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में यूनिर्सल बैंक में बदलने के लिए मानदंड घोषित किए हैं। इस घोषणा ने लघु वित्त बैंक को वैकल्पिक रूप से यूनिवर्सल बैंक में बदलाव का रास्ता पेश किया है। नियामक के मुताबिक दो वर्षों तक लगातार सकल और शुद्ध एनपीए का अनुपात क्रमश: 3 प्रतिशत और 1 प्रतिशत से कम होना योग्यता का मानदंड है। मार्च 2024 में उज्जीवन एसएफबी का सकल और शुद्ध एनपीए का अनुपात क्रमश 2.1 प्रतिशत और 0.3 प्रतिशत था। यह अनुपात मार्च 2023 में क्रमश 2.6 प्रतिशत और 0.4 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि हम योग्य हैं लेकिन हमें सावधानीपूर्वक आकलन करने की जरूरत है। बोर्ड इस वित्त वर्ष में यूनिवर्सल बैंक में बदलाव के लिए समयसीमा तय करेगा। डेविस बैंक से सेवानिवृत्ति की मांग कर चुके हैं और उन्हें इसकी अनुमति मिल चुकी है।

अनाज का बफर स्टॉक 600 लाख टन के पार, खाद्यान्न वितरण के लिए चावल एवं गेहूं का पर्याप्त भंडारण

नई दिल्ली। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदारी का आंकड़ा पिछले वर्ष को पार कर गया है। केंद्र सरकार ने किसानों से अभी तक 262.48 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदारी कर ली है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। सबसे ज्यादा पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश से गेहूं की खरीदारी हुई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत खाद्यान्न वितरण के लिए बफर स्टॉक में चावल एवं गेहूं का पर्याप्त भंडारण हो चुका है। दोनों अनाजों का संयुक्त स्टॉक 600 लाख टन से अधिक हो गया है। गेहूं की खरीदारी अभी भी जारी है। कुछ राज्यों में जून महीने तक खरीदारी होती रहेगी। चालू वर्ष 2024-25 के लिए गेहूं खरीद का लक्ष्य 320 लाख टन निर्धारित किया गया है। साथ ही बफर स्टॉक के लिए चावल की भी खरीदारी की जा रही है। खरीफ सीजन 2023-24 के दौरान अभी तक 98.26 लाख किसानों से सीधे 489.15 लाख टन चावल के बराबर 728.42 लाख टन धान की खरीदारी की गई है और उन्हें लगभग एक लाख 60 हजार 472 करोड़ का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया गया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़े में बताया गया है कि गेहूं खरीद के जरिए 22 लाख 31 हजार किसानों को 59 हजार 715 करोड़ रुपये का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जब जज...

1000 गुर्जर परिवार इस मंदिर के पुजारी हैं। हर अमावस्या पुजारी बदलता है। इस दौरान पुजारी को कठिन तप एवं साधना के नियमों का पालन करना पड़ता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं वसुंधरा राजे तक यहां दर्शन-पूजन कर चुकी हैं। भगवान श्रीकृष्ण के चतुर्भज स्वरूप को समर्पित इस मंदिर में जब किसी पुजारी की पाली आती है तो वो सगे-संबंधियों की मौत होने के बाद भी अपनी अवधि पूरा होने तक नहीं उठ सकते। कई लोगों की बारी 48-50 साल बाद आती है, यानी जीवन में एक मौका। इस दौरान उन्हें हर प्रकार के व्यसन से दूर मंदिर में ही रहना पड़ता है। इससे इतना तो स्पष्ट है कि यह मंदिर पूरे हिंदू समाज, खासकर राजस्थान के हिंदू समाज के लिए बड़ी महत्ता रखता है। मंदिर में कई जगह स्वर्ण-पत्र जड़े हुए हैं, सोने के दरवाजे में चांदी के पत्र जड़े हुए हैं। मंदिर के पास एक छतरी में गरुड़ जी की 5 मूर्तियां हैं। मंदिर के सामने विशाल नक्कारखाना है।राजस्थान में अन्य स्थानों पर भी समय-समय पर चारभुजा नाथ की यात्रा निकाली जाती है, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं। चित्तौड़गढ़ में उनकी ही यात्रा निकाली जा रही थी, जिस पर 19 मार्च 2025 को हमला हुआ था। हमले में श्याम छिपा नामके एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मंदिर के पास ही उनकी दुकान थी। घटना राशमी थाना क्षेत्र के पहुना गांव की है, जहां दशमी के अवसर पर चारभुजा नाथ की यात्रा निकाली जाती है। इस दौरान ढोल बजाते हुए ग्रामीण गांव के विभिन्न हिस्सों से होकर निकलते हैं। लेकिन, कस्बे के मुख्य बाजार स्थित दरगाह पर पहुंचते ही शोभा यात्रा पर हमला हो गया। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। दरगाह के सामने से जैसे ही शोभा यात्रा निकली, वहां मौजूद मुस्लिम इससे आपत्ति जताने लगे। जबकि चारभुजा नाथ की शोभा यात्रा पहले भी निकलती रही है। लेकिन शोभा यात्रा पर हमला कर दिया गया। शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया और व्यापक पैमाने पर आगजनी और तोड़फोड़ की गई। स्थिति अत्यंत भयावह हो गई थी।पुलिस ने 18 आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया था। हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। वीडियो में इस्लामी टोपी पहने लोग हंगामा, तोड़फोड़ और आगजनी करते हुए स्पष्ट दिख रहे हैं। 24 वर्षीय बाबू मोहम्मद सहित अन्य आरोपियों ने हाईकोर्ट का रुख किया था, क्योंकि ट्रायल कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है और उन्हें झूठा फंसाया गया है। इन्होंने दावा किया कि मौत का कारण हार्ट अटैक था और मृतक के शरीर में कोई जख्म नहीं था। साथ ही इस मामले में एससी/एसटी एक्ट हटाने की अपील भी की गई थी।हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता लंबे समय से जेल में हैं। लंबे समय, मतलब 2 महीना। जबकि पुलिस का स्पष्ट कहना था कि पूर्व से रची हुई साजिश के तहत हिंदुओं के शांतिपूर्ण शोभा यात्रा पर हमला किया गया, वो भी खतरनाक हथियारों के साथ। जज साहब ने ये तक कह दिया कि इस हिंसा में कौन-कौन लोग शामिल थे इस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता। यानी, हमला दरगाह के सामने हुआ और पीड़ित हिंदू श्रद्धालु थे, फिर भी जज साहब को शक था कि कौन लोग इसमें शामिल थे। जज फरजंद अली ने कहा कि भीड़ में निर्दोषों और हमलावरों को अलग-अलग चिह्नित करना बड़ा मुश्किल है, अपराधी भाग जाते हैं और निर्दोष फंस जाते हैं। आरोपितों के दोषी होने से लेकर उन पर एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला चलाने तक, अदालत हर मामले में संशय में दिखी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में घुटने पर जख्म का जिक्र है। लिहाजा, कोर्ट ने यह मान लिया कि मौत हमले से नहीं, हार्ट अटैक से हुई। अभियुक्तों को निजी मुचलकों पर जमानत दे दी गई। निचली अदालत का फैसला पलट दिया गया।अब बहस इसी बात पर हो रही है कि भारत में न्याय क्या इसी तरह होता है? भीड़ का नहीं, हमलावरों का मजहब देखा जाता है। यहां नूपुर शर्मा का जिक्र जरूरी है जिनका गुनाह इतना बड़ा था कि सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी करने से खुद को रोक नहीं सका। बहरहाल, चारभुजा नाथ शोभा यात्रा निकाल रहे हिंदुओं पर हमला करने वाली भीड़ जो दरगाह से निकली थी, उसका मजहब हमले का शिकार हुए लोगों को पता था, लेकिन जज साहब को पता नहीं था। राजस्थान के ही करौली में अप्रैल 2022 में दंगे भड़के थे। नव-संवत्सर पर बाइक रैली आयोजित की गई थी, जिस पर हमला किया गया था। हटवारा बाजार में जिस भीड़ ने इस रैली पर पत्थरबाजी की, उनका मजहब था। इसके बाद गाड़ियों, दुकानों और घरों में आगजनी हुई थी। इसके अगले ही महीने जोधपुर में परशुराम जयंती के मौके पर शोभा यात्रा निकली और जालोरी गेट चौराहे पर झंडा लगाया गया, उस दौरान भी जिस भीड़ ने हिंदू युवक के साथ मारपीट की और झंडा लगाने का विरोध किया, उस भीड़ का मजहब था। उससे 1 वर्ष पहले, यानी जुलाई 2021 में झालावाड़ में हिंसा भड़की, तब भी भीड़ का मजहब था। टोंक में अक्टूबर 2019 में दशहरा की रैली पर मालपुरा कस्बे में जिन लोगों का पथराव किया, उनका भी मजहब था। यह सबको पता है, लेकिन न्यायपीठों को नहीं पता।पिछले 1400 वर्षों से हिंसक भीड़ का मजहब है। ज्यादा पीछे क्यों जाना, इसी साल रामनवमी के दौरान अप्रैल में जगह-जगह हिंदुओं की शोभा यात्राओं पर हमले हुए। ये हमले करने वाले जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई, पारसी या फिर यहूदी नहीं थे। स्पष्ट है कि इन हमलावरों की भीड़ का मजहब था। मुर्शिदाबाद में जहां हमले हुए, वहां दो तिहाई जनसंख्या जिनकी है उनका एक खास मजहब है। पिछले साल भी कुछ ऐसा ही हुआ था, हर साल होता है। मार्च 2023 में उत्तर दिनाजपुर के दालखोला में रामनवमी की शोभा यात्रा पर हुए हमले के मामले में एनआईए को जांच सौंपनी पड़ी। फरवरी 2024 में जिन 16 लोगों को एनआईए ने गिरफ्तार किया, उनका भी मजहब था। दिल्ली में फरवरी 2020 में जो दंगे हुए थे, उस दौरान जिस भीड़ ने 51 वर्षीय विनोद कुमार पर अल्लाह-हू-अकबर का नारा लगाते हुए उन्हें मार डाला, उस भीड़ का भी मजहब था। उनके बेटे मोनू को भी गंभीर चोटें आई थीं। वो मोहल्ला आज भी जिस डर में जीता है, उसके पीछे एक भीड़ का खौफ है और उस भीड़ का मजहब है।सीएए के खिलाफ देश भर में जो दंगे हुए, हर एक दंगे में भीड़ का मजहब था। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि जो लोग आग लगा रहे हैं और टीवी पर उनके जो दृश्य आ रहे हैं, ये आग लगाने वाले कौन हैं ये उनके कपड़ों से ही पता चल जाता है। नूपुर शर्मा के बयान (जो उन्होंने हदीथ से उद्धरण दिया था) को पैगंबर मुहम्मद का अपमान बता कर पश्चिम बंगाल के नदिया में रेलवे स्टेशन को क्षतिग्रस्त करने वाली भीड़ का भी मजहब था। लेकिन, जज साहब को ये सब नहीं दिखता। नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट के जजों ने पूरे देश में आग लगाने के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया, जबकि ये काम वही मजहब वाली भीड़ कर रही थी। उसी मजहब के लोगों ने उदयपुर में कन्हैया लाल तेली और अमरावती में उमेश कोल्हे का गला रेता। उसी भीड़ ने नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ भी सिर तन से जुदा का पोस्टर लेकर सड़कों को जाम किया। इसी भीड़ को हमने पाकिस्तान में मंदिरों को ध्वस्त करते, लंदन की सड़कों पर आतंकी संगठन हमास का समर्थन करते और बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के पंडालों पर हमला करते हुए देखा है।राम मंदिर और मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर को सैकड़ों वर्ष पूर्व ध्वस्त किए जाने के पीछे यही मानसिकता थी, मजहब वाली। आज जो लव जिहाद की घटनाएं हो रही हैं, उसके पीछे भी वही मानसिकता है। अगर न्यायपालिका ने समय रहते इस्लामी कट्टरपंथ के खिलाफ कड़ा रख नहीं अपनाया तो इसका खामियाजा उन्हें भी और पूरे देश को भुगतना पड़ेगा।हिंदू धर्म-ग्रंथों का अपमान करने वालों पर कार्रवाई नहीं होती और दंगे करने वालों को जमानत मिल जाती है, इससे उस मजहब वाली भीड़ को प्रोत्साहन मिलता है। आईएसआईएस भी इसी भीड़ की तरह अल्लाह-हू-अकबर का नारा लगाते हुए गला रेतता है और वीडियो बनाता है। साल बदलते हैं, स्थान बदलता है, मानसिकता वही रहती है। जब क्रिया की प्रतिक्रिया होती है या फिर आत्मरक्षा में बल प्रयोग करता है पीड़ित पक्ष, तो इसे हिंदू आतंकवाद बता कर प्रचारित किया जाता है।राजस्थान हाईकोर्ट के जज फरजंद अली सितंबर 1992 से लॉ की प्रैक्टिस बतौर वकील करते रहे हैं। उन्हें अक्टूबर 2021 में राजस्थान उच्च न्यायालय का जज नियुक्त किया गया था। कांग्रेस सरकार ने उन्हें 2019 में अपना सरकारी जज बनाया था। जज नियुक्त होने के बाद उन्होंने अजमेर स्थित ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर जियारत की थी। नवंबर 2023 में कांग्रेस उम्मीदवार मेवाराम जैन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन भेजा था तो उन्होंने इस समन को रद्द किया था। इतना ही नहीं, जज फरजंद अली ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के दो खालिस्तानियों को जमानत भी दे दी थी। जजों की नियुक्ति जज ही करते हैं, उनकी नियुक्ति भी तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाले पैनल ने की थी। न्यायपालिका में सुधार समय की जरूरत है, समय-समय पर सरकारों के प्रयासों पर न्यायपालिका ही अड़ंगा लगाती आई है। कॉलेजियम सिस्टम विवादित है, लेकिन चल रहा है। यही स्थिति रही तो कल को देश के सारे दंगाई सड़क पर खुला घूम रहे होंगे।

वंचितों का...

इसके बाद कराकत के डेहरी में उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में जनसभा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 4 जून को आरजेडी और कांग्रेस के लोग एक-दूसरे के ऊपर हार का ठीकरा फोड़ेंगे। पीएम मोदी की आखिरी सभा बक्सर के अहिरौली में हुआ। यहां उन्होंने भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। बक्सर रैली में पीएम मोदी ने तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और अखिलेश यादव को शहजादा बताया और कहा कि 4 जून को लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद इनका शटर गिरने वाला है।पीएम मोदी का लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद यह 9वां बिहार दौरा है। इससे पहले वह जमुई, नवादा, गया, पूर्णिया, अररिया, मुंगेर, दरभंगा, हाजीपुर, वैशाली, सारण, महाराजगंज और पूर्वी चंपारण में रैलियां कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पटना में रोड शो भी किया था। पाटलिपुत्र, कराकत और बक्सर समेत बिहार की 8 लोकसभा सीटों पर आखिरी चरण में 1 जून को मतदान होना है। पाटलिपुत्र से भाजपा के रामकृपाल यादव के सामने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती मैदान में हैं। बक्सर में भाजपा ने इस बार नए कैंडिडेट मिथिलेश तिवारी को उतारा है, उनके खिलाफ आरजेडी से पूर्व मंत्री सुधाकर सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों सीटों पर महागठबंधन और एनडीए में सीधा मुकाबला है। वहीं, कराकत लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय जंग होने वाली है। यहां से एनडीए के उपेंद्र कुशवाहा के खिलाफ सीपीआई माले ने राजाराम कुशवाहा को उतारा है। वहीं, भाजपा के बागी भोजपुरी स्टार पवन सिंह भी निर्दलीय चुनावी मैदान में हैं।पटना के पाटलिपुत्र लोकसभा सीट के लिए विक्रम में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मगही भाषा में लोगों को प्रणाम किया। पीएम बोले, महान पाटलिपुत्र के ज्ञान, विज्ञान, शौर्य, पराक्रमी ई भूमि के नमन करित ही। अपने सबहन के हम्मर प्रणाम पहुंचे। पीएम मोदी ने लालू यादव पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा, ई ऐसी ललटेनिया है जो एक ही घर में रौशनी करती है। दूसरों के घर में इस लालटेन ने अंधेरा ही फैलाया। इंडी गठबंधन वालों का सूत्र ही है, अपना काम बनता, भाड़ में जाए जनता।पीएम मोदी ने मुफ्त अनाज योजना का जिक्र करते हुए कहा, मोदी ने हर जरूरतमंद के लिए अनाज के गोदाम के दरवाजे खोल दिए। हर गरीब को मुफ्त राशन मिलता है, यह मोदी की गारंटी है। आने वाले 5 सालों तक राशन मिलता रहेगा। आज रात रात तक कोई मां नहीं जागती, क्योंकि उसका बच्चा भूखा नहीं सोता है। पीएम मोदी जनता से कहा, कोई झुग्गी झोपड़ी, मिट्टी के घर में कच्चे घर में रहता है तो उसका नाम पता लिखकर मुझे भेज दीजिए। उसको बिना संकोच कह देना कि 4 जून के बाद जब मोदी की सरकार तीसरी बार बनेगी तो तुम्हारे लिए घर भी बनेगा। उसको बता देना। ये मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि सोलर पैनल लगाने वालों को 75,000 रुपए दिए जाएंगे। इसके लिए लोग अभी रजिस्ट्री करा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने पीएम सूर्य योजना शुरू की है। सोलर पैनल आपके घर की छत पर लगेंगे। सोलर पैनल से जो बिजली बनेगी वह आपके काम आएगी। जो बिजली बचेगी वह सरकार खरीदेगी।बिहार के कराकत में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस और आरजेडी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, दशकों तक इनकी पूरी राजनीति डरो और डराओ के मंत्र पर चली है। लेकिन मोदी ने इनके डर का गुब्बारा फोड़ दिया है। हालत यह है कि मोदी उनके डर को भी डराता है। पीएम मोदी ने कहा, चार जून की शाम होते-होते बिहार में आरजेडी वाले कहेंगे कि कांग्रेस ने लुटिया डुबो दी। कांग्रेस का शाही परिवार पराजय का ठीकरा खड़गे जी के सिर पर फोड़ करके विदेश में छुट्टियां मनाने चला जाएगा। इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस-आरजेडी और इंडी गठबंधन को देश बार-बार नकार चुका है। इनके पास विजन नहीं है, इनके पास सिर्फ कन्फ्यूजन है। इनके पास हौसला नहीं है, सिर्फ हताशा भरी पड़ी है। इनके पास नीति नहीं है, निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। ये सिर्फ नाकारापन लेकर जी रहे हैं। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, डरपोक कांग्रेस और डरपोक आरजेडी वाले कहते हैं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है इनसे डरो। इसलिए पाकिस्तान के आतंकी जब चाहे भारत पर हमला करके चले जाते थे। मोदी इनकी तरह डरता नहीं है। मोदी ने सेना को कहा कि जाओ घर में घुस करके मारो। आज पाकिस्तान कुछ करने से पहले 100 बार सोचता है। पीएम मोदी ने कहा, मैं आज बिहार के लोगों को एक और गारंटी दे रहा हूं कि जिन्होंने बिहार के गरीबों को लूटकर नौकरी के बदले जमीन लिखवाई है, कान खोल के सुन लो उनका भी जेल जाने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। ये जैसे ही हेलीकॉप्टर में चक्कर मारने का समय पूरा होगा, जेल का रास्ता तय हो जाएगा। बिहार को लूटने वालों को एनडीए सरकार छोड़ेगी नहीं, ये मोदी की गारंटी है।बक्सर की चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री ने कहा, बिहार ने बहुत साल तक जंगलराज का आंतक देखा। इन लोगों ने बिहार की पीढ़ियां बर्बाद कर दीं। कब किसके बच्चे का अपहरण हो जाए, फिरौती के लिए फोन आ जाए, लोगों की हर वक्त जान अटकी रहती थी। कब आरजेडी के गुंडे व्यापारियों से फिरौती की मांग कर लें, इस खौफ में कितनी पीढ़ियां गुजर गईं। कितने लोग बिहार छोड़कर पलायन कर गए। यहां उद्योग बंद हो गए, रोजगार नहीं बचा। वही लोग फिर से वोट मांगने की बेशर्मी दिखा रहे हैं। आज नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अंधेरे से निकलकर विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है। बक्सर के लोगों को इलाज के लिए बनारस जाना पड़ता था। हम यहां बक्सर में ही मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं। बनारस में बहुत बड़ा कैंसर अस्पताल बनाया गया है, अब किसी मरीज को दिल्ली-मुंबई नहीं भागना पड़ेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडी वाले कहते हैं कि उन्हें वोट चाहिए, वो सीएए को रद्द करना चाहते हैं। वे घुसपैठिए को फ्री-एंट्री कराना चाहते हैं, कश्मीर में 370 वापस लाना चाहते हैं। सीमाओं पर इन्हें बिहार के बेटों का खून बहाना है। ये अपने वोटबैंक के लिए कुछ भी कर सकते हैं। इन्हें आपकी संपत्तियों की एक्सरे जांच करवानी है। कांग्रेस कहती है कि देश की सम्पत्ति पर पहला हक मुस्लिमों का है। ये आपकी संपत्ति मुस्लिमों को देना चाहते हैं। बक्सर रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह पीएम बनाने का चुनाव है। बीते 10 साल से आपने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। दूसरी ओर इंडी गठबंधन के लोगों में पीएम पद पर कौन होगा, यह तय नहीं है। इंडी गठबंधन की पार्टियों में सिर फुटव्वल हो रहा है। गठबंधन वाले कह रहे हैं कि पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बनेंगे। इतना बड़ा देश ऐसे नहीं चल सकता है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पांच चरण का चुनाव हो चुका है, छठे चरण का चल रहा है। इससे यह रिपोर्ट आ रही है कि सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है। बिहार के शहजादे अब आराम से जमानत और अमानत का काम देखेंगे। कांग्रेस के शहजादे ने भी छुट्टियों की तैयारी शुरू कर दी है। एक यूपी के शहजादे भी हैं, उन्हें तो शायद सदमा लग गया होगा। वे कल कह रहे थे कि बनारस में मोदी चुनाव हारने वाला है। यह भी कहा कि यूपी में सभी 80 सीटें इंडी गठबंधन जीत रहा है। उनकी पार्टी के लोग जो सुन रहे थे वो भी हंस रहे थे। पीएम ने कहा कि यह बार-बार साइकिल पंचर होने का सदमा है, या कांग्रेस वाले शहजादे की संगत का असर है।

यूपी में दंगे भी...

विरोधियों को खुलेआम गोलियों से भून दिया जाता था। दंगों को यूपी की पहचान बना दिया गया था। सपा की सरकार में हर महीने 2-3 दंगे होते थे, इसका नुकसान गरीबों को होता था। अब योगी आदित्यनाथ की सरकार में दंगे भी बंद हैं और दंगाई भी बंद हैं।वोट और सत्ता के लिए सपा और कांग्रेस कुछ भी कर सकते हैं। सपा के शहजादे ने कभी कहा था कि माफिया की इंट्री पर रोक लगाएंगे लेकिन उन्हें की गोद में बैठाया। उन्होंने माफियाओं को पाला-पोसा। इंडी गठबंधन में जितनी पार्टियां हैं उतने अवगुण हैं। वो घोर सांप्रदायिक, जातिवादी, परिवारवादी हैं। बाबा साहेब को कांग्रेस ने भारत-रत्न नहीं देने दिया था। दलित राष्ट्रपति को हराने के लिए एकजुट हो गए थे। इंडी गठबंधन के लोग दलितों और पिछड़ों का आरक्षण लूटने में लगे हैं। ये पासी, नोनिया, यादव, बिंद, कुर्मी, पटेल सबका आरक्षण छीनने में लगे हैं। कर्नाटक में रातों रात मुस्लिमों को आरक्षण दे दिया था। पिछड़ों का आरक्षण मुस्लिमों को दे दिया था। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने हमारे सेना के जवानों की तपस्या का मखौल उड़ाया था। उन्हें मूर्ख बनाने का भरसक प्रयास किया था। 2013 में भाजपा ने मुझे पीएम पद का प्रत्याशी बनाया तो हरियाणा में मैंने वन रैंक वन पेंशन लागू करने का ऐलान किया था। इससे कांग्रेस घबड़ा गई थी। कांग्रेस ने पूर्व सैनिकों का अपमान किया। गाजीपुर, यूपी या पूरा देश हो। परिवारवादी पार्टियों के नेता अपने परिवार के लिए महल पर महल बनाते गए। लेकिन, गांव गरीब, किसान वंचित लोग जीवन की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए परेशान रहे। मोदी ने दस साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले माफिया लाल बत्ती में घूमते थे। दंगों को यूपी की पहचान बना दिया गया था। इसका नुकसान व्यापारियों-कारोबारियों को होता था। सपा ने माफियाओं को पाला-पोसा, टिकट दिया। पीएम ने कहा कि सपा और कांग्रेस में कुछ आदतें मिलती हैं। पहला परिवारवादी, दूसरा जातिवादी और तीसरा भ्रष्टाचार। पीएम मोदी ने कहा आप याद करिए कांग्रेस कैसे सरकारें चलाती थी। ताड़ीघाट का शिलान्यास गहमरी बाबू ने कराया था। लेकिन छह दशक तक ये काम लटका रहा। इंडी पार्टियों की कितनी सरकारें आईं और चली गईं। लेकिन, पुल नहीं बना। ये पुल तब बना जब आपने मोदी को सेवा करने का मौका दिया। यह मेरा सौभाग्य था कि बाबू जी का सपना साकार किया और यहां आकर उद्घाटन किया। काम लटकाने और हक मारने में कांग्रेस को महारत हासिल हैं। कांग्रेस ने हमारे सेना के जवानों को वन रैंक व पेंशन नहीं लागू करने दिया था।पीएम मोदी ने कहा कि गाजीपुर के पुराने लोगों को पता है कि यहां के दर्द को गहमरी जी ने उठाया था। नेहरू जी को आंख में आंसू लिए बताया था कि कैसे यहां के लोग गोबर में गेहूं बीनकर खाते थे। कांग्रेस की सरकार में सियासी ड्रामे हुए, लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए पटेल आयोग बने लेकिन फाइल धूल फांकने लगे। लेकिन, हमारी सरकार हर गरीब को मुक्त राशन दे रही है। कोरोना के इतने बढ़े संकट में भी गरीबों के घर का चूल्हा नहीं बुझने दिया। मुक्त राशन के लिए लाखों करोड़ रुपये खर्च किया जा रहा है, ताकि किसी गरीब को परेशानी न उठानी पड़े।पीएम ने कहा ब्रिगेडियर उस्मान जैसे भी गाजीपुर की परंपरा और गाजीपुर का गांव यह नाम ही काफी है। हर घर से जहां जांबाज निकालते हों गाजीपुर के अलावा और किसे मिला होगा। मुझे आपके बीच कई बार आने का अवसर मिला है। संगठन का काम करता था या चाहे गुजरात का मुख्यमंत्री था या लोकसभा में चुनाव का समय हो विकास के काम हो आता हूं तो मुझे एक पुराना प्रसंग बार-बार याद आता है। यह प्रसंग इस बात का गवाह है कि कैसे इंडी गठबंधन वालों ने गाजीपुर के साथ विश्वासघात किया। आजादी के बाद कांग्रेस ने कसम खा ली थी यह क्षेत्र का विकास नहीं करेगी। यहां के लोग गरीबी में घूट-घूट कर जीने को मजबूर रहे। पुराने लोगों को पता होगा यहां की तकलीफ को। प्रधानमंत्री ने कहा, गाजीपुर के पावन धरती के लोगों के हमार प्रणाम बा। काशी वासियों के लिए गाजीपुर आना ऐसा ही है जैसे बगल के मोहल्ले में आ गए। अगर गाजीपुर वाला फोन करे तो काशी वाले बोलते हैं बस घर ही में हैं। मैं भी गाजीपुर प्रचार करने नहीं आया हूं, अपने माता-बहनों का और आप सबका आशीर्वाद लेने आया हूं। यह जो पूरे यूपी के साथ और गाजीपुर का सामर्थ्य क्या है, यह इतिहासकारों से ज्यादा देश की सीमाओं को पता है। यह पराक्रम और शौर्य की गाथाएं बताती हैं। गाजीपुर में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, गाजीपुर में विकास का कार्य, रेलवे के नए-नए मॉडल, वंदे भारत, नमो भारत अमृत भारत, नमो भारत के रूप में भारत बुलेट की स्पीड से बढ़ रहा है। गाजीपुर में कभी लोगों ने कल्पना नहीं की थी कि यहां मेडिकल कॉलेज होगा।

भारत के खिलाफ...

या यों कहें कि एक खास अधिकार प्रक्रिया है, जिसका बहुत अच्छा वर्णन हम खान मार्केट गिरोह के रूप में करते हैं। जयशंकर ने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय खान मार्केट भी है। ये लोग यहां के खुद को अधिकार सम्पन्न मानने वाले लोगों से जुड़े हुए हैं, उनके साथ सहज महसूस करते हैं, उन्हें जानते हैं, खुद को उनकी तरह ही मानते हैं।भारत विरोधी इकोसिस्टम पर वार करते हुए सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने कहा कि घेरलू खान मार्केट में बिक्री की कमी हो गई है, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय खान मार्केट को लगता है कि उसे आगे आकर इनलोगों की मदद करने की जरूरत है। केंद्रीय विदेश मंत्री ने कहा कि प्रेस और थिंक टैंक से लेकर प्रोफेसर तक शामिल हैं, जो भारतीय राजनीति की दिशा को अपने हिसाब से बदलना चाहते हैं। विभिन्न रैंकिंग में भारत को नीचे दिखाने की कोशिश को उन्होंने भारत को हतोत्साहित करने की मंशा करार दी। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे विदेशी मीडिया ने खुल कर कहा कि फलां नेता और पार्टी भारत के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और बड़े बहुमत से सत्ता में आएगी, दक्षिण भारत में सीटें दोगुनी होंगी।

भारत को बदनाम...

उसी तरह से इंटरनेशनल खान मार्केट गैंग भी है। इनके लोग आपस में जुड़े हुए हैं। विदेश मंत्री ने भारत विरोधी इकोसिस्टम पर कटाक्ष करते हुए कहा, भारत के खान मार्केट के पास मुद्दों की कमी हो गई है, अंतरराष्ट्रीय खान मार्केट गैंग को लगता है कि भारत के खिलाफ नकारात्मक छवि फैलाने के बाद भी उन्हें प्रोत्साहन और उन्हें समर्थन मिलेगा।जयशंकर ने कहा कि इस भारत विरोधी इकोसिस्टम में मीडिया, विश्वविद्यालय, थिंक टैंक भी शामिल हैं। लगातार कोशिश के जरिए भारत के मतदाताओं और यहां के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। चुनाव के दौरान ये कोशिश तेज हो जाती है, लेकिन यह लगातार चलती रहती है। इसकी भी एक पूरी व्यवस्था है, जिसके तहत पहले विदेशी मीडिया कोई मुद्दा उठाता है, जिसके बाद घरेलू मीडिया और फिर थिंक टैंक, फिर विश्वविद्यालय स्तर पर चर्चा होती है। विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्विक संतुलन कायम करने और खासतौर से एशिया को बहुध्रुवीय बनाने के लिए भारत का मजबूत रहना जरूरी है। भारत का बढ़ता प्रभाव यह सुनिश्चित करेगा कि विश्व व्यवस्था में संपूर्ण संतुलन स्वतंत्रता, खुलापन, पारदर्शिता और नियम आधारित व्यवस्था के पक्ष में बना रहे।जयशंकर ने कहा कि आज भारत उदाहरण पेश करने में विश्वास रखता है। भारत में चुनाव चल रहा है जो बताता है कि लोकतंत्र से भी बदलाव हो सकता है। यह देखा जा सकता है कि भारत किस तरह से सामाजिक-आर्थिक लाभों का प्रभावशाली तरीके से व्यापक तौर पर वितरण कर सकता है। कहीं प्राकृतिक आपदा होती है तो भारत सबसे पहले मदद पहुंचाने वालों में होता है। सौर ऊर्जा से लेकर जैव विविधता के मामले में भारत एक लीडर की भूमिका निभा रहा है।

ब्रह्मोस मिसाइल...

17 अप्रैल 2014 को विदेश मंत्रालय ने ब्रह्मोस के महाप्रबंधक (जीएम) को पत्र लिखा था, तब टीम फिलीपींस जाने वाली थी। विदेश मंत्रालय ने हिदायत दी कि बिना पॉलिटिकल क्लीयरेंस के वो फिलीपींस न जाएं। उस समय आरके अग्निहोत्री ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ थे। उन्हें ही विदेश मंत्रालय ने पत्र लिखा था। पत्र में लिखा था, सूचना मिली है कि ब्रह्मोस की टीम फिलीपींस जा रही है, लेकिन हमारे पास इसके पॉलिटिकल क्लीयरेंस संबंधित कोई दस्तावेज नहीं हैं।एक अन्य पत्र इंडिया इंडोनेशिया जॉइंट डिफेंस कॉर्पोरेशन की बैठक को लेकर लिखा गया था। उक्त बैठक 17-18 जून 2010 को हुई थी। इस दौरान इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल को नई दिल्ली में ब्रम्होस एयरोस्पेस का दौरा भी करना था। लेकिन कांग्रेस सरकार के दबाव में रक्षा मंत्रालय ने इस दौरे को रद्द करा दिया। इसका कारण बताया गया कि ब्रह्मोस के निर्यात को लेकर अभी राजनीतिक स्तर पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह पत्र ब्रह्मोस ऐरोस्पेस के तत्कालीन सीईओ ए सिवाथनु पिल्लई को केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारी डीके महापात्रा ने लिखा था। इस पत्र में लिखा गया था, हम इंडोनेशिया को गलती से ये इंगित करा रहे हैं कि हम ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात को लेकर तैयार हैं। 9 मई 2011 को भी एक पत्र भेजा गया जिसमें कहा गया था कि केंद्रीय विदेश मंत्रालय चुनिंदा देशों को ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात करने के पक्ष में है। इस पत्र में कहा गया था कि ब्रह्मोस मिसाइल के उत्पादन और विक्रय को लेकर रूस के साथ हुए करार को इस तरह से लागू किया जाना चाहिए जो किसी भी पक्ष की सुरक्षा और सैन्य-राजनीतिक हितों को नुकसान नहीं पहुंचाता हो। इसमें राष्ट्रीय कानूनों का ध्यान रखने की भी सलाह दी गई थी। हालांकि, अंत में इसमें भी आदेश दिया गया था कि मिसाइलों के निर्यात को लेकर जब तक निर्णय नहीं हो जाता तब तक ब्रह्मोस के निर्यात को लेकर कोई बातचीत न की जाए।तत्कालीन केंद्रीय विदेश सचिव निरुपमा राव ने कहा था कि हम ब्रह्मोस के पक्ष में हैं, लेकिन इसके निर्यात के लिए हमारे पास कोई नीति नहीं है। इस पत्र में भी लिखा गया है कि विदेश मंत्रालय इसके लिए नीति बनाने की ज़रूरत पर जोर देता है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के नियमों के पालन की बात से लेकर आतंकियों के हाथ में तकनीक जाने की आशंका भी जताई गई है, लेकिन इसका कोई निदान नहीं बताया गया है। सिर्फ निर्यात के लिए किसी भी बातचीत से मना किया गया है।ब्रह्मोस मध्यम रेंज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इसे सबमरीन, जहाज या फाइटर एयरक्राफ्ट से लॉन्च किया जा सकता है। इसके जमीन और जहाज से मार करने वाले वर्जन हैं। भारत के ब्रह्मपुत्र और रूस की नदी मॉस्का नदी के संयुक्त नाम पर इसका नाम ब्रह्मोस रखा गया है। अब 1500 किलोमीटर रेंज तक के ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन की तैयारी है। इसकी पहली टेस्ट फायरिंग जून 2001 में हुई थी। सितंबर 2010 में सुपरसोनिक स्पीड में टेस्ट की जाने वाली ये पहले स्टीप डाइव मिसाइल बनी।अप्रैल 2024 में भारत ने ब्रह्मोस की पहली सफल डिलीवरी पूरी की। भारत और फिलीपींस के बीच इसे लेकर 375 मिलियन डॉलर (3114 करोड़ रुपए) की डील हुई थी। भारतीय वायुसेना के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से इसके पहले बैच की डिलीवरी पूरी की जा चुकी है। फिलीपींस अपनी सेना के आधुनिकीकरण की योजना के तहत ब्रह्मोस खरीद रहा है।4 खेप में ये मिसाइलें पहुंचाई गई हैं, हर खेप में 3 लॉन्चर और 290 किलोमीटर रेंज की 3 मिसाइलों के अलावा प्रत्येक लॉन्चर के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म दिया जाता है।

राजकोट के गेम...

इसके बाद फायर कंट्रोल रूम को शाम करीब 4:30 बजे इसकी सूचना मिली। फायर टेंडर और एंबुलेंस आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे। आग के कारण ढांचा ढह गया और मलबा हटाया जा रहा है। राजकोट कलेक्टर प्रभाव जोशी ने कहा कि प्रभावित टीआरपी गेम जोन बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि गर्मी की छुट्टी और सप्ताहांत के चलते गेम जोन में काफी भीड़ थी। इस घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राजकोट में गेम जोन में आग लगने की घटना में नगर निगम और प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य के निर्देश दिए गए हैं। घायलों के तत्काल इलाज की व्यवस्था को प्राथमिकता देने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने घायलों और मृतकों के प्रति संवेदना जताई है। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की। उन्होंने कहा की राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देगी। साथ ही उन्होंने कहा कि इस हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। उसे पूरे मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर राजकोट में आग लगने की घटना पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने बचाव और राहत प्रयासों के बारे में जानकारी लेने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से बात की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राजकोट में आग की त्रासदी ने हम सभी को दुखी किया है। कुछ समय पहले टेलीफोन पर हुई बातचीत में, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल जी ने मुझे प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। इस घटना से बेहद व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गेम जोन में कई जगह मरम्मत और रेनोवेशन का काम चल रहा था। बड़ी संख्या में प्लाई के टुकड़े और लकड़ियां फैली हुई थीं। आग लगते ही ये भी उसकी चपेट में आ गए और 30 सेकंड के अंदर आग पूरे गेम जोन में फैल गई। आग से पूरा गेम जोन जलकर खाक हो गया है। हालांकि अभी आग लगने की वजहों का पता नहीं चल सका है। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया जा सका। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के शव बुरी तरह से झुलस गए हैं। इसके चलते अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

छठे चरण में...

आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में 55.24, हरियाणा में 59.63, झारखंड में 63.76, दिल्ली में 57.67 और ओडिशा में 69.32 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पश्चिम बंगाल के कुछ मतदान केन्द्रों और जम्मू-कश्मीर में पुंछ क्षेत्र में एकआध स्थान पर कुछ गुटों के बीच हल्की झड़प की घटनाओं को छोड़कर सभी जगह मतदान शांतिपूर्ण रहा। पश्चिम बंगाल में आदिवासी बहुल झारग्राम इलाके में मतदाताओं के दो गुटों में झड़प हुई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा गया कि मतदान केन्द्र पर मौजूद केन्द्रीय बलों ने उपद्रवियों को खदेड़ा।छठे चरण में विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में मतदान प्रतिशत इस प्रकार रहा.....

राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश	मतदान प्रतिशत
बिहार	55.24
हरियाणा	59.63
जम्मू-कश्मीर	54.06
झारखंड	63.76
दिल्ली	57.67
ओडिशा	69.32
उत्तर प्रदेश	54.03
पश्चिम बंगाल	79.30

चुनाव आयोग के अनुसार, दिल्ली की सातों सीटों पर मतदान प्रतिशत इस प्रकार रहा.... राजधानी दिल्ली में औसतन 57.67 प्रतिशत मतदान हुआ था। राजधानी की उत्तर-पूर्व दिल्ली संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक 62.87 प्रतिशत मतदान हुआ, नयी दिल्ली संसदीय सीट में सबसे कम 52.93 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चांदनी चौक में 58.06 प्रतिशत, पूर्वी दिल्ली में 57.83, उत्तर-पश्चिम दिल्ली में 56.75 प्रतिशत, दक्षिण दिल्ली में 55.15 प्रतिशत और पश्चिम दिल्ली में 58.28 प्रतिशत मतदान हुआ।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन, स्थानीय डच क्लब से मुकाबला हारी

नई दिल्ली, 25 मई (एजेंसियां)।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मौजूदा यूरोप दौरे के तीसरे मैच में स्थानीय डच क्लब ब्रेडासे हॉकी वेरेनिजिंग पुश से 495 से हार गई। पहले मैच में पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज करने के बाद भारत को बेल्जियम की जूनियर टीम ने पिछले मैच में 3-2 से हराया था।

कप्तान रोहित (18वां मिनट), सौरभ आनंद कुशवाह (24वां मिनट), अंकित पाल (32वां मिनट) और अर्शदीप सिंह (58वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। मेजबान क्लब ने हालांकि आक्रामक शुरुआत करके पहले ही मिनट में गोल दाग दिया और दूसरे मिनट में बढ़त दोगुनी कर ली।

भारत को दूसरे क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर रोहित ने गोल किया। भारत की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी क्योंकि डच क्लब ने फिर पेनॉल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया। सौरभ ने पेनॉल्टी कॉर्नर पर गोल करके अंतर कम करने का प्रयास किया। ब्रेक के बाद दूसरे ही मिनट में अंकित ने गोल किया लेकिन डच टीम ने 42वें मिनट में गोल करके फिर बढ़त बना ली। अर्शदीप ने 58वें मिनट में गोल करके स्कोर 4-4 कर दिया। डच टीम ने आखिरी मिनट में गोल करके जीत दर्ज की। भारतीय टीम अब 28 मई को मोंशेंग्लाबाख में जर्मनी से खेलेगी।

भारतीय महिला टीम प्रो लीग में दूसरा मैच हारी - भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में लगातार दूसरी पराजय झेलनी पड़ी और इस बार उसे बेल्जियम ने 2-0 से हराया। नए कोच हरेंद्र सिंह और कप्तान सलीमा टेटे के साथ भारतीय महिला टीम को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 5-0 से हराया था। बेल्जियम के लिए दोनों गोल मैदानी थे जो 34वें मिनट में अलेक्सिया टी सरस्टेवेंस और दो मिनट बाद डेवाएट लुईस ने किए। भारत को अब बेल्जियम से खेलना है।

न्यूज ब्रीफ

मुक्केबाज सचिन सिवाच की जीत से शुरुआत, पहले दौर में मुकुका को हराया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चैंपियन सचिन सिवाच ने दमदार प्रदर्शन करते हुए इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर में शानदार शुरुआत की। सिवाच ने 57 किग्रा वर्ग के पहले दौर में न्यूजीलैंड के एलेक्स मुकुका पर जीत दर्ज की। स्ट्रैंड्जा मेमोरियल के स्वर्ण पदक विजेता सिवाच ने पूरे मुकाबले के दौरान दबाव बनाए रखा और 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से भारत को जीत से शुरुआत कराई। सिवाच ने पहले ही राउंड में अपनी इरादे जाहिर कर दिए और आक्रामकता बरतते हुए मुकाबले में नियंत्रण बनाया। दूसरे राउंड में मुकुका की वापसी की उम्मीद टूट गई क्योंकि भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में जरा भी बदलाव नहीं किया। दो राउंड आराम से अपने नाम करने के बाद सिवाच ने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। सीनियर राष्ट्रीय कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव से भिड़ेंगे। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) और 2022 एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92+ किग्रा) को अपने-अपने वजन वर्ग में बाई मिला है। भारत ने दूसरे विश्व क्वालीफायर में सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज उतारे हैं और सभी मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक में स्थान पक्का करने के लिए सेमीफाइनल में जगह बनानी होगी।

भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम को मिली बड़ी सफलता, विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली। ज्योति सुरेखा वेन्नम और प्रियांश की भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम जोड़ी ने तीरंदाजी विश्व

कप के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। इनके अलावा दीपिका कुमारी ने भी बेहतरीन वापसी करते हुए व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। कंपाउंड महिला टीम फाइनल में पहुंच गई थी। ज्योति, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने भारत का पहला पदक पक्का कर दिया था। ज्योति और प्रियांश ने वियतनाम को 159-152 से हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त मेक्सिको को 156-155 से मात दी। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर रही दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका ने लगातार चार जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। वह रिकर्व वर्ग में अकेली भारतीय बची हैं। उनका सामना दुनिया की नंबर दो तीरंदाज दक्षिण कोरिया की लिम सिहयिओन से होगा जिसने शंघाई में पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। दीपिका ने पहले दौर में स्लोवेनिया की टिंकारा कार्डिनार को शूटआफ में हराया था। इसके बाद वियतनाम की लोक थि दाओ को 6-2 से, फ्रांस की लिसा बारबेलिन को 6-0 से, तुर्किये की एलिफ बेरा गोकिर को 6-4 से हराया। रिकर्व वर्ग के अन्य व्यक्तिगत मुकाबलों में भजन कौर पहले दौर में हार गईं, जबकि अंकिता भकत को दूसरे दौर में पराजय झेलनी पड़ी। पुरुष वर्ग में तरुणदीप राय और मृणाल चौहान पहले दौर में हार गए, जबकि धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव को दूसरे दौर में पराजय मिली।

सिंधू ने शीर्ष वरीय हान को किया पराजित सेमीफाइनल में बनाई जगह

क्वालालंपुर। विश्व नंबर 15 पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने शीर्ष वरीय चीन की हान यू को हराकर न सिर्फ उनसे

पिछली हार का बदला लिया बल्कि मलयेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने 55 मिनट के संघर्ष में हान को 21-13, 14-21, 21-12 से पराजित किया। वहीं, एक अन्य भारतीय अश्मिता चालिहा का अब तक का शानदार सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें एक अन्य चीनी शटलर छठी वरीय झांग यी मान के हाथों 10-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। साल 2022 में सिंगापुर ओपन के रूप में अंतिम बीडब्ल्यूएफ टूर का खिताब जीतने वाली सिंधू को पिछले मुकाबले में हान के हाथों इस वर्ष निंगबो में हुई एशियाई चैंपियनशिप में हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ उनका हान के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 6-1 हो गया है। सिंधू सेमीफाइनल में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से भिड़ेंगी। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमावर्दनी को 21-12, 21-23, 21-16 से हराया। पिछले साल अक्टूबर में लगी घुटने की चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए हैदराबाद की 28 साल की सिंधू शीर्ष फॉर्म हासिल करने में नाकाम रही हैं। पांचवीं वरीय सिंधू ने हान के खिलाफ अच्छी शुरुआत करते हुए गेम के ब्रेक में 11-5 की बढ़त बनाई, लेकिन हान ने स्कोर 13-16 कर दिया।

कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालिफायर के लिए भारतीय टीम का ऐलान, छेत्री का आखिरी मैच

कोलकाता, 25 मई (एजेंसियां)।

कुवैत के खिलाफ छह जून को होने वाले विश्व कप क्वालिफाइंग मैच के लिए भारत की 27 सदस्यीय फुटबाल टीम का एलान कर दिया गया है जिसमें फॉरवर्ड पार्थिब गोगोई और डिफेंडर मोहम्मद हम्माद चोट के कारण बाहर हैं। भारत और कुवैत के बीच मुकाबला कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा।

अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। छेत्री ने भारत के लिए सर्वाधिक 94 गोल किए हैं। यह उनका 151वां मैच होगा। भारतीय टीम जीत के साथ उन्हें विदा करना चाहेगी। छेत्री के संन्यास से भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत हो जाएगा। वह 2011 से टीम इंडिया के कप्तान हैं। बाइचुंग भूटिया के संन्यास लेने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया था। तब से अब तक वह यह जिम्मेदारी संभालते नजर आए हैं।

हालांकि, 39 साल की उम्र में भी अभी वह काफी फिट दिखते हैं और पिछले दो साल में कई रिकॉर्ड को धराशाई किया है। ऐसा कहा जा रहा था कि छेत्री ने बढ़ती उम्र, फिटनेस और थकान की वजह से संन्यास लिया है। अब छेत्री ने इन सभी रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए खुद ही संन्यास के पीछे की वजह का खुलासा किया है। छेत्री ने कहा है- संन्यास के फैसले के पीछे शारीरिक कारण नहीं, बल्कि मानसिक पहलू है। मैं अभी भी फिट हूं।

छेत्री ने कहा, संन्यास का फैसला शारीरिक कारणों से नहीं लिया। मेरी फिटनेस अच्छी है और अभी भी दौड़ रहा हूं। डिफेंड कर रहा हूं, मेहनत करना मुश्किल नहीं है। यह फैसला मानसिक पहलू को ध्यान में रखकर लिया है। छेत्री ने हालांकि मानसिक स्वास्थ्य के मसले पर ज्यादा कुछ नहीं बताया। मौजूदा दौर में विभिन्न खेलों में यह खिलाड़ियों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है। विराट कोहली समेत कई दिग्गज एथलीट्स के मानसिक स्वास्थ्य पर बात कर चुके हैं।

छेत्री ने कहा, मैं खुद से लड़ रहा था। समग्र रूप से सोचने की कोशिश कर रहा था और अचानक यह फैसला लिया। एक साल बेंगलुरू एफसी के लिए खेलूंगा। घरेलू फुटबॉल कब तक खेलूंगा इस बारे में पता नहीं है। उसके बाद ब्रेक लूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या बतौर खिलाड़ी करियर खत्म होने के बाद क्या अब वह वह कोचिंग के बारे में सोचेंगे छेत्री ने कहा, मैं कभी न नहीं कहूंगा। ब्रेक के दौरान इस पर सोचूंगा, लेकिन अभी यह मेरे एजेंडे में प्राथमिकता नहीं है।

भारतीय टीम

गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, विशाल कैथ। **डिफेंडर्स:** अमय रणवाडे, अनवर अली, जय गुप्ता, लालचुंगनुंगा, मेहताब सिंह, नरेंद्र , निखिल पुजारी, राहुल भेके, शुभाशीष बोस। **मिडफील्ड:** अनिरूद्ध थापा, ब्रेंडन फर्नांडिस, एडमंड लालरिंडिका, जैकसन सिंह , लालियांजुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, महेश सिंह नाओरेम, नंदकुमार शेखर, सहल अब्दुल समद, सुरेश सिंह। **फॉरवर्ड:** डेविड एल, मनवीर सिंह, रहीम अली, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।

सीबीआई ने पूर्व आईओए प्रमुख नरिंदर बत्रा के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला बंद किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने करीब दो साल की जांच के बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व अध्यक्ष नरिंदर ध्रुव बत्रा और हॉकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला बंद कर दिया है क्योंकि उसे गलत काम के सबूत नहीं मिले।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने जुलाई 2022 के मामले में एक एफआईआर दर्ज की थी जब उसकी तीन महीने लंबी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया बत्रा के खिलाफ आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से संबंधित संज्ञेय अपराध का संकेत देने वाली सामग्री पाई गई थी। हॉकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक आर के श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष राजिंदर सिंह और पूर्व महासचिव मोहम्मद मुश्ताक अहमद सहित कुछ अन्य अधिकारियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था। संपर्क करने पर बत्रा ने 'क्लोजर रिपोर्ट' (मामला बंद करने की रिपोर्ट) पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्हें घटनाक्रम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बार-बार कोशिशों के बावजूद भी सीबीआई ने मामले को बंद करने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अधिकारियों ने कहा कि दो साल से अधिक की जांच के बाद सीबीआई को बत्रा, राजिंदर, अहमद और श्रीवास्तव के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिल सके। सीबीआई ने अब यहां एक विशेष अदालत के समक्ष इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। अदालत तय करेगी कि रिपोर्ट को स्वीकार कर मामले को बंद कर दिया जाए या एजेंसी को आगे की जांच करने का निर्देश दिया जाए।

टी-20 प्रारूप में बल्लेबाजों को रोकने के लिए यॉर्कर फेंके गेंदबाज : ब्रेट ली

सिडनी, 25 मई (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि आईपीएल में भी बल्लेबाजों ने आसानी से 200 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पता चलता है कि वे कितने हावी हैं।

ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकत हैं। साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये।

उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए। साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

गेंद और बल्ले में संतुलन लाने की जरुरत : गांगुली

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी गेंदबाजों की कमजोर हालत पर चिन्ता जतायी है। गांगुली कहा है कि इस आईपीएल सत्र में जिस प्रकार का खेल देखने को मिला है। उससे साफ पता चलता है कि बल्लेबाज हावी हैं और उन्हें रोकना गेंदबाजों के लिए असंभव होता जा रहा है। गांगुली ने कहा कि इसका कारण सपाट पिच होने के साथ ही 'इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाज का नियम भी है। इसलिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कोई ऐसा कोई तरीका खोजना होगा जिससे गेंद और बल्ले में संतुलन बनाया जा सके। गांगुली ने कहा कहा कि जिस प्रकार सभी टीमें आसानी से 200 रन से अधिक बना रही हैं।

पावो नूरमी खेल अगले माह, नीरज चोपड़ा का मुकाबला मैक्स से होगा

नई दिल्ली, 25 मई।

ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब जून में फिनलैंड में होने वाले पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे। इसमें नीरज का मुकाबला 18 जून को जर्मनी के मैक्स डेह्निंग से रहेगा। इसका कारण है कि डेह्निंग ने हाल ही में 90 मीटर से अधिके भाला फेंका था। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में जर्मनी के ही जूलियन वेबर से भी उन्हें चुनौती मिलेगी।

चोपड़ा नूरमी खेलों से पहले 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट में भी उतरेंगे। उन्होंने इससे पहले पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा है। वहीं उन्होंने पिछले साल फिट नहीं होने के कारण इस स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया था। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है। पावो नूरमी विश्व एथलेटिक्स की 'कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज स्तर की प्रतियोगिता है। इसके साथ ही यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है।

चोपड़ा एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में उतरने जा रहे हैं। यहां जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा। प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी। इन खेलों के आयोजकों ने कहा, 'हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले गर्मियों की सबसे कठिन भाला फेंक प्रतियोगिता को आयोजित करना है। इसके लिए दूसरे खिलाड़ियों के साथ बातचीत जारी है। इस साल फरवरी में डेह्निंग ने जर्मन विंटर थ्रोइंग चैंपियनशिप में 90.20 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर एक अहम उपलब्धि हासिल की थी।

मैदान के बाहर मेरी कार्तिक से काफी अच्छी बातें हुई: विराट कोहली

बेंगलूरू, 25 मई (एजेंसियां)।

आईपीएल मैच से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले दिनेश कार्तिक को भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने समझदार और ईमानदार व्यक्ति करार देते हुए कहा कि इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ने 2022 सत्र में उनका मनोबल बढ़ाया था, जब वह फॉर्म हासिल करने में जूझ रहे थे। कोहली ने आरसीबी द्वारा पोस्ट किये वीडियो में कहा, 'मैदान के बाहर मेरी उनसे काफी अच्छी और दिलचस्प बातें हुई हैं।

वह बहुत समझदार व्यक्ति हैं और उन्हें सिर्फ क्रिकेट नहीं बल्कि काफी चीजों की अच्छी जानकारी भी है। लगभग 11 मिनट के इस वीडियो में कार्तिक पत्नी दीपिका पल्लीकल कार्तिक, उनके व्यक्तिगत मेंटोर अभिषेक नायर, आरसीबी के सहायक कोच मालोलान रंगराजन और फिटनेस कोच शंकर बासु के विदाई संदेश हैं। कोहली ने 2022 सत्र को याद किया जिसमें उन्होंने 16 मैच में महज 22.73 के औसत से 341 रन बनाए थे, तब दूसरे क्वालीफायर में आरसीबी राजस्थान रॉयल्स से हारकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गयी थी।

कोहली ने कहा, 'मैंने हमेशा उनके साथ बातचीत का आनंद लिया है। 2022 में भी उस चरण में जब मेरा आईपीएल सत्र इतना अच्छा नहीं रहा था तो मेरा आत्मविश्वास भी डगमगाया हुआ था। उन्होंने कहा, 'वह दो तीन दफा मेरे साथ बातचीत के लिए बैठे और ईमानदारी से मुझे बताया कि उन्हें चीजें कैसी दिख रही हैं क्योंकि शायद मैं खुद इन चीजों को अच्छी तरह नहीं देख पा रहा था। आईपीएल के अनुभवी कार्तिक शुरूआती 2008 आईपीएल से सभी चरण में खेले हैं, उन्होंने छह फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 257 मैच में 22 अर्धशतक से 4,842 रन बनाए। कोहली ने कहा, 'मुझे उसकी ईमानदारी और साहस बहुत पसंद हैं, वह जो महसूस करता है, इसके बारे में किसी से भी बात कर सकता है। मुझे लगता है कि दिनेश की यह चीज मेरे लिए काफी विशेष है।

रसेल ने कहा, नरेन अपने फैसले पर फिर विचार करें

चेन्नई। सुनील नरेन आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण एक बार फिर सबके आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने कहा है कि सुनील नरेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संन्यास से वापसी नहीं करने के अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये। रसेल का मानना है कि वह ऐसे खिलाड़ी है जिसकी कमी टीम को खल रही है। रसेल ने कहा कि नारायण संन्यास से वापसी कर टीम को जीत दिलाने में सहायता कर सकते हैं। नरेन ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय 2019 में खेला था। नारायण ने आईपीएल के इस सत्र में अपनी गेंद और बल्ले से कमाल के प्रदर्शन से 13 मैचों में 1 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 482 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 179.85 का रहा है। नारायण ने इसके साथ ही 22 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। उन्होंने बड़े स्कोर वाले इस आईपीएल सत्र में 7 से कम के इकॉनोमी रेट से रन खर्च किए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए पाकिस्तान का स्क्वॉड घोषित

इमाद वसीम और मोहम्मद आमिर की वापसी, बाबर करेंगे कप्तानी

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। 1 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की कप्तानी बाबर आजम करेंगे।

स्क्वॉड के 15 खिलाड़ियों में से, अबरार अहमद, आजम खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, सईम अयूब और उस्मान खान के लिए यह पहला वर्ल्ड कप होगा। जबकि मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम की वापसी हुई है। दोनों आखिरी बार 2016 और 2021 के वर्ल्ड कप में में दिखाई दिए थे।

हारिस रऊफ पूरी तरह फिट- पीसीबी

पीसीबी ने जारी रिलीज में कहा, यह बेहद प्रतिभाशाली और संतुलित टीम है जिसमें युथ और अनुभव का मिक्स है। ये खिलाड़ी पिछले कुछ समय से एक साथ खेल रहे हैं और वर्ल्ड कप के लिए तैयार दिख रहे हैं।

पीसीबी ने आगे कहा, हारिस रऊफ पूरी तरह से फिट हैं और नेट्स पर अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। अच्छा होता अगर उसे हेडिंग्ले में मैच खेलने का मौका मिलता, लेकिन हमें विश्वास है कि वह आगामी मैचों में वे खेलेंगे, क्योंकि टी-20 वर्ल्ड कप में अन्य स्ट्राइक बॉलर्स के साथ उसकी भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। तीन महीने पहले कंधे में चोट के कारण रऊफ चोटिल हो गए थे।

पाकिस्तान एक बार कप जीता

साल 2007 में साउथ अफ्रीका में पहले वर्ल्ड कप के फाइनल खेलने के बाद से पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप की सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक रही है। टीम ने यूनिस खान की कप्तानी में 2009 का वर्ल्ड जीता और दो बार शोएब मलिक (2007) और बाबर आजम (2022) के नेतृत्व में फाइनल में पहुंचा। 2010, 2012 और 2021 में टीम ने नॉकआउट में जगह बनाई थी।

पाकिस्तान का 15 सदस्यीय स्क्वॉड

बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, सईम अयूब, फखर जमान, उस्मान खान, आजम खान, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद आमिर, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, अब्बास अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद।

भारत और पाकिस्तान के सभी लीग मैच अमेरिका में होंगे

टी-20 वर्ल्ड कप में 5-5 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। इसी ग्रुप में आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका भी हैं। भारत और पाकिस्तान अपने सभी मैच अमेरिका में ही खेलेंगे। भारत के दो मुकाबलों के टिकट सोल्ड आउट हो चुके हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान मैच के अलावा भारत-कनाडा मुकाबला भी शामिल है। भारत के शुरुआती 3 मैच न्यूयॉर्क में खेले जाएंगे। चौथा मैच फ्लोरिडा में होगा।

सीपीईसी के दूसरे चरण की शुरुआत के लिए चीन जाएंगे पाक के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, अगले माह करेंगे दौरा

इस्लामाबाद, 25 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द ही चीन के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत में शामिल होंगे। पाकिस्तानी मीडिया की मानें तो शरीफ जून के शुरुआती सप्ताह में बीजिंग के दौरे पर जाएंगे।

पाकिस्तानी पीएमओ ने बताया कि शहबाज चार जून को चीन के लिए रवाना होने वाले थे लेकिन अब तारीखों में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है। सीपीईसी के पहले चरण में बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परियोजनाओं का विकास शामिल था। वहीं, सीपीईसी के दूसरे चरण में, दोनों देश कृषि, पाकिस्तान रेलवे की मेन लाइन, व्यवसायियों से व्यवसायियों के बीच सौदे और काराकोरम राजमार्ग के पुनर्निर्माण आदि पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

शरीफ- चीनी अनुभवों का लाभ उठाना चाहते हैं

प्रधानमंत्री शरीफ ने चीनी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम अपने आईटी क्षेत्र और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए चीनी अनुभवों का लाभ उठाना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। चीन ने हर कठिन समय में हमेशा पाकिस्तान की मदद की है। पूरा देश चीनी नेतृत्व और चीनी लोगों का आभारी है। पाकिस्तान ने चीनी कंपनियों को आश्वस्त किया कि चीनी श्रमिकों और नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कृषि क्षेत्र के लिए पाक ने चीन को किया आमंत्रित

शरीफ ने बैठक में आगे कहा कि पाकिस्तान एक कृषि प्रधान देश है। वह इस क्षेत्र में चीन की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना चाहते हैं। उन्होंने चीनी कंपनियों को पाकिस्तान के इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड ऑटो सेक्टर सहित अन्य क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

सीपीईसी कॉरिडोर का विरोधी है भारत

सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ता है। भारत इसका विरोध कर रहा है क्योंकि इसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के माध्यम से बनाया जा रहा है। सीपीईसी को लेकर एक बार जयशंकर ने कहा था कि मुझे लगता है कि तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर एससीओ की बैठक में एक बार नहीं बल्कि दो बार यह बहुत स्पष्ट कर दिया गया था कि कनेक्टिविटी प्रगति के लिए अच्छी है, लेकिन कनेक्टिविटी किसी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन नहीं कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

चुनाव से पहले ट्रंप के सार्वजनिक बयानों पर रोक लगाने की मांग, अभियोजक ने लगाए झूठे दावे करने के आरोप

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बयानों की वजह से परेशानी में घिरते जा रहे हैं। उनकी मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। संघीय अभियोजकों ने गोपनीय दस्तावेजों के मामले की देखरेख कर रहे न्यायाधीश से ट्रंप को सार्वजनिक बयान देने से रोकने के लिए कहा। उनका कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति के बयान अभियोजन पक्ष में भाग लेने वाले कानून प्रवर्तन एजेंटों के लिए खतरा पैदा करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में दावा किया था कि अगस्त 2022 में उनके मार-ए-लागो एस्टेट की तलाशी लेने वाले एफबीआई एजेंट उन्हें गोली मारना चाहते थे। एजेंट उन्हें मारने और उनके परिवार को खतरे में डालने के लिए पूरी तरह तैयार थे। इस दावे के बाद अमेरिकी जिला न्यायाधीश एलेन कैनन से ट्रंप को बयान देने से रोकने का अनुरोध किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप अदालती दस्तावेजों का हवाला दे रहे थे। उनका कहना था कि एफबीआई ने तलाशी के दौरान मानक बल प्रयोग नीति का पालन किया। हालांकि, अभियोजकों ने कहा कि यह नीति नियमित है और इसका उद्देश्य तलाशी के दौरान बल प्रयोग को सीमित करना है। तलाशी जानबूझकर तब की गई जब ट्रंप और उनका परिवार बाहर थे और इसे सीक्रेट सर्विस के साथ समन्वयित किया गया था। कोई बल प्रयोग नहीं किया गया। विशेष वकील जैक स्मिथ की टीम के अभियोजकों ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि ट्रंप के बयानों में यह झूठा दावा किया गया है कि संघीय एजेंट उनकी हत्या की साजिश में शामिल थे, जो कानून प्रवर्तन की पोल खोलता है। अभियोजकों ने कहा कि उनमें से कुछ को धमकियों, हिंसा और उत्पीड़न के जोखिम के बावजूद उनके मुकदमे में गवाह के रूप में बुलाया जाएगा। अभियोजकों ने कैनन से कहा, ट्रंप द्वारा तथ्यों को बार-बार गलत तरीके से प्रस्तुत करने से मामले की जांच और अभियोजन में शामिल कानून प्रवर्तन अधिकारियों को खतरा पैदा हो गया है और इन कार्यवाहियों की अखंडता को खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका ने फिर से यूक्रेन को दिया 27.50 करोड़ का सहायता पैकेज, एंटनी ने अमेरिकी समर्थन को दोहराया

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच, अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन के लिए नई सुरक्षा सहायता की घोषणा की है। इसमें गोला-बारूद, तोपखाना राउंड और हवाई युद्ध सामाग्री शामिल है। नया सुरक्षा सहायता पैकेज 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर का है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सुरक्षा सहायता की घोषणा करते हुए अमेरिकी समर्थन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सहायता कीव को मॉस्को के हमले को विफल करने में मदद करेगा। एक्स पर उन्होंने कहा कि आज संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन के बहादुर लोगों के समर्थन के लिए 27.50 करोड़ के हथियार और उपकरणों को देने की घोषणा कर रहा है। हम रूस की आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन के साथ खड़े हैं। बहादुर यूक्रेनी रूस की आक्रामकता के खिलाफ अपने देश की रक्षा कर रहे हैं। ब्लिंकन ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक पर हस्ताक्षर करने के बाद से यह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा अधिकृत पांचवां सुरक्षा सहायता पैकेज है। राष्ट्रपति ड्रॉडाउन प्राधिकरणों का उपयोग करने वाला तीसरा पैकेज है। जैसा कि राष्ट्रपति बाइडन ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका और हमारे द्वारा इकट्ठा किया गया अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन यूक्रेन की स्वतंत्रता की रक्षा में उसके साथ खड़ा है और खड़ा रहेगा। इससे पहले, 15 मई को भी अमेरिका ने यूक्रेन को मदद दी थी। दो दिवसीय कीव यात्रा के दौरान ब्लिकंन ने अपने अंतिम कार्यक्रम के दौरान कहा था कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन के लिए दो बिलियन अमेरिकी डॉलर, मध्यम और दीर्घकालिक विदेशी सैन्य वित्तपोषण पैकेज को मंजूरी दी है।

भारतीय मूल के ट्रक चालक को निर्वासित करने का आदेश, दुर्घटना में 16 खिलाड़ियों की ली थी जान

ओटावा। कनाडा में हम्बोल्ट ब्रोंकोस दुर्घटना मामले के आरोपी भारतीय मूल के ट्रक चालक जसकीरत सिंह सिद्धू को भारत निर्वासित करने का आदेश दिया गया। कैलगरी में आव्रजन और शरणार्थी बोर्ड की सुनवाई में यह फैसला लिया गया। ट्रक-बस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई थी और 13 लोग घायल हुए थे। जसकीरत सिंह सिद्धू को खतरनाक ड्राइविंग के आरोपों में दोषी ठहराया गया था। सिद्धू को इस मामले में आट साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। दुर्घटना से करीब एक महीने से भी कम समय पहेल उसने ये नौकरी ज्वाइन की थी। दुर्घटना छह अप्रैल 2018 को सस्केचेवान राजमार्ग-335 के चौराहे पर हुई थी। कनाडाई मीडिया के मुताबिक, कैलगरी के स्थायी निवासी सिद्धू ने हॉकी क्लब के खिलाड़ियों को ले जा रही बस को ट्रक से टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में 16 खिलाड़ियों की मौत हो गई ती। पिछले साल की शुरुआत में सिद्धू को पैरोल दी गई थी और कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी ने उसके निर्वासन की सिफारिश की थी।

टेक्सास के स्कूल में हुई गोलीबारी का मामला

बच्चों को खोने का मंजर नहीं भूले परिवार बंदूक निर्माता-इंस्टाग्राम के खिलाफ केस

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में गोलीबारी होना आम हो गया है। लेकिन टेक्सास के एक स्कूल में करीब दो साल पहले हुई गोलीबारी की घटना आज भी सभी के जहन में हैं। एक प्राथमिक विद्यालय में 18 साल के युवक ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर 21 लोगों की जान ले ली थी। हालांकि, पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में हमलावर को भी मार गिराया था। कई परिवार हैं, जो आज भी अपने बच्चों के जाने के गम में डूबे हैं। अब इस मामले में एक नया मोड़ आया है। जिन परिवारों ने अपने बच्चे खोए थे या घायल हुए थे, उन्होंने बंदूक बनाने वालों के साथ-साथ इंस्टाग्राम और वीडियो गेम कंपनी एक्टिविजन पर हथियार को बढ़ावा देने के लिए मुकदमा दायर किया है।

अब तक सिहरा रहा

24 मई 2022 की घटना का खौफनाक मंजर लोगों को अब तक सिहरा रहा है। दरअसल, स्कूल में बंदूक लेकर घुसने की पुलिस को सूचना साढ़े 11 बजे मिल गई थी। विद्यार्थियों के माता-पिता और रिश्तेदार उनकी चिंता में स्कूल के बाहर जमा हो गए थे। स्कूल से आने वाली हर आवाज उन्हें चौकन्ना करती और आंखें यह आशा लिए उस ओर घूम जातीं कि अपनों की सलामती की कोई खबर मिले। सूचना पर पुलिस भी पहुंच चुकी थी, लेकिन वह हालात का जायजा लेने में ही जुटी थी।

10 मिनट पहले फेसबुक पर दी थी सूचना

हत्यारे सल्वाडोर रामोस ने वारदात से 10 मिनट पहले फेसबुक पर इसकी सूचना दी थी। उसने कहा था कि वह प्राथमिक स्कूल में हत्याएं करने जा रहा है। हालांकि अब तक इस घटना के पीछे का मकसद सामने नहीं आया है। टेक्सास के उवाल्डे में एक प्राइमरी स्कूल में 18 वर्षीय शूटर ने एआर -15 शैली की राइफल से गोलीबारी कर 5 से 11 साल के 19 बच्चों समेत दो शिक्षकों को मार डाला था। दो शिक्षकों में एक इरमा गार्सिया नाम की शिक्षिका शामिल थी। उनके पति जो गार्सिया को इस घटना के बाद कथित तौर पर हार्ट अटैक आ गया था, जिससे उनकी मौत हो गई।

परिवारों ने कड़ा कदम उठाया

अब परिवारों ने इस घटना पर कड़ा कदम उठाया है। कंपनियों पर गलत तरीके से मौत और लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिवारों के वकील जोश कोस्कॉफ ने कहा कि बंदूक निर्माता डैनियल डिफेंस के साथ ही मेटा-स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम और माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले एक्टिविजन, जिनका कॉल ऑफ ड्यूटी वीडियो गेम है, ने हथियार को बढ़ावा दिया। ऐसे गेम और सोशल मीडिया एप से किशोर लड़कों को घटना को अंजाम देने का साहस मिलता है।

कोस्कॉफ ने जोर देकर कहा कि कंपनियों के आचरण और उवाल्डे में गोलीबारी के बीच एक सीधा संबंध था क्योंकि बंदूकधारी ने 18 साल की उम्र के तुरंत बाद हथियार खरीदा था। उन्होंने कहा कि उसकी हथियार खरीदने के लिए उम्र पर्याप्त थी। लेकिन इंस्टाग्राम, एक्टिविजन और डैनियल डिफेंस ने उसे बंदूक खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि इन तीन ने जानबूझकर उसे हथियार से अवगत कराया। उसे दिखाया कि उसकी सारी समस्याओं का हल एक ही है। साथ ही हथियार का इस्तेमाल करने के लिए उसे प्रशिक्षित किया।

एक्टिविजन ने दी सफाई

एक्टिविजन ने घटना पर दुख जताया। उसने कहा, घटना हर तरह से भयानक और दिल दहला देने वाली। दुनिया भर में लाखों लोग भयानक कृत्यों में बदले बिना वीडियो गेम का आनंद लेते हैं। हालांकि, मेटा और डैनियल डिफेंस ने फिलहाल इस पर कोई जवाब नहीं दिया।

चीन ने 62 विमानों और 27 जहाजों से ताइवान को घेरने की कोशिश की

ताइपे, 25 मई (एजेंसियां)। ताइवान के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि चीन के 47 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुसे।

चीन और ताइवान के बीच लगातार तनातनी चल रही है। चीन की सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि चीन की नौसेना के 27 युद्धक जहाज और 62 विमान ताइवान की सीमा के करीब देखे गए।

ताइवान में घुसे 47 विमान- ताइवान के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि चीन के 47 विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुसे। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है।

तटीय मिसाइलों प्रणालियों को तैनात किया- ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान के आसपास 62 चीनी सैन्य विमान और 27 नौसैनिक जहाज देखे गए। इतना ही नहीं 47 चीनी विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुसे। इसके जवाब में उसने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया।

कितनी बार घुसपैठ की कोशिश कर चुकी है चीनी सेना- अप्रैल में ताइवान में 40 बार चीनी सैन्य विमानों और 27 बार नौसैनिक जहाजों का पता लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2020 से चीन ने ताइवान के आसपास सक्रिय सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि करके ग्रे जोन रणनीति के अपने उपयोग को बढ़ा दिया है। गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। चीन के दबान के कारण सिर्फ 10 से अधिक देशों ने ताइवान को एक अलग देश के रूप में मान्यता दी हुई है।

बारीकी से निगरानी कर रहे- अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वह ताइवान जलडमरूमध्य और आसपास के क्षेत्रों में बीजिंग द्वारा दो दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू करने के बाद ताइवान के साथ बारीकी से निगरानी कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ताइवान जलडमरूमध्य और उसके आसपास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के संयुक्त सैन्य अभ्यास की खबरों पर चिंता जताई।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इजराइल को राफा पर हमले रोकने का दिया आदेश

बढ़ सकता है इजराइल पर राजनयिक दबाव

दी हेग, 25 मई। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों ने इजराइल को दक्षिणी गाजा शहर राफा पर सैन्य हमले रोकने का आदेश दिया। इजराइल के खिलाफ इस फैसले से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार पर अब और अधिक राजनयिक दबाव बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के फैसले को पढ़ते हुए अध्यक्ष नवाफ सलाम ने कहा कि मार्च में अदालत की ओर से दिए गए अनंतिम आदेश फलस्तीनी क्षेत्र की स्थिति को पूरी तरह से संबोधित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, इजराइल को राफा में अपने सैन्य आक्रमण तुरंत रोकना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका के वकीलों ने पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से याचिका दायर कर आपातकालीन उपाय लागू करने का अनुरोध किया था। एक सप्ताह बाद अदालत ने इजराइल को राफा में अपने आक्रमण को रोकने का आदेश देने के दक्षिण अफ्रीकी अनुरोध का समर्थन किया। आदेश के बाद अदालत के बाहर फलस्तीनी समर्थकों के एक छोटे समूह ने बूम बॉक्स पर रैप गाना बजाया और झंडे लहराकर मुक्त फलस्तीन का आह्वान किया।

इस्त्राइली सरकार के प्रवक्ता ने फैसले के बाद कहा कि पृथ्वी पर कोई भी ताकत इजराइल को अपने नागरिकों की रक्षा करने और गाजा में हमास के पीछे जाने से नहीं रोक पाएगी। बता दें कि इजराइल ने मामले में नरसंहार के आरोपों को बार-बार निराधार बताया है। विश्व अदालत में उसने तर्क दिया है कि गाजा में उसका सैन्य अभियान आत्मरक्षा और हमास आतंकवादियों के लिए है, जिन्होंने 7 अक्तूबर को इजराइल पर हमला किया था। इजराइल ने इस महीने दक्षिणी शहर राफा पर अपना हमला शुरू किया था।

अमेरिका का सनसनीखेज मामला: सीईओ से चार लाख डॉलर की धोखाधड़ी छिपाने के लिए शख्स ने कर दी उसकी हत्या!

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)। अमेरिका से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी सहायक पर अपने बॉस की बुरी तरह हत्या करने का मुकदमा चल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, निजी सहायक टायरिस हास्पिल के बचाव पक्ष का दावा है कि उसने अपने बॉस और टेक सीईओ फहीम सालेह से धोखाधड़ी से चार लाख डॉलर का गबन किया और उसके बाद अपराध को अंजाम दिया।

हास्पिल चोरी कर रहा था – रिपोर्ट में कहा गया है कि सालेह को पता चल गया था कि हास्पिल धोखाधड़ी से चोरी कर रहा है। उसने मामले को दबाना सही नहीं समझा और कार्रवाई की। इससे सालेह को हास्पिल से पैसे चुकाने की अनुमति मिल गई। उसने हास्पिल से पैसे चुकाने को कहा। हालांकि, सहायक लगातार कथित तौर पर चोरी करता रहा। इससे उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा।

हत्या की सोच-समझकर एक योजना बनाई- अभियोजकों का मानना है कि हास्पिल ने हत्या की सोच-समझकर एक योजना बनाई। पहले एक टेजर का इस्तेमाल किया। फिर शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। सबूत में एक सफाई उत्पाद टैग शामिल है जो हास्पिल द्वारा खरीदे गए एक टेजर से जुड़ा हुआ है और अपराध स्थल पर पाया गया है।

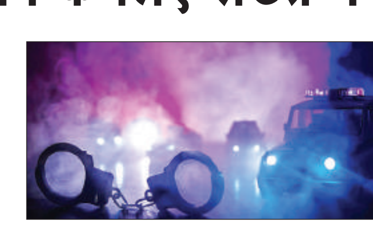

प्रेमिका को दिए उपहार-बचाव पक्ष लगातार यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि आरोपी का बचपन काफी दर्दनाक रहा है। हालांकि, इसपर अभियोजकों ने तर्क दिया है कि हास्पिल ने हत्या के कुछ दिनों बाद अपनी नई प्रेमिका को बहुत सारे उपहार दिए थे, जो चुराए गए धन से खरीदे गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, अगर हास्पिल का जुर्म साबित हो जाता है तो उसे आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। हालांकि, आरोपी का बचाव पक्ष इस कोशिश में लगा है कि वह भावानात्मक पहलू दिखाकर सजा थोड़ी कम करवा सके।

मैनहट्टन की सहायक जिला अटॉर्नी लिंडा फोर्ड ने अदालत को बताया, इस अवधि में, वह न केवल हत्या करने की योजना बना रहा था, बल्कि इससे दूर हो गया था। अपराध को छिपाने के लिए, अपने कर्ज को कैसे मिटाया जाए और फहीम सालेह को आपराधिक कार्यवाही में गवाही देने से कैसे रोका जाए, इन सबकी योजना बना रहा था।

ऐसे की हत्या-रिपोर्ट में कहा गया, हास्पिल ने खून के दाग साफ करने के लिए सफाई का सामान खरीदने के लिए सालेह के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया था। अभियोजकों ने जूरी को सालेह की हत्या कैसे की गई यह बताया। उन्होंने कहा कि मास्क पहने हास्पिल ने पहले सालेह को टेजर से मारा। एक दिन बाद उसके शरीर के टुकड़े करने से पहले उसे कई बार चाकू मारा। फिर सिर काट दिया। उन्होंने आगे बताया कि हास्पिल ने अपराध छिपाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी कोशिश नाकाम रही।

अमेरिका-मिस्र के राष्ट्रपतियों ने फोन पर की बात, गाजा में मानवीय संकट से निपटने के प्रयासों पर चर्चा

वॉशिंगटन, 25 मई (एजेंसियां)। हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमास को निशाना बनाने के लिए दक्षिणी गाजा में अपने सैन्य अभियान के साथ आगे बढ़ने के संकल्प के साथ ही इजराइल ने राफा पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इस युद्ध में अमेरिका लगातार इजराइल का साथ दे रहा है। अब राष्ट्रपति जो बाइडन ने मिस्त्र के अपने समकक्ष अब्देल फतह अल-सीसी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और गाजा में मानवीय संकट को दूर करने के लिए उनके निरंतर प्रयासों पर बात की।

इसके अलावा, बाइडन ने केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्त्र से संयुक्त राष्ट्र सहायता के भेजने की अनुमति देने की अल-सीसी की प्रतिबद्धता की सराहना की।

अगले सप्ताह काहिरा में भेजेगा टीम

व्हाइट हाउस के बयान के अनुसार, बातचीत के दौरान बाइडन ने मिस्त्र और इजराइल को स्वीकार्य व्यवस्थाओं के साथ राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके साथ ही आगे की चर्चा के लिए अगले सप्ताह काहिरा में एक वरिष्ठ टीम भेजने पर सहमति व्यक्त की।

बंधकों की रिहाई पर चर्चा

जो बाइडन ने एक्स पर कहा, आज मैंने मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से फोन पर बात की। इस दौरान बंधकों की रिहाई और गाजा में मानवीय सहायता भेजने पर चर्चा हुई। मैं केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्त्र से संयुक्त राष्ट्र सहायता भेजने की अनुमति देने के लिए उनकी सराहना करता हूं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मिस्त्र से गाजा में सहायता भेजने के प्रयासों के लिए अल-सीसी का आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने गाजा में तत्काल और निरंतर संघर्ष विराम के साथ बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए नई पहलों पर भी बातचीत की। दोनों पक्ष सीधे और अपनी वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा टीमों के माध्यम से नियमित संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

राष्ट्रपति अल-सिसी का धन्यवाद

व्हाइट हाउस ने बयान में कहा, बाइडन ने मिस्त्र और इजराइल दोनों के राफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने की कोशिश का समर्थन करने के लिए आभार जताया। दोनों देशों ने आगे की चर्चा के लिए अगले सप्ताह काहिरा में एक वरिष्ठ टीम भेजने पर सहमति व्यक्त की। राष्ट्रपति बाइडन ने मिस्त्र से गाजा में सहायता भेजने के लिए राष्ट्रपति अल-सिसी का एक बार फिर धन्यवाद किया।

सात माह से जंग जारी

हमास ने सात अक्तूबर को इस्त्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

9 साल का प्यार परिणय बंधन में बंधा: 100 का दूल्हा 102 साल की दुल्हन ने बनाया रिकार्ड

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक बुजुर्ग प्रेमी जोड़े ने शादी करके सभी को चौंका दिया है। सौ साल का दूल्हा और 102 साल की दुल्हन बीते 9 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। पेंसिल्वेनिया के मार्जोरी फिटरमैन और बर्नी लिटमैन ने एक बार फिर ये साबित कर दिखाया है। 102 साल की मार्जोरी फिटरमैन ने 100 साल के बर्नी लिटमैन के साथ शादी रचाई है और बेहद खुश हैं। आप जानकर हैरान होंगे कि दोनों 9 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। जब इन्होंने अपने परिवार को शादी करने के बारे में बताया, तो सब खुशी से झूम उठे। सबने मिलकर शानदार आयोजन किया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, सबसे उम्रदराज जोड़े की शादी का मौजूदा विश्व रिकॉर्ड ब्रिटेन के डोरेन और जॉर्ज किर्बी के नाम है, जिनकी 2015 में शादी हुई थी। उस वक्त दोनों की कुल उम्र 194 साल और 279 दिन थी। उस हिसाब से देखें तो मार्जोरी फिटरमैन और बर्नी लिटमैन 202 साल की उम्र में शादी की। सारा लिटमैन ने कहा, हमने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को इसे सबसे उम्रदराज शादी घोषित करने का प्रस्ताव भेजा है। हमें यकीन है कि हमारा प्रस्ताव स्वीकार किया जाएगा। लिटमैन की पोती सारा लिटमैन ने बताया कि जब उनके दादा ने शादी करने की इच्छा व्यक्त की तो परिवार आश्चर्यचकित था। लेकिन सब बेहद खुश थे। दादाजी चाहते थे कि शादी को कानूनी दर्जा दिया जाए, इसलिए उन्होंने 19 मई को शादी करने के बाद मैरेज रजिस्ट्रेशन भी कराया। हम वास्तव में खुश हैं कि हमारे दादाजी के साथ रहने के लिए कोई तो है। इस शादी के साथ वे सबसे उम्रदराज दूल्हा-दुल्हन बन गए हैं। लिटमैन ने कहा, मैं पुराने तौर तरीकों को ज्यादा पसंद करता हूं।

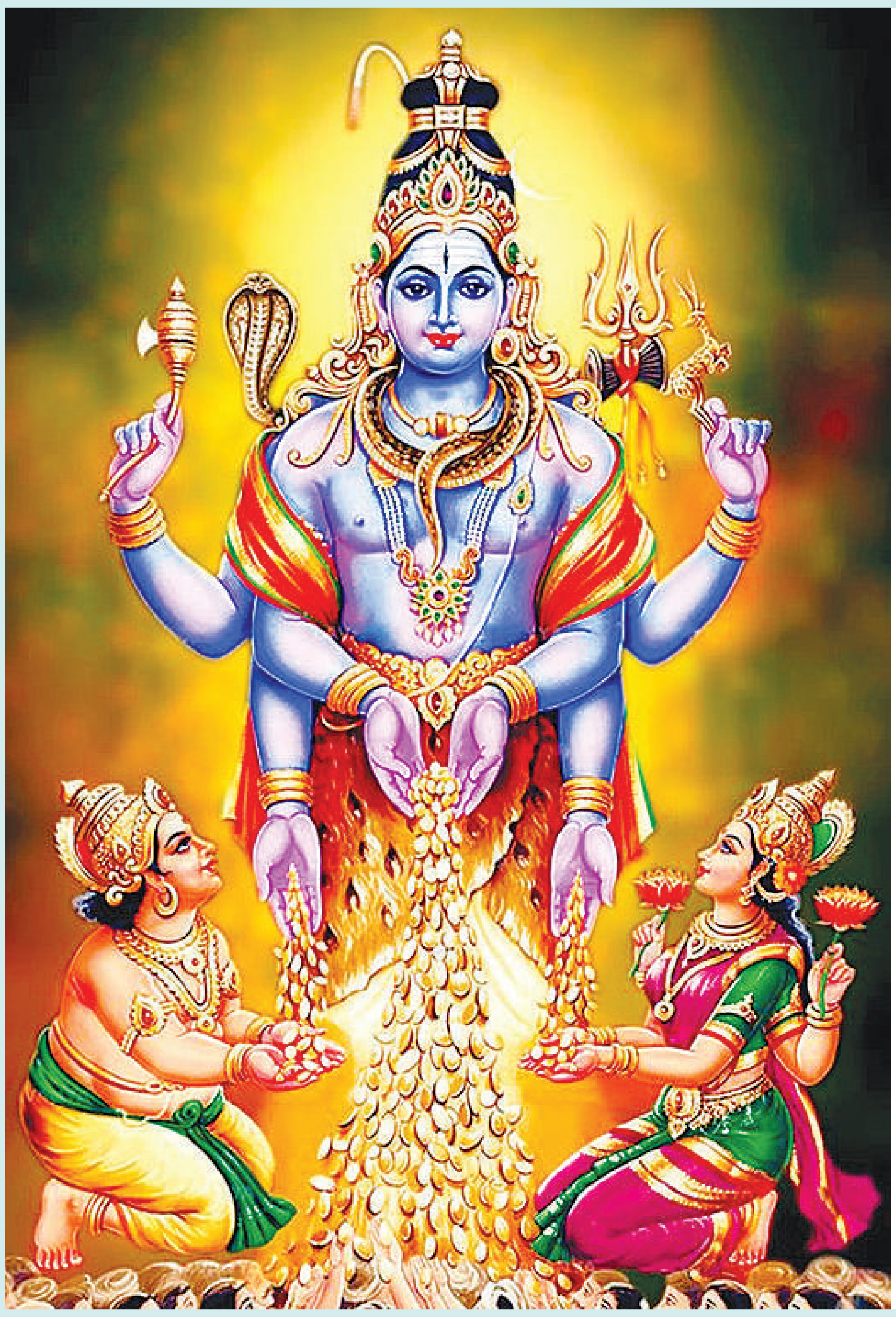

कालाष्टमी पर क्यों की जाती है काल भैरव की पूजा? जानें व्रत के नियम और मंत्र

हिंदू धर्म में कालाष्टमी पर्व का बेहद महत्व माना जाता है । कालाष्टमी हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र स्वरूप भगवान भैरव की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने और व्रत रखने से भैरव बाबा सदैव रक्षा करते हैं। इस साथ ही जातक के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। कालाष्टमी के दिन किए गए धार्मिक अनुष्ठान अत्यंत फलदायी माने जाते हैं। इस बार 30 मई, 2024 गुरुवार को कालाष्टमी की पूजा की जाएगी। ऐसे में आइए जानते हैं कालाष्टमी क्यों मनाई जाती है। साथ ही जानिए कालाष्टमी पूजा विधि और मंत्र के बारे में।

हिंदू धर्म में कालाष्टमी पर्व का बेहद महत्व माना जाता है । कालाष्टमी हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र स्वरूप भगवान भैरव की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने और व्रत रखने से भैरव बाबा सदैव रक्षा करते हैं। इस साथ ही जातक के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। कालाष्टमी के दिन किए गए धार्मिक अनुष्ठान अत्यंत फलदायी माने जाते हैं। इस बार 30 मई, 2024 गुरुवार को कालाष्टमी की पूजा की जाएगी। ऐसे में आइए जानते हैं कालाष्टमी क्यों मनाई जाती है। साथ ही जानिए कालाष्टमी पूजा विधि और मंत्र के बारे में।

क्यों मनाई जाती है कालाष्टमी?

भगवान काल भैरव को रक्षा, विनाश और परिवर्तन का देवता माना जाता है। कालाष्टमी पूजा करने से भगवान काल भैरव की कृपा प्राप्त होती है, जिससे भक्तों को नकारात्मक शक्तियों से रक्षा मिलती है। अन्याय और बुराईयों से मुक्ति मिलती है। जीवन में सफलता और समृद्धि प्राप्त होती है। भय और चिंता से मुक्ति मिलती है।

आध्यात्मिक ज्ञान और शक्ति प्राप्त होती है। ऐसा माना जाता है कि कालाष्टमी की पूजा करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। भक्त अपनी मनोकामनाओं को पूरा करने के लिए भी कालाष्टमी पूजा करते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कालाष्टमी पूजा करने से ग्रहों के दोषों से मुक्ति मिलती है। इस दिन भगवान काल भैरव की पूजा करने से रोगों से भी मुक्ति मिलती है और इस दिन किए गए व्रत और स्नान से व्यक्ति स्वस्थ और निरोगी रहता है।

कालाष्टमी पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। फिर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद पूजा स्थल को साफ कर सजाएं। फिर अपने घर के मंदिर में भगवान काल भैरव की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। फिर पंचामृत से काल भैरव का अभिषेक करें। दीपक जलाएं और अगरबत्ती लगाएं। भगवान काल भैरव को फूल, फल, मिठाई, पान और सुपारी अर्पित करें। भगवान काल भैरव से अपनी मनोकामना बोलें। फिर आरती करें। व्रत कथा पढ़ें। उसके बाद प्रसाद वितरित करें। व्रती अगले दिन अपना व्रत खोलें। जरूरतमंदों को दान करें, उन्हें भोजन खिलाएं।

कालाष्टमी व्रत के नियम

कालाष्टमी व्रत के दिन मांसाहार, मदिरा और लहसुन-प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या आदि नकारात्मक विचारों से बचना चाहिए। कालाष्टमी के पूरे दिन भगवान काल भैरव का ध्यान करना चाहिए।

कालाष्टमी के दिन इन मंत्रों का करें जाप

1. ओम भयहरणं च भैरव:
2. ॐ तीखदन्त महाकाय कल्पान्तदोहनम्। भैरवाय नमस्तुभ्यं अनुज्ञां दातुर्माहिसि
3. ॐ ह्रीं बं बटुकाय मम आपत्ति उद्धारणाय। कुरु कुरु बटुकाय बं ह्रीं ॐ फट स्वाहा
4. ॐ कालभैरवाय नम:

लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद जल-चरणामृत का क्या करें ?

आपने अक्सर लोगों को घर के मंदिर में लड्डू गोपाल की मूर्ति रखते हुए देखा होगा। भक्तों में उनके प्रति श्रद्धा भाव इतना ज्यादा होता है कि उनकी सेवा करने के साथ वो उन्हें अपने परिवार का सदस्य ही मानते हैं। लोग पूरे सच्चे मन के साथ लड्डू गोपाल का पूजन करते हैं। चाहे उन्हें स्नान करवाना हो, वस्त्र पहनाना हो, श्रृंगार करना हो या भोग लगाना हो। बता दें कि लड्डू गोपाल के पूजन में सबसे पहले जरूरी होता है स्नान। साधारण दिनों में लड्डू गोपाल को चरणामृत से स्नान करवाया जाता है और अक्सर लोगों को ये नहीं पता होता है कि भगवान को स्नान करवाए हुए चरणामृत का क्या करना चाहिए। जिसके चलते वे चरणामृत को यूं ही फेंक देते हैं लेकिन बता दें कि ऐसा करना अशुभ होता है। तो आइए जानते हैं लड्डू गोपाल को स्नान करवाने के बाद चरणामृत का क्या करना चाहिए-

सबसे पहले आपको बताते हैं चरणामृत होता क्या है ? जैसा कि चरणामृत के नाम से ही पता चलता है कि यह भगवान के चरणों का अमृत है। इस चरणामृत को भगवान शालिग्राम और लड्डू गोपाल को स्नान करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। गंगाजल और शुद्ध जल में तुलसी पत्र मिलाकर भगवान लड्डू गोपाल को स्नान करवाया जाता है। चरणामृत से लड्डू गोपाल का स्नान करने से जीवन के कई सारे दुख-दर्द मिट जाते हैं और जीवन में सुख-शांति आती है।

अब आपको बताते हैं लड्डू गोपाल को चरणामृत से स्नान करने के बाद इसका क्या करना चाहिए।

बता दें कि ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, भगवान को स्नान करवाने के बाद उस चरणामृत को स्वयं प्रसाद के रूप में ग्रहण कर लेना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति के मन, तन और आत्मा की शुद्धि होती है और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

आगे आपको बता दें कि आप लड्डू गोपाल को चरणामृत से स्नान करवाने के बाद इस चरणामृत को प्रसाद के रूप में लोगों में भी बांट सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान को लगाए गए भोग के अलावा उन्हें स्नान कराए हुए जल को भी प्रसाद के रूप में बांटने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और आपको पुण्य की प्राप्ति होती है। तो वही बताते चलें कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लड्डू गोपाल को कराए गए स्नान के चरणामृत को आप तुलसी, शमी या फिर केले पेड़ की जड़ में डाल दें। इससे भी आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है और साथ ही साथ घर में सुख-संपन्नता आती है।इसके अलावा धर्म शास्त्रों की मानें तो आप लड्डू गोपाल के स्नान करवाए हुए चरणामृत को अपने व्यापार, दुकान या फिर घर में भी छिड़क सकते हैं। इससे लड्डू गोपाल की अपार कृपा आप पर बनी रहती है और स्थान पवित्र हो जाता है।

नौतपा में आजमाएं हल्दी के ये उपाय, शिव जी होंगे प्रसन्न!

नौतपा, सूर्य के सिंह राशि में प्रवेश करने का काल, तीव्र गर्मी और ऊर्जा का समय होता है। ज्योतिष शास्त्र में यह अवधि 9 दिनों तक चलती है और इसे कठिन और चुनौतीपूर्ण माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नौतपा का लाभ उठाकर आप जीवन में सफलता की सीढ़ी चढ़ सकते हैं? जी हां, इस दौरान आप हल्दी से जुड़े कुछ चमत्कारी उपाय कर सकते हैं। इससे आपके भाग्य में वृद्धि होगी और आपके घर में सुख-शांति आएगी। बता दें कि हल्दी एक प्राचीन भारतीय मसाला, जो अपने औषधीय और धार्मिक गुणों के लिए जाना जाता है। वहीं नौतपा में सफलता प्राप्त करने में भी हल्दी आपकी मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कैसे।

नौतपा में हल्दी के उपाय

शिव पूजा

भगवान शिव को हल्दी प्रिय है। ऐसे में नौतपा में प्रतिदिन भगवान शिव का अभिषेक हल्दी मिले जल से करें। शिवलिंग पर हल्दी का लेप लगाकर, थोड़ी देर बाद इसे गंगाजल या दूध से धो लें। उसके बाद शिव मंत्र मॐ नमः शिवायफ का जाप अवश्य करें। ऐसा करने महादेव प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाएंगे।

गणपति पूजा

भगवान गणेश, विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता हैं। ऐसे में नौतपा में गणपति जी की प्रतिमा पर हल्दी का लेप लगाएं और फिर मॐ गण गणपते नमःफ मंत्र का जाप करें। उसके बाद बुद्धि और सफलता प्राप्ति के लिए भगवान गणेश से प्रार्थना करें।

हल्दी का तिलक

नौतपा में प्रतिदिन सुबह स्नान करने के बाद, माथे पर हल्दी का तिलक लगाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मकता लाने में मदद करेगा।

हल्दी वाला पानी

एक गिलास गुनगुने पानी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर रोजाना पिएं। इससे आपका शरीर शुद्ध होगा साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगा और आपको ऊर्जावान बनाएगा।

हल्दी और चंदन का लेप

हल्दी और चंदन का पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। उसके बाद इसे अपने माथे, दिल और नाभि पर लगाएं। फिर सूखने के बाद इसे धो लें।

हल्दी का धागा

अपनी कलाई पर हल्दी और लाल धागे का मिश्रण पहनें। यह आपको बुरी नजर से बचाएगा। इसके साथ ही आपके सभी बिगड़ते काम बनते चलेंगे और आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी।

पटना का अनोखा मंदिर! एक ही गर्भगृह में होती है 72 देवी-देवताओं की पूजा

इस भगवान की हैं 262 मूर्तियां

शहर के बीचों-बीच एक ऐसा मंदिर है, जहां गर्भगृह में एक या दो नहीं बल्कि 72 देवी-देवताओं की मूर्तियों की पूजा होती है। साथ ही शालिग्राम भगवान की 262 मूर्तियां भी मौजूद है। हम बात कर रहे हैं पटना के बाकरगंज स्थित भीखम दास ठाकुरबाड़ी की। यह पटना का इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां गर्भगृह में इतनी बड़ी संख्या में भगवान की मूर्तियों की रोज पूजा-अर्चना होती है। इस ठाकुरबाड़ी में रखी सारी चीजें ऐतिहासिक है और सैकड़ों साल पुरानी भी है। मंदिर के पुजारी विद्यार्थी जी की मानें तो यहां मौजूद शालिग्राम भगवान की मूर्तियां 500 साल से भी ज्यादा पुरानी है। इस मंदिर से जुड़े पूर्वजों ने देश के कोने-कोने से मूर्तियों को लाकर गर्भगृह में स्थापित किया, तभी से रोज पूजा-अर्चना और श्रृंगार होने लगा।

जगन्नाथ भगवान भी देंगे दर्शन

पुजारी विद्यार्थी जी बताते हैं कि इस दरबार में हनुमान, शंकर, नरसिंह भगवान, विष्णु भगवान, राधा- कृष्ण, राम-जानकी, जगन्नाथ भगवान, शालिग्राम भगवान, बिठल भगवान, लड्डू गोपाल सहित कई देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित है। संख्या की बात करें तो गर्भगृह में 72 विग्रह मूर्तियां हैं और शालिग्राम भगवान की 262 मूर्तियां हैं। सबके पहरेदार के रुप में गर्भगृह के आगे हनुमान जी मौजूद हैं। इसके अलावा इस ठाकुरबाड़ी में सैकड़ों साल पुराने शंखों का भी संग्रह है। यहां की हर एक चीज पुरानी और एतिहासिक है।

चमत्कारी है यह ठाकुरबाड़ी

पुजारी विद्यार्थी जी बताते हैं कि इस ठाकुरबाड़ी के पूर्वज बहुत ही सिद्ध आत्मा थे। उनका भगवान से सीधे संपर्क होता था। जब यज्ञ का आयोजन होता था, तब कोई चीज घट जाने पर साधु-संत बोलते थे कि जाओ गंगा जी से मांग कर लाओ। गंगा का पानी जब बर्तन में भर कर लाते थे वो घी में तब्दील हो जाता था। बर्तन में गंगा का रेत आटा का रुप ले लेता था। ऐसी कई कहानियां इस ठाकुरबाड़ी के बारे में कही जाती है।

बॉलीवुड में रहना है तो सुंदर दिखना होगा जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में धूम मचा रही हैं। हर दिन सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं।जैकलीन फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं।इस बीच अब हाल ही में एक इंटरव्यू में जैकलीन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया और कई खुलासे किए।साथ ही साथ जैकलीन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के संघर्षों के बारे में भी कई बातें कहीं।जब जैकलीन से पूछा गया कि उनके करियर की शुरुआत में उन्हें सबसे बुरी सलाह क्या मिली थी।इसके जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, एक बार मैं जिम में थी और तब मैं बॉलीवुड में नई-नई ही आई थी। वहां एक अभिनेता भी जिम कर रहे थे। मैंने जब उन्हें बताया कि मैं अपने उच्चारण को सुधारने के लिए क्लास ले रही हूं, तब उन्होंने कहा मुझे इसकी जरुरत नहीं है। यहां टिकने के लिए खूबसूरत दिखना जरूरी है।जैकलीन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, अगर आप खूबसूरत दिखेंगी तो आपके लिए सब आसान हो जाएगा। मैंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। कई बार कई लोगों ने मुझे कहा कि मैं अपने नाक की सर्जरी करवाऊं क्योंकि वह मेरे चेहरे पर सही नहीं लगती, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।हालांकि, जैकलीन मानती हैं कि बॉलीवुड में कई सुंदर बदलाव भी हो रहे हैं।अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह की शूटिंग में व्यस्त हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनीं अनसूया सेन गुप्ता

कोलकाता की रहने वाली अभिनेत्री अनसूया सेनगुप्ता कांस फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बन गयी हैं।

बल्गेरियाई निर्देशक कॉन्स्टेंटिन बोजानोव की हिंदी भाषा की फिल्म द शेमलेस के लीड स्टार्स में से एक अनसूया सेनगुप्ता ने 2024 कान्स फिल्म फेस्टिवल में अन सर्टन रिगार्ड कैटेगरी में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। अनुसूया सेनगुप्ता इस कैटेगरी का टॉप अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय कलाकार हैं। यह इस प्रेस्टीजियस फिल्म फेस्टिवल में भारत के लिए एक अहम मील का पत्थर है।द शेमलेस की शूटिंग भारत में हुई है। इसमें दिल्ली की दो सेक्सवर्कर की कहानी है।

स्टेज पर जब अनसुइया का नाम अनाउंस किया गया तो वो भावुक हो गईं।अनसुइया ने यह अवॉर्ड दुनियाभर में समलैंगिक समुदाय और हाशिए पर रहने वाले अन्य समुदायों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि ये सभी समुदाय बहादुरी से एक ऐसी लड़ाई लड़ रहे हैं जो उन्हें नहीं लड़नी चाहिए। उन्हें समाज में बराबरी का हक पाने के लिए लड़ना पड़ रहा है। द शेमलेस की कहानी दो सेक्स वर्कर्स के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिनमें से एक के हाथों एक पुलिस वाले का खून हो जाता है। इस फिल्म में अनसुइया के अलावा एक्ट्रेस ओमारा शेट्टी भी अहम रोल में नजर आ रही हैं।

पिता सुनील दत्त की पुण्यतिथि पर भावुक हुए संजय दत्त

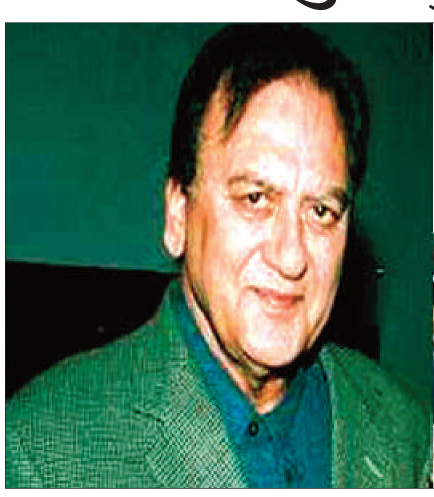

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त अपने पिता सुनील दत्त की पुण्यतिथि पर भावुक हो गये।

संजय दत्त ने अपने पिता और दिवंगत अभिनेता सुनील दत्त की 19वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए एक भावुक पोस्ट किया।संजय दत्त ने इंस्टाग्राम पर पिता सुनील दत्त के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की, जिनमें उनकी 2003 में रिलीज हुई फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस के एक सीन का फोटो भी शामिल है। संजय दत्त ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आपकी यादों और प्यार को संजोए हुए हूं, पिताजी। आप मेरे जीवन में मार्गदर्शक बने रहना। आज और हर दिन... आपकी याद आती है। गौरतलब है कि सुनील दत्त का 25 मई 2005 को निधन हो गया था।

रिवीलिंग लहंगा पहने टीवी की नागिन सुरभि ज्योति ने ढाया कहर

कातिलाना अदाएं देख फैंस रह गए दंग

टीवी की खूबसूरत अभिनेत्री सुरभि ज्योति हमेशा अपने लुक्स के कारण चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनकी हुस्न की बेबाक अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एकता कपूर के सीरियल नागिन 3 में बेला का किरदार निभाकर हर दूसरे घर की चहेती एक्ट्रेस बनीं सुरभि ज्योति आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।उनकी हर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगती थी। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर प्यार लूटाते थे।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी हुस्न की बेबाक अदाओं ने फैंस को उनके हुस्न का कायल कर दिया है।बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं सुरभि ज्योति ने पिंक कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं।ओपन हेयर, कानों में झुमके, स्टाइलिश लुक और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

विश्वक सेन की गैंगस्टर कहानी गैंग्स ऑफ गोदावरी 31 को रिलीज होगी

मास का दास विश्वक सेन ने अपनी बड़ी ब्लॉकबस्टर फलकनुमा दास से नाम कमाया है। अब, वह अपनी आगामी गैंगस्टर फिल्म, गैंग्स ऑफ गोदावरी में एक साहसी गैंगस्टर लंकाला रथना के रूप में आ रहे हैं।दिलचस्प बात यह है कि निर्माताओं ने फिल्म को फलकनुमा दास की ही तारीख 31 मई को रिलीज करने के लिए चुना है।

मेकर्स ने पूरे विश्वास के साथ बताया है कि विश्वक सेन की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचेगी और ब्लॉकबस्टर जरूर बनेगी।विश्वक सेन ने भी फिल्म पर ऐसा ही भरोसा जताया है और उनका मानना है कि गैंग्स ऑफ गोदावरी उनके करियर की एक मील का पत्थर फिल्म होगी.बेहद लोकप्रिय संगीतकार युवान शंकर राजा फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और एल्बम का मधुर एकल सुत्तमला सूसी पहले ही वायरल हो चुका है। 10 मई को टीम ने गैंग्स ऑफ गोदावरी का थीम सॉन्ग बीएडी रिलीज किया।हाल ही में जारी किए गए टीजर के साथ, निर्माता लंकाला रथना के रवैये और धूसर दुनिया को प्रदर्शित करने में सक्षम हुए हैं, जिसने कई फिल्म-प्रेमियों की कल्पना पर कब्जा कर लिया है। टीजर के बाद फिल्म के प्रति उत्सुकता काफी बढ़ गई है।फिल्म का लेखन और निर्देशन कृष्णा चैतन्य कर रहे हैं। जबकि सूर्यदेवरा नागा वामसी, सीथारा एंटरटेनमेंट के साई सौजन्या, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज क्रमश: इसका निर्माण कर रहे हैं। वेंकट उप्पुतुरी और गोपीचंद इनुमुरी फिल्म का सह-निर्माता हैं और श्रीकारा स्टूडियो इसे प्रस्तुत कर रहा है।खूबसूरत अभिनेत्री नेहा शेट्टी और अंजलि फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अनिथ मदादी फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक, नवीन नूली इसका संपादन कर रहे हैं।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर धमाल मचाएगी क्रू

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर सफलता का स्वाद चख चुकी फिल्म क्रू अब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर भी रिलीज हो चुकी है. फिल्म में कॉमेडी की भरपूर डोज है, जिसके साथ-साथ कलाकारों की शानदार एक्टिंग भी देखने लायक है. करीना कपूर खान, कृति सेनन, तब्बू और कपिल शर्मा जैसे सितारों से सजी क्रू को निर्देशक राजेश ए. कृष्णन ने निर्देशित किया है. फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर 156.36 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही थी.इससे पहले नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट के जरिए फिल्म की ओटीटी रिलीज से जुड़ी जानकारी लोगों के साथ साझा की थी। मध्य रात्रि से यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। ऐसे में जिसने भी इस फिल्म को अब तक नहीं देखा वे इसका लुत्फ अब उठा सकते हैं। यह फिल्म अब 190 में देशों में नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकेगी।

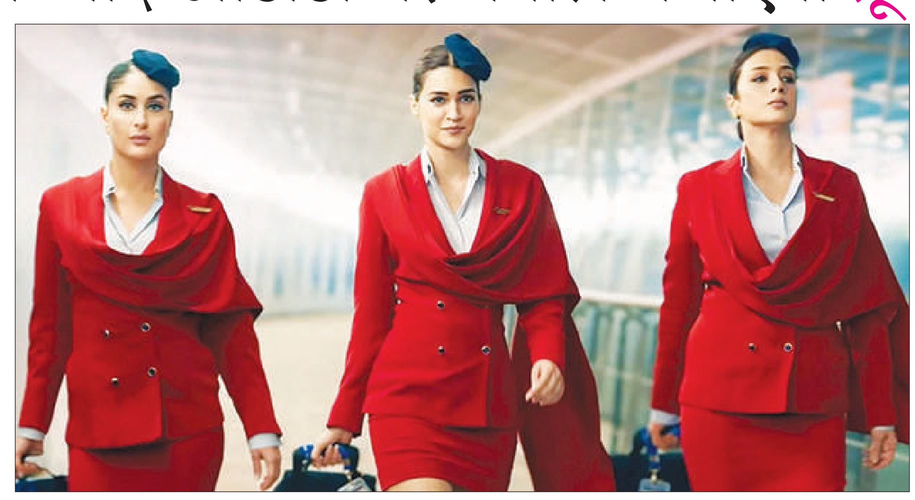

क्रू की कहानी लोगों को काफी पसंद आई थी, जिसकी वजह से इसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कलेक्शन किया था। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 81.7 करोड़ का कलेक्शन किया था। देश के साथ यह फिल्म विदेश में भी काफी पसंद की गई थी। फिल्म का ओवरसीज कलेक्शन 55 करोड़ रहा था।

वहीं, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन कुल 151.35 करोड़ रुपये था। क्रू के निर्माताओं ने इस फिल्म की ओटीटी रिलीज पर अपनी खुशी जाहिर की है। रिया कपूर और एकता आर कपूर ने इस फिल्म को लेकर कहा, थिएटर में सफल प्रदर्शन के बाद क्रू को नेटफ्लिक्स पर लाकर हम रोमांचित हैं। यह फिल्म ढेर सारे हास्य के से दोस्ती और धोखे पर आधारित है। यह एक ऐसी कहानी है जो आपको अपनी सीट से बांधे रखेगी।

दे दे प्यार दे के सीक्वल में नजर आयेगी अजय देवगन और आर माधवन की जोड़ी!

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और आर माधवन की जोड़ी फिल्म दे दे प्यार दे के सीक्वल में नजर आ सकती है।

इस वर्ष प्रदर्शित फिल्म शैतान में अजय देवगन लीड रोल में थे ,वहीं आर माधवन ने शैतान का रोल प्ले किया था। दोनों के बीच हुयी जंग को फैन्स ने बहुत पसंद किया। अजय देवगन और आर माधवन अब फिर साथ आ रहे हैं।

अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल आ रहा है। इस फिल्म में वह रकुल प्रीत संग एक बार फिर से अपनी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को आगे बढ़ाते नजर आएंगे। इस फिल्म में जहां एक तरफ अजय देवगन का लीड रोल होगा वहीं अब फिल्म में आर माधवन की भी एंट्री हो रही है।उनका किरदार अहम होने वाला है।

वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म दे दे प्यार दे में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह के अलावा तब्बू भी लीड रोल में थीं। यह फिल्म सुपरहिट रही थी। अब छह साल बाद इसका सीक्वल बन रहा है।

रजनीकांत को यूएई सरकार ने दिया गोल्डन वीजा

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत को यूएई के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने गोल्डन वीजा दिया है। रजनीकांत हाल ही में अबू धाबी गए थे, जहां उन्हें गोल्डन बीजा मिला। रजनीकांत ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर फैंस को दी है।

इसके साथ ही रजनीकांत ने अबू धाबी सरकार और लुलु ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एमए यूसुफ अली को इसके लिए शुक्रिया भी कहा है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रजनीकांत के कई फोटोज और वीडियो देखने को मिल रहे हैं, जिसमें वह अबू धाबी सरकार को धन्यवाद कह रहे हैं। इस वीडियो में उन्होंने कहते हुए सुना जा सकता है कि अबू धाबी सरकार से इस प्रतिष्ठित यूएई गोल्डन वीजा प्राप्त करके मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।इस वीजा की सुविधा और सभी तरह के सहयोग के लिए मैं अबू धाबी सरकार और अपने दोस्त श्री यूसुफ अली, लुलु ग्रुप के सीएमडी को धन्यवाद देता हूं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी।
व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है।
लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 26 मई 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 06:08 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 10:36 तक
योग : साध्य प्रातः 08:29 तक
करण : वणिज प्रातः 06:37 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:34 से , भद्रा प्रातः 06:36 से सायं 06:07 तक , गण्डमूल प्रातः 10:36 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा चुनाव : करनाल व पानीपत में ईवीएम खराब होने के अधिक मामले आए सामने

※ अंबाला में सरपंच व भाजपाई भिड़े, यमुनानगर में फोटो खींचने पर मीडियाकर्मी का कैमरा छीना
※ करनाल में पूर्व सीएम के सुरक्षाकर्मी व मीडियाकर्मी भिड़े, फर्जी वोटिंग के कई मामले सामने आए
※ अंबाला में सीएम नायब सिंह सैनी ने परिवार के साथ डाला वोट, करनाल में कई दिग्गजों ने किया मतदान

करनाल, 25 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के लोकसभा चुनाव में जीटी बेल्ट के जिलों में सुबह से ही मतदान के लिए उत्साह रहा। सात बजे के पहले ही बूथों पर मतदाता पहुंचने लगे। आठ बजे तक बूथों पर लंबी–लंबी कतार लग गई। अंबाला में मुख्यमंत्री नायब सैनी और करनाल में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल समेत अन्य दिग्गजों ने सुबह ही लाइनों में लगकर मतदान किया। कुछ जगहों पर छिटपुट विवाद भी सामने आया, जबकि पानीपत, यमुनानगर और अंबाला में कुछ केंद्रों पर ईवीएम में आई खराबी के कारण उसे बदलना पड़ा। इस कारण मतदान में भी करीब आधे से एक घंटे की देरी हुई।

सबसे अधिक ईवीएम में दिक्कत पानीपत में देखने को मिली। पानीपत के समालखा के गांव मनाना में बूथ नंबर–171 पर मशीन खराब होने के बाद दूसरी मंगवाई गई है। यहां 8.10 बजे मतदान शुरू हो सका है। पानीपत के एनएफएल के बूथ नंबर–191 पर ईवीएम मशीन खराब होने के बदलनी पड़ी। इस कारण आधे घंटे की देरी से शुरू हो सका मतदान। पानीपत के मतलौडा क्षेत्र में नारा गांव में ईवीएम में खराबी के बाद बदलनी पड़ी। इस कारण करीब आधे घंटे की देरी से मतदान शुरू हुआ। इसके अलावा पानीपत के ही मछरौली में बूथ नंबर–122 पर तकनीकी खराबी के कारण करीब 15 मिनट की देरी से मतदान शुरू हो सका। दूसरी ओर अंबाला के मंडोर में एक बूथ पर ईवीएम नहीं चली। इस कारण उसे बदलना पड़ा। अंबाला छावनी के बूथ नंबर–175 पर तकनीकी खामी से वीवी पैट बदलनी पड़ी। अंबाला के मोहड़ी गांव में 162 नंबर बूथ पर वीवीपैट में खराबी के बाद बदला गया। इससे करीब 15 मिनट मतदान प्रभावित हुआ। यमुनानगर के बिलासपुर में बूथ नंबर–128 पर ईवीएम में आई तकनीकी खराबी से 25 मिनट की देरी से मतदान शुरू हो सका।

करनाल के आदर्श पब्लिक स्कूल में बने बूथ पर भी ईवीएम में तकनीकी खराबी से करीब 20 मिनट मतदान प्रभावित हुआ। इसके बाद इसे सुचारु कर दिया गया था। वहीं करनाल की शिवकॉलोनी स्थित स्कूल में बने बूथ संख्या–180 पर भी ईवीएम में आई खराबी के कारण शुरू में ही बदलनी पड़ी। इससे करीब एक घंटे की देर से मतदान शुरू हो सका।

अंबाला लोकसभा क्षेत्र के साहा में महमूदपुर में भाजपा समर्थकों और गांव के सरपंच में विवाद हो

गया। झगड़े के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर कराया शांत। मामले में सरपंच की ओर पुलिस को शिकायत दी गई है। फिलहाल पुलिस ने मामले को शांत करा जांच और कार्रवाई का भरोसा दिया है।

यमुनानगर के गोविंदपुर में पोलिंग बूथ पर मीडिया कर्मी की ओर फोटो खींचने के बाद बूथ पर विवाद हो गया। मतदान अधिकारी ने फोटो खींचने पर आपत्ति की। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने मीडियाकर्मी का कैमरा छीन लिया। इसके बाद मौके पर पहुंचे डीएसपी ने कैमरा वापस दिलाया और मामला शांत कराया। वहीं करनाल में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल जब वोट डालकर बाहर निकले तो भीड़ के कारण मीडियाकर्मी और उनके एक सुरक्षाकर्मी में झड़प हो गई। दरअसल मीडियाकर्मी पूर्व सीएम की बाइट लेना चाहते थे, लेकिन भीड़ के कारण सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पास नहीं आने दिया। अंबाला लोकसभा के अंतर्गत आने वाली नारायणगढ़ विधानसभा के गांव मिर्जापुर माजरा में शनिवार को सीएम नायब सिंह सैनी परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी सुमन सैनी और बेटा भी वोट बूथ पर वोट डालते दिखाई दिए। वोट डालने के बाद बाहर आकर सीएम नायब सिंह सैनी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जितने भी यह घमंडिया गठबंधन के लोग हैं सभी एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं। कोई भ्रष्टाचार को लेकर जेल में गया है तो कोई जेल के अंदर जाने वाला है। एक भी व्यक्ति इनके में ऐसा नहीं है जो भ्रष्टाचार के मामलों से लिप्त न हो।

कुरुक्षेत्र के मिर्जापुर गांव की किरण कॉलोनी की बुजुर्ग महिला ने बूथ में बैठे व्यक्ति पर जबरदस्ती वोट डलवाने का आरोप लगाया है। करीब 85 साल की नारायणी देवी ने बताया कि उसकी वोट बूथ–157 पर है। वह झाड़ू के निशान पर वोट डालने आई थीं। आरोप लगाया कि जैसे ही वह वोट डालने लगी तो बूथ में बैठे व्यक्ति ने आकर कमल के निशान का बटन दबा दिया। उसने विरोध किया तो व्यक्ति उसे समझाने लगा। वहीं केयूके थाना प्रभारी दिनेश कुमार का कहना है कि मामले के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। मुलाना विधानसभा क्षेत्र के तेजा मोहड़ी गांव के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बने बूथ नंबर 162 में मतदान के बीच ही सुबह करीब 8 बजकर 30 मिनट पर ईवीएम की बैटरी कम हो गई। करीब 30 मिनट के इंतजार के बाद मशीन की बैटरी को बदला गया और फिर से मतदान शुरू हुआ। इस बीच ग्रामीण मतदान करने के इंतजार में काफी देर परेशान हुए और ग्रामीण थककर जमीन पर ही बैठ गए।

पानीपत में लोकसभा चुनाव में कई जगह फर्जी मतदान किए गए हैं। जिले में ऐसे में कई मामले सामने आए हैं। कई मामलों में मौके पर समाधान कर दिया गया, जबकि कई लोगों को बिना मतदान की लौटना पड़ा। कृष्णा देवी ने बताया कि उसकी 75 वर्ष है। उन्होंने हर चुनाव में खुद मतदान किया है। वह शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपने बेटों के साथ मतदान करने पहुंची थी। खादी आश्रम स्थित मतदान केंद्र पर उनको बताया कि उनका वोट पोल हो चुका है, जबकि उसने अपना मतदान नहीं किया है। उन्होंने अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उनको बिना मतदान वापस जाना पड़ा। 75 साल की उम्र में पहली बार बिना मतदान के घर जाना पड़ा। प्रशासन को इस तरह की फर्जी वोटिंग रोकनी चाहिए।

तहसील कैंप के न्यू रमेश नगर निवासी सतनाम ने बताया कि वह राज मिस्त्री है। उसने शनिवार सुबह साढ़े सात बजे मतदान कर दिया था और उसके बाद अपने काम पर चला गया था। उसकी पत्नी मंजीत कौर दिन में अपना मतदान करने विश्व भारती स्कूल देशराज कॉलोनी में पहुंची। यहां उनको बताया कि उसका वोट डाल दिया गया है, जबकि उसने मतदान नहीं किया था। वह शनिवार शाम को काम से घर पहुंचा तो उसने मतदान के बारे में पूछा। वह अपनी पत्नी मंजीत कौर को साथ लेकर मतदान केंद्र पर पहुंचा। यहां अधिकारियों से बात की और अंगुली पर स्याही का निशान न होने बारे दिखाया। उसने 1950 पर फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी। उसने काफी इंतजार किया और अधिकारियों ने बाद में उसकी पत्नी का मतदान कराया। सतनाम ने बताया कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट का महत्व है। एक–एक वोट से सरकार बनती और गिरती देखी हैं। इस तरह से फर्जी वोट नहीं होना चाहिए।

हिसार में 44 डिग्री तापमान की गर्मी होने के बावजूद हिसार की लोकसभा सीट को लेकर शनिवार को मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह 7 बजे जैसे ही मतदान केंद्र के मेन गेट खुले तो बाहर मतदाताओं की लंबी–लंबी कतारें देखने को मिली। हिसार शहर में जयदेवी की ढाणी निवासी बुजुर्ग महाबीर सिंह ने बताया कि वह वोटर स्लिप लेकर पहुंचे तो पता लगा कि उनका वोट पहले ही डाला जा चुका है। महाबीर के बेटे संजय शर्मा ने बताया कि उनकी मां गीता देवी का तीन साल पहले देहांत हो चुका है। उनकी वोट भी कोई डाल गया है।

लोकसभा सीट को लेकर प्रशासन द्वारा कडी सुरक्षा के बीच गांव खेदड़ स्थित बूथ नंबर 124 पर मतदान के दौरान दो गुटों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जैसे ही इसकी भनक एसपी मोहित हांडा को लगी तो वे दल–बल के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस के पहुंचने से पहुंचे से पहले ही संबंधित बूथों पर ड्यूटी दे रहे अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्थिति को संभाल लिया। हालांकि एसपी ने खेदड़ के मतदान केंद्रों पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और कड़ी सुरक्षा रखने के आदेश दिए।

नकली सीबीआई अधिकारी बनकर महिला से 19 लाख रुपए ठगे

श्रीगंगानगर, 25 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान में श्रीगंगानगर के जवाहरनगर थाना क्षेत्र में केंद्रीय गुप्तचर ब्यूरो (सीबीआई) के नकली अधिकारी बनकर एक एडवोकेट की पत्नी को मनी लॉन्ड्रिंग एवं हवाला के मामले में गिरफ्तारी का भय दिखाकर 19 लाख रुपए ठगने का मामला प्रकाश में आया है।पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि अग्रसेननगर निवासी मीरा सूद की शिकायत पर जवाहरनगर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है, जिसकी जांच कार्यवाहक थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर नरेश कुमार कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार मीरा को 21 मई को फोन कॉल आई, जिसमें कॉलर ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर कहा कि उसके खिलाफ मनी लॉड्रिंग और हवाला का मामला दर्ज किया गया है, शीघ्र ही उसे गिरफ्तार कर लिया जायेगा। इसके बाद उस व्यक्ति ने दो तीन अन्य लोगों से भी बात कराई। इस पर महिला घबरा गयी, और उसके कहे अनुसार करीब 19 लाख रुपये एचडीएफसी बैंक में स्थानांतरित कर दिए।

अलवर में तीन लाख 77 हजार से अधिक पुराने वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द

अलवर, 25 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान में अलवर जिले के एनसीआर में आने के बाद परिवहन विभाग द्वारा तीन लाख 77 हजार से अधिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा चुका है।अलवर क्षेत्र के परिवहन अधिकारी सतीश चौधरी ने बताया कि एनसीआर में जारी मोटर व्हिकल एक्ट के तहत पुराने वाहनों के रजिस्ट्रेशन रद्द किये जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस मामले में अदालत के आदेश के बाद 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन सड़कों से हटाये जायेंगे। यही नहीं इन वाहनों को हटाया जा रहा है। अब तक 377471 वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा चुका है।श्री चौधरी ने बताया कि इसके अलावा बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है, एक अप्रैल 2023 से मार्च 2023 तक ऐसे 1284 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर 16 लाख 61 रुपये का जुर्माना वसूला गया है। इसके अलावा अनकवर्ड वहां जो

कचरा या निर्माण सामग्री लेकर जाते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है, ऐसे 394 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर कर 14 लाख 80 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया है। प्रदूषण वाहनों के खिलाफ भी 616 वाहनों पर कार्रवाई की कर 11 लाख 81000 रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

उन्होंने बताया कि गत दोनों अतिरिक्त मुख्य सचिव के अध्यक्षता में एनसीआर में शामिल जिलों की भी बैठक में सभी आरटीओ डीटीओ मौजूद थे। उसमें भी ऐसी कार्रवाई को तीव्रता प्रदान कर और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। साथ ही एक प्रभावी अभियान के रूप में काम करने के लिए भी निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि अलवर एनसीआर से डी रजिस्टर्ड वाहनों को दूसरे जिलों में रजिस्टर करने की जो लोग मंशा रखते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जायेगी और जो वहां रद्द किये जा चुके हैं और एनसीआर में संचालित किया जा रहे हैं, उनको जब्त करने की कार्रवाई की जायेगी, इनमें चाहे दोपहिया वाहन हो या चौपहिया वाहन हो सभी के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

नौतपा के पहले दिन खूब तपा राजस्थान पारा पहुंचा 50 डिग्री सेल्सियस

फलौदी रहा सबसे गर्म, चार की मौत

जयपुर, 25 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान में नौतपा के पहले दिन पारा 50 डिग्री पर पहुंच गया। शनिवार को प्रदेश में हीट स्ट्रोक से चार मौतों की सूचना है। इन्हें मिलाकर अब तक राजस्थान में कुल 18 लोगों की मौत गर्मी से हो चुकी है। शनिवार को जालौर, भीलवाड़ा और अजमेर में लू से मौतें होने की सूचना है। हालांकि अब तक इनकी पोस्टमोर्टम रिपोर्ट नहीं आई है।गर्मी से राजस्थान में मौतों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। अब तक 18 मौतें हो चुकी हैं। राजस्थान के फलौदी में शनिवार को अधिकतम तापमान 50 डिग्री पहुंच गया। हालांकि अब भी ये अपने 2016 के अधिकतम तापमान से एक डिग्री कम है। फलौदी में 19 मई 2016 को 51 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया था। बाड़मेर में 48.8 डिग्री तथा जैसलमेर में 48 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में शनिवार को गर्मी से कुछ राहत रही यहां शुक्रवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में कमी दर्ज की गई। शनिवार को यहां पारा 43.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार–आगामी तीन दिनों के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में 1–2 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। राज्य में चल रहे हीटवेव से तीव्र हीटवेव तथा ऊष्णरात्रि का दौर आगामी तीन–चार दिन जारी रहने की प्रबल संभावना है। 29 मई से पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में तथा 30 मई से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है।

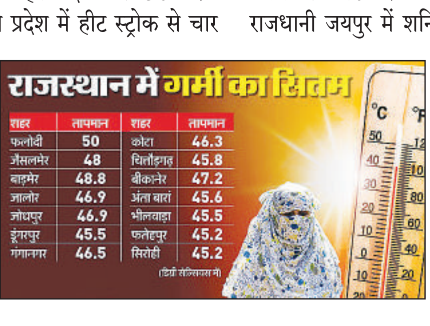

नाकाबंदी में 38 किलो डोडा चूरा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

शाहपुरा, 25 मई (एजेंसियां)।

जिले की रायला थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए एक कार चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 38.200 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली है। शनिवार को रायला पुलिस ने विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए यह सफलता प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा चंचल मिश्रा के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। इस अभियान में पुलिस उप अधीक्षक शाहपुरा रमेश चन्द तिवाड़ी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया और इस टीम ने 38.200 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को विशेष अभियान के तहत गठित टीम ने बछराज चौधरी थानाधिकारी थाना रायला के सुपरविजन में यह कार्रवाई की। थाने के सामने नाकाबंदी के दौरान 38.200 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा तस्करी करते हुए मोहन लाल पुत्र बन्नालाल कुडी निवासी सिमारला जागिर थाना रींगस जिला सीकर को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस की इस सफलता से अवैध मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। तस्करों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। शाहपुरा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी को रोका जा सके।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गांव के बाहर लोगों ने बैनर लगाया

रोड नहीं तो वोट नहीं, अंतिम चरण में है चुनाव

भागलपुर (एजेंसियां)। नालंदा में लोगों ने गांव के बाहर रोड नहीं तो वोट नहीं का पोस्टर लगाया है। लोगों का कहना है कि गांव से देवी स्थान तक जाने के लिए पक्की सड़क नहीं बनी हुई है। जिसके कारण शादी विवाह के मौके पर दूल्हा दुल्हन को पैदल ही पगडंडियों का सहारा लेकर देवी स्थान जाना पड़ता है।

बरसात के दिनों में तो यह समस्या और भी ज्यादा विकराल हो जाती है। सावन के महीने में देवी स्थान पूजा पाठ करने जाने वाले श्रद्धालुओं को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। फिसलन भरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। पगडंडियों के सहारे मंदिर तक जाना पड़ता है। मामला रहुई प्रखंड अंतर्गत

उतरनामा पंचायत का है, जहां दो वार्डों में सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने इस बार वोट बहिष्कार का निर्णय लिया है। शनिवार को ग्रामीणों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए गांव के बाहर एक बैनर लगाया है, जिसमें यह लिखा है कि ग्राम सुलेमानपुर धर्मसिंह बीघा के देवी स्थान के लिए रोड नहीं तो वोट नहीं।

ग्रामीणों की शिकायत यह भी है कि सुलेमानपुर गांव के वार्ड नंबर 02 और वार्ड नंबर 3 में जल-नल और नाला का भी काम नहीं हुआ है। इस वजह से इन वार्डों में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। दोनों वार्डों को मिलाकर करीब 900 लोगों की आबादी है, फिर भी लोग मूलभूत सुविधाओं से अब तक वंचित है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर दादर नदी पर पुल का निर्माण हो जाता तो उन्हें रहुई बाजार जाने में दूरी कम हो जाएगी।

अभी गांव के लोग पेशौर होकर रहुई बाजार जाते हैं। इस दौरान 3 किलोमीटर का सफर अधिक तय करना पड़ता। अगर दादर नदी पर पुल निर्माण हो गया तो यह दूरी घटकर एक किलोमीटर में ही सिमट जाती। इसके अलावे अगर यह पुल बन जाता है तो नदी के उस पार खेत खलिहान जाने और सिंचाई के साधन भी पक्का हो जाएगा।

कई बार इन बातों को लेकर जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर जिले के जनप्रतिनिधि तक ने इस पर संज्ञान नहीं लिया।

कैमूर पहुंचे करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

क्षत्रिय समाज को दिलाई शपथ कहा- भाजपा को वोट न करें

कैमूर (एजेंसियां)। मीडिया को जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि क्षत्रिय समाज के बीच आधे घंटे के संबोधन में मकराना ने बीजेपी का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा की पुरुषोत्तम रूपाला ने राजपूत समाज की महिलाओं के लिए जिस तरह से गलत बयानबाजी की है, उसे करणी सेना और राजपूत समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। राजपूत समाज हमेशा से ही भाजपा का कोर वोटर रहा है।

पुरुषोत्तम रूपाला ने जिस प्रकार से अपने समाज की महिलाओं पर गलत टिप्पणी की थी, उस टिप्पणी को लेकर क्षत्रिय समाज व करनी सेना ने भाजपा से रूपाला का टिकट काटने की मांग की थी, लेकिन भाजपा के केंद्रीय

नेतृत्व द्वारा चेतावनी के बावजूद रूपाला का टिकट नहीं काटा गया। इसी को लेकर करणी सेना व राजपूत समाज इसबार 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा का पुरजोर बहिष्कार कर रहा है। वहीं जानकारी देते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि लगातार नरेंद्र मोदी अपने मंच से 400 के पार का नारा और मोदी की गारंटी अपने भाषण में नहीं दे रहे हैं, क्योंकि भाजपा पूरी तरह से हार रही है।

जमीनी विवाद में दो गुटों के बीच जमकर हुई थी गोलीबारी

एक महिला की इलाज के दौरान मौत

मुंगेर (एजेंसियां)। मृत महिला की पहचान चौकी गांव के रहने वाले राहुल कुमार की पत्नी कंचन देवी के रूप में की गई है। परिजनों बताया है कि 27 अप्रैल को दो गुटों के बीच जमीनी विवाद में जमकर गोलीबारी हुई थी। कंचन देवी अपने छत पर खड़ी थी। इस दौरान गोलीबारी के दरमियान कंचन देवी के सिर में गोली लग गई थी।

गोली लगने के बाद परिजनों ने उसे आनन फानन में इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल लाया था। जहां स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे पटना रेफर कर दिया था। पटना में कुछ दिन तक इलाज चला। इलाज के दौरान कंचन देवी की मौत हो गई।

फिलहाल इस घटना की सूचना परिजनों के द्वारा साहेवपुर कमाल थाना पुलिस को दी। मौके पर साहेवपुर कमाल थाने की पुलिस ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

इस संबंध में शाहपुर कमाल थाना अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया है कि 27 अप्रैल को जमीनी विवाद में दो गुटों के बीच जमकर गोलीबारी हुई थी। इस गोलीबारी में एक महिला को गोली लगने से घायल हो गई थी। घायल अवस्था में उसके परिजनों के द्वारा पटना में इलाज करवाया जा रहा था। जहां इलाज क्रम में उसे महिला की मौत हो गई है।

पीएम मोदी के पीछे असद्दुदीन ओवैसी बिहार पहुंचे, कहा-

तीसरी मर्तबा उन्हें पीएम बनने से रोकेंगे

पटना (एजेंसियां)। छठे चरण के चुनाव को लेकर एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असादुदीन ओवैसी पटना पहुंचे और छठे चरण के चुनाव को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इस बार हमें प्रधानमंत्री को तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनने देना है। इसके साथ ही अमित शाह के उस बयान, जिसमें यह कहा गया था कि 400 पार सीट दीजिये हम मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देंगे, इसपर जवाब देते हुए असादुदीन ओवैसी ने कहा कि वो पक्का आरक्षण को खत्म कर देंगे, संविधान को खत्म कर देंगे , उनके इरादे भी यही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भोजपुर में चुनावी सभा को संबोधित करने के क्रम में कहा था कि भाजपा कर्नाटक और आंध्र में मुस्लिम आरक्षण खत्म करेगी। उन्होंने कहा कि आप भारतीय जनता पार्टी को 400 पार करा दो तो यह मुस्लिम आरक्षण रद्द करके हम पिछड़ा और अति पिछड़ा को दे देंगे। इसी बहाने उन्होंने लालू प्रसाद यादव पर तंज कसते हुए कहा था कि लालू यादव कहते हैं कि मुसलमानों को शत प्रतिशत आरक्षण देना चाहिए। लालू जी, किसका आरक्षण काट कर दोगे? दलितों का, आदिवासियों का या पिछड़ा समाज का आरक्षण काट कर दोगे? स्पष्ट करो।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असद्दुदीन ओवैसी पटना पहुंचे हैं, जो आज पाटलिपुत्रा संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार फारुक राजा उर्फ़ डब्लू को जीत दिलाने के लिए प्रचार करेंगे। फारुक राजा उर्फ़ डब्लू पहले राष्ट्रीय जनता दल में थे, अब दो महीना पहले वह राजद छोड़ असद्दुदीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम में शामिल हुए हैं और पार्टी ने उन्हें पाटलिपुत्रा से उम्मीदवार बनाया है। पाटलिपुत्रा संसदीय क्षेत्र के राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती और एनडीए प्रत्याशी राम कृपाल यादव लोक सभा के चुनावी मैदान में हैं।

अपराधियों ने बालू कारोबारी को गोलियो से भूना

पटना (एजेंसियां)। पटना के पालीगंज अनुमंडल के सिगरी खीरी मोर बॉर्डर पर बाइक सवार अपराधियों ने बालू कारोबारी को गोलियों से भून डाला। इस घटना में बालू व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी आराम से हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पालीगंज अनुमंडल पदाधिकारी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज कर आगे की छानबीन शुरू कर दी है। घटना की पुष्टि करते हुए पालीगंज अनुमंडल पदाधिकारी प्रीतम कुमार ने बताया कि मामला पुरानी दुश्मनी का प्रतीत हो रहा है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि सुगम टोला निवासी गणेश यादव (35) अपने बाइक से बालू घाट से घर लौट रहे थे। इसी क्रम में पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने सिगोरी मोड़ बॉर्डर के पास उन्हें गोलियों से भून डाला। घटना के बाद अपराधी बाइक से फरार हो गए। घटना को लेकर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी प्रीतम कुमार ने बताया कि गणेश यादव पूर्व के कई मामले में भी नामजद रहे हैं। उन्होंने बताया कि छानबीन में यह बात सामने आयी है की आपसी पुरानी रंजिश को लेकर अपराधियों के द्वारा गणेश यादव को गोली मारी गई है, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

आपसी विवाद में बड़े भाई की हत्या कर फरार हुआ युवक, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में आपसी विवाद को लेकर छोटे भाई ने अपने सगे और बड़े भाई की हत्या कर दी। इस घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। यह घटना जिले के तुर्की थाना क्षेत्र के बाकरपुर गांव की है। मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। दरअसल, देर रात हुए दोनों भाइयों के बीच विवाद में छोटे भाई सोनू मंडल ने अपने बड़े भाई पर लोहे के रॉड से मारकर गंभीर रूप में घायल कर दिया था, जिसके बाद घायल व्यक्ति की शुक्रवार को मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की देर रात को दोनों भाइयों की पत्नी के बीच कहासुनी हो गई थी। इसे लेकर भोला मंडल (35) का भी अपने छोटे भाई सोनू मंडल (30) से विवाद हो गया। उसके बाद छोटे भाई ने लोहे की रॉड से मारकर बड़े भाई को जख्मी कर

दिया था। इलाज के बाद उसे घर लाया गया था, जहां आज शुक्रवार की सुबह ही भोला मंडल की मौत हो गई। वहीं, इस घटना की जानकारी के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और परिजन रो-रो कर बेहाल हो गए। इधर, मामले की जानकारी के बाद तुर्की थाना पुलिस और डीएसपी वेस्ट 2 मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेज दिया। पुलिस मृतक के परिजन के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

मामले में तुर्की थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि दो भाइयों के बीच अपनी-अपनी पत्नी के पक्ष को लेकर मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था। उसमें छोटे भाई सोनू मंडल ने लोहे की रॉड से बड़े भाई पर हमला बोल दिया था। आज सुबह बड़े भाई भोला मंडल की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच पहले से परिवार को लेकर विवाद था, लेकिन देर रात को विवाद बढ़ गया। फिलहाल मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है।

वहीं, आरोपी सोनू मंडल फरार हो गया है, जिसको पकड़ने के लिए छापामारी की जा रही है।

ग्रामीणों ने किया है वोट का बहिष्कार

गोपालगंज (एजेंसियां)। आज आठ सीटों पर मतदान हो रहा है लेकिन गोपालगंज के दो बूथों पर सुबह से एक भी मतदान नहीं हुआ। अब तक वहां मतदानों की संख्या शुन्य है क्यों कि स्थानीय लोगों ने मतदान का पूर्ण बहिष्कार किया है। ग्रामीणों में कहीं रेलवे ढाला तो कही सड़क नहीं होने से नाराजगी है। वही वोटरों को मनाने में अधिकारी लगे हुए है। गोपालगंज सुरक्षित लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से मतदान हो रहा है, लेकिन बरौली विधानसभा के बूथ संख्या 223 नवादा चंदन टोला गांव और माझागढ़ प्रखंड के भटवालिया स्थित बूथ संख्या 51 पर ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार कर दिया है। बरौली के भटवालिया और नवादा चंदन टोला में रेलवे क्रॉसिंग नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने वोट बाहिष्कार किया हैं।

वही हथुआ विधानसभा के चैनपुर गांव में सड़क नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाकर ग्रामीण वोट का बहिष्कार कर रहे हैं। इस वजह से सुबह से इस गांव में बनाए गए बूथ पर एक भी वोटर

मतदान करने नहीं पहुंचे हैं। इस मामले में पीठासीन अधिकारी तनवीरअहमद ने कहा कि सुबह से एक भी मतदान नहीं हुआ है। सभी बूथों पर वोटरो का इंतजार किया जा रहा है। लेकिन एक भी मतदाता वोट करने नही आ रहा है, जिसकी वजह से यह मतदान बाधित है। वहीं सदर एसडीएम व उपविकास आयुक्त सहित जिला प्रशासन वोटरों को मनाने में लगा हुआ है।

वोट बहिष्कार मामले को लेकर गोपालगंज डीएम मक़सूद आलम ने बताया कि नाराज वोटरों को मनाने की कोशिश की जा रही है। डीएम का दवा है कि एक दो जगहों पर मतदान शुरू हो गया है। डीएम ने लोगों से वोट बहिष्कार छोड़ मतदान करने की अपील की है।

प्रशासन की मेहनत रंग लायी और अंततः लगभग 1 :30 बजे मतदान शुरू हो गया। मांझागढ़ के बूथ संख्या 51 पर लोगों ने वोट डालने शुरू कर दिए। इस संबंध में गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि ग्रामीणों की मांग को पूरा करने की कोशिश की जाएगी, उनके इसी आश्वासन पर लोगों ने मतदान शुरू कर दिए। ग्रामीण रेलवे ढाला के निर्माण को लेकर वोट का बहिष्कार कर रहे थे। इस संबंध में गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात में दी जानकारी।

स्टेशन मास्टर की पत्नी ने की खुदकुशी, पति ने कहा-

मानसिक रूप से बीमार थी, जहर खाकर दे दी जान

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में रेलवे स्टेशन मास्टर की पत्नी ने आत्म हत्या कर लिया। घटना के बाद मस्टर सहित दो बेटी का रो-रोकर बूरा हाल है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है। घटना गुरुवार को पूर्णिया रेलवे स्टेशन की है। मृतिका पूर्णिया रेलवे जंक्शन के स्टेशन मास्टर जितेंद्र मित्र के 40 वर्षीया पत्नी सुप्रिया सुमन के रूप में की गई है।

स्टेशन मास्टर पति जितेन्द्र मित्रा ने बताया कि दोपहर में जब दोनों बच्चे स्कूल से घर लौटे,तभी उसकी पत्नी कमरे में गई और दरवाजा बंद कर लिया। कुछ ही देर बाद जब उसकी पत्नी के बेचैनी की आवाज सुनाई दी। दरवाजा खोलकर अंदर गया तो पता चला कि उसने जहर खाकर लिया। इसके बाद उसे उल्टी होने लगी। आननफानन में उसे इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज

अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि उसकी पत्नी मानसिक रूप से बीमार चल रहे थी। उसका एक मनोविज्ञान चिकित्सक से इलाज भी चल रहा था। मृतका की दो बेटियां हैं, जिनमें बड़ी 10वीं और छोटी 5वीं कक्षा की छात्रा है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है। घटना के बाद पति एवं दोनों बेटियों का रो रोकर बुरा हाल है। मामले को लेकर रेल पुलिस ने बताया कि स्टेशन मास्टर की पत्नी की मौत की जानकारी मिली है। स्टेशन मास्टर शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और मामले को लेकर कोई आवेदन नहीं दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com